जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

38 YEARS AFTER HER DEATH

Film critic Maithili Rao wrote Patil's biography titled *Smita Patil: A Brief Incandescence.*

How to Boost Your Own Confidence in 5 Minutes a Day

Handwriting activates broader brain networks than typing

अजमेर में सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चादर पेश की। उन्होंने देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी और प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ कर सुनाया।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से अजमेर दरगाह में चादर चढ़ाई

मंत्री रिजिजू ने मोदी का संदेश पढ़ा और गरीब नवाज़ ऐप लाँच किया

अजमेर, 4 जनवरी (कासं)। केन्द्रीय अल्प संख्यक मामलात मंत्री किरण रिजिजू ने शनिवार को अजमेर स्थित विश्व विख्यात सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में सालाना उर्स के मौके पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से मजार शरीफ पर चादर व अकीदत के फूल पेश कर देश में अमन-चैन व भाईचारे की दुआ की। इस मौके पर दरगाह स्थित महफिलखाने में प्रधानमंत्री मोदी के संदेश को केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने पढ़कर सुनाया।

- **प्रधानमंत्री ने संदेश में कहा, "ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के लोक कल्याण व मानवता से जुड़े संदेशों ने लोगों पर अमिट छाप छोड़ी है और उनके प्रति विश्वभर में लोगों की गहरी आस्था है।"**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संदेश में कहा, "गरीब नवाज़ के 813वें उर्स मुबारक के अवसर पर दुनियाभर में उनके अनुयायियों और अजमेर शरीफ में आए सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। विभिन्न काल खण्डों में हमारे संतों, पीरों, फकीरों व महापुरुषों ने अपने कल्याणकारी विचारों से जन-जन के जीवन को आलोकित किया। इस कड़ी में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के लोक कल्याण व मानवता से जुड़े संदेशों ने लोगों पर अमिट छाप छोड़ी है और उनके प्रति विश्वभर में लोगों की गहरी आस्था है। समाज में प्रेम और सौहार्द्र को बढ़ाने के लिए समर्पित उनका जीवन व आदर्श हमारी पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। उनके वार्षिक उर्स का उत्सव लोगों के आपसी जुड़ाव को सशक्त करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विख्यात खेल पत्रकार के. दत्ता का निधन

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। टाइम्स ऑफ इंडिया के पूर्व स्पोर्ट्स एडिटर और भारत में खेल पत्रकारिता के पुरोधा के. दत्ता का नई दिल्ली में निधन हो गया। वे 93 वर्ष के थे तथा उनकी अंतिम इच्छानुसार उनका मृत शरीर मैडिकल कॉलेज को दान कर दिया गया है।

उनके पुत्र राहुल दत्ता "द पायोनियर" में हैं और दामाद अनिल आनंद एक कश्मीरी दैनिक के संवाददाता हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई पत्रकारों को पत्रकारिता के गुर सिखाए। दत्ता साहेब बेहद सरल स्वभाव के सादगी पसंद इंसान थे, वे प्रैस एन्क्लेव से बस से यात्रा करते थे और कई बार बस टिकट पर ही खबर के नोट्स लिख लेते थे।

- **वे 93 वर्ष के थे। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार, उनका मृत शरीर मैडिकल कॉलेज को दान कर दिया गया है।**

प्र.मंत्री मोदी ने ममता बनर्जी से दोस्ती के लिए अडानी को मैदान में उतारा

अडानी, इंडिया ब्लॉक में राहुल की जगह ममता बनर्जी को नेतृत्व की भूमिका में लाने की कोशिश में हैं

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने अरबपति मित्र गौतम अडानी को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से दोस्ती करके राहुल को विपक्षी गठबंधन इंडिया ग्रुप के मुखिया पद से हटाने की जिम्मेदारी सौंपी है।

राहुल गांधी और उनकी बहिन प्रियंका ने गत एक साल से अडानी ग्रुप के विरुद्ध मुहिम छेड़ रखी और इस बात से गौतम अडानी बहुत नाराज हैं।

तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि अडानी को प.बंगाल की कोयला खानों में भी गहरी रुचि है। बांग्लादेश के पावर प्रोजेक्ट के लिए उन्हें ये कोयला खानें जल्द से जल्द चाहिए।

नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार भी ममता बनर्जी को इंडिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अडानी को इस मुहिम में शरद पवार का भी साथ मिल रहा है। पवार और अडानी की पुरानी दोस्ती रही है और पवार भी ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व सौंपने की बात कर रहे हैं।**
- **इसमें अडानी का भी फायदा है। उनकी नज़र प. बंगाल की कोयला खानों पर है, बाँग्लादेश के पावर प्रोजैक्ट के लिए उन्हें इन खानों की जरूरत है।**
- **सूत्रों का कहना है कि अडानी के इशारे पर ही ममता बनर्जी ने तृणमूल सांसदों को लोकसभा में, राहुल की अडानी विरोधी मुहिम से दूर रहने को कहा था।**

कांग्रेस अब आर.जे.डी. और ओवैसी के साथ आक्रामक तरीके से मुस्लिम हितों के पक्ष में खड़ी होगी

इस विचार परिवर्तन के साथ कांग्रेस इन दोनों पार्टियों के साथ सुप्रीम कोर्ट में जाने की तैयारी में है

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। आगरा की मुबारक मंज़िल, जिसे औरंगज़ेब की हवेली के नाम से भी जाना जाता है, के विध्वंस के बाद, जाहिर तौर पर कांग्रेस ने, अल्पसंख्यक अधिकारों के मुद्दों पर अपने रवैये में थोड़ा बदलाव किया है। अभी तक पार्टी अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ज्यादा आक्रामक रुख नहीं अपना रही थी, शायद हिंदू वोटों को नाराज़ नहीं करने की दृष्टि से। अब पार्टी प्लेसेज़ ऑफ वर्शिप एक्ट, 1919, को सख़्ती से लागू करने की मांग करने के लिए, ए.आई.एम.आई.एम. तथा आर.जे.डी. के साथ सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाने को तैयार है।

उत्तर प्रदेश पुरातत्व विभाग द्वारा स्मारक की सुरक्षा के लिए अधिसूचना जारी करने के केवल तीन महीने बाद ही, 17 वीं शताब्दी की इस इमारत को लगभग पूरी तरह से ज़मींदोज़ कर दिया गया है, कथित तौर पर स्थानीय बिल्डरों और अधिकारियों की मिलीभगत से। यह घटना मस्जिदों और मुगलकालीन संरचनाओं के नीचे मंदिरों की खोज के लिए खुदाई के अभियान की पृष्ठभूमि में हुई है।

- **कांग्रेस ने तय किया है कि 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के सख्त क्रियान्वयन के लिए सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप आवेदन दायर किया जाएगा। आर.जे.डी. तथा ओवैसी की पार्टी पहले इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज कर चुकी हैं।**
- **हृदय परिवर्तन का प्रमुख कारण आगरा में 17वीं सदी की इमारत "मुबारक मंज़िल", जिसे औरगज़ेब की हवेली के नाम से जाना जाता है, को तोड़ देना है।**
- **इसके अलावा आगरा के ताजमहल और अजमेर दरगाह के सर्वे की मांग की जा रही है और दावा किया जा रहा है कि ये इमारतें शिव मंदिर पर बनाई गई हैं।**
- **इससे पहले संभल की शाही मस्जिद का भी सर्वे करवाया गया था और वहाँ हरिहर मंदिर के अवशेष मिलने का दावा किया गया था, जिसके बाद संभल में हिंसा भड़क गई थी।**
- **कांग्रेस को लगता है कि अगर अभी वह अल्पसंख्यकों के लिए खड़ी नहीं हुई तो मुस्लिम वोट इससे और दूर होता चला जाएगा।**

दक्षिणपंथी संगठनों ने दावा किया है कि ताजमहल एक शिवमंदिर के ऊपर बनाया गया था, जैसे संभल की शाही मस्जिद हरिहर मंदिर के ऊपर बनाई गई। अजमेर दरगाह को खोदने की भी मांग की गई है, यह पता लगाने के लिए कि क्या इसके नीचे कोई मंदिर था। हाल ही में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने, पूजा स्थलों के खिलाफ कोई भी मुकदमा दायर करने पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया और वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा में शाही ईदगाह या संभल जामा मस्जिद से संबंधित मुकदमों में जिला अदालतों को सर्वे करने का निर्देश देने से रोक दिया।

ए.आई.एम.आई.एम. और आर.जे.डी. द्वारा दायर याचिकाओं सहित, कई याचिकाओं में पूजा स्थल अधिनियम, 1991 को सख़्ती से लागू करने की मांग की गई है। उच्चतम न्यायालय 17 फरवरी को इस मामले पर सुनवाई करेगा। ज्ञात हुआ है कि कांग्रेस सर्वोच्च न्यायालय में, कार्यवाही में पक्ष कार बनने के लिए हस्तक्षेप आवेदन (इम्पैडिमैंट एप्लिकेशन) दायर करेगी। यदि कांग्रेस ऐसा करती है, तो यह अल्पसंख्यक अधिकारों के प्रश्न पर पार्टी की रणनीति में एक सूक्ष्म बदलाव होगा। हाल के वर्षों में कांग्रेस को आलोचनाओं का सामना करना पड़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक सरकार ने बसों का किराया 15 प्रतिशत बढ़ाया

भाजपा ने कहा, महिलाओं को मुफ्त यात्रा कराने वाली शक्ति योजना के एवज़ में नव वर्ष का तोहफा दिया है कांग्रेस ने

-लक्ष्मण वैंकट कुची-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने शनिवार को राज्य परिवहन निगम की बसों और सिटी बसों का किराया 15 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जिसकी भाजपा ने कड़ी आलोचना की और कहा कि यह सरकार का उपभोक्ताओं को नव वर्ष का तोहफा है। भाजपा ने कहा कि यह किराया-वृद्धि सरकार के कुप्रबंध और महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा- शक्ति योजना- की देन है।

जब से राज्य सरकार ने बस किराया बढ़ाने का फैसला किया है, भाजपा आंदोलन पर उतर आई है। भाजपा ने विरोध का नया तरीका अपनाया है, वह बस यात्रियों को गुलाब का फूल दे रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा ने सरकार के इस फैसले पर विरोध का अनोखा तरीका अपनाया है। भाजपा के नेता व कार्यकर्ता बस यात्रियों को गुलाब का फूल दे रहे हैं और किराया बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री की तरफ से माफी मांग रहे हैं।**
- **राज्य के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने किराया वृद्धि के फैसले को उचित ठहराते हुए कहा, शक्ति स्कीम की वजह से खर्चा बहुत बढ़ गया है।**
- **राज्य परिवहन मंत्री की इस स्वीकारोक्ति से भाजपा के विरोध को और बल मिला है।**

दिल्ली विधानसभा चुनाव, भाजपा ने पहली लिस्ट जारी की

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 29 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट घोषित कर दी है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता को रोहिणी से पुनः टिकट दिया गया है, वहीं प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को नई दिल्ली, सरदार तरविंदर सिंह मारवाह को जंगपुरा, रमेश बिधूड़ी को कालकाजी, सरदार अरविंद सिंह लवली को गांधी नगर और सतीश उपाध्याय को मालवीय नगर से टिकट दिया गया है।

- **पहली लिस्ट में 29 प्रत्याशियों के नाम हैं, जिनमें प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता भी शामिल हैं।**

प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाला का निधन

मुंबई, 04 जनवरी। भारत के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाला चिदंबरम का शनिवार तड़के निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारी ने बताया कि तड़के 3 बजकर 20 मिनट पर मुंबई जसलोक अस्पताल में राजगोपाला ने अंतिम सांस ली।

देश में परमाणु हथियार विकसित करने में डॉ. राजगोपाला की सक्रिय भूमिका रही। 1974 के पोखरण टेस्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **डॉ. राजगोपाला ने 1998 में पोखरण टेस्ट साइंटिस्ट टीम का नेतृत्व किया था। उनका 1974 के पोखरण टेस्ट में भी महत्वपूर्ण योगदान था।**

'राहुल गांधी काम सीख रहे हैं, प्रियंका बहुत तेजस्वी हैं'

वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. करण सिंह ने एक न्यूज़ एजेन्सी को दिए इंटरव्यू में गांधी परिवार पर अपनी राय दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। पुराने राजनेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री कर्ण सिंह का कहना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी "काम सीख रहे हैं" और उनमें सुधार हो रहा है। वहीं, उन्होंने प्रियंका गांधी की प्रशंसा के पुल बाँधते हुये, उन्हें "तेजस्वी लड़की" बताया है।

हाल ही में एक समाचार एजेंसी के ऑडियो-विज़ुअल कार्यक्रम में 93-वर्षीय करण सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद, नेहरू गांधी की चार पीढ़ियों के साथ उनका जुड़ाव रहा है। ज्ञातव्य है कि कर्ण सिंह पूर्व जम्मू-कश्मीर राज्य के सदर-ए-रियासत (संवैधानिक प्रमुख) रह चुके हैं।

राहुल गांधी, जिन्हें हरियाणा एवं महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद बड़े मुश्किल सवालों का सामना करना पड़ रहा है, के बारे में पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, "राहुल एक बहुत ही भले युवक हैं। मुझे वे बहुत प्रिय हैं।" अमेरिका में भारत के राजदूत रह चुके, सिंह ने कहा कि राहुल गांधी उनके निकट सम्पर्क में रहा करते थे, लेकिन इन दिनों वे उतने निकट सम्पर्क में नहीं हैं।

उन्होंने कहा, "लेकिन मेरा मानना है कि उनमें सुधार हो रहा है।"

सिंह ने कहा, "साल-दर-साल, वे निखर रहे हैं। मेरा मानना है कि काम सीख रहे हैं।" उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री बनेंगे या नहीं, यह एक अव्यवहारिक प्रश्न है।"

सिंह, जो प्रियंका से उनके बचपन से ही परिचित हैं, उनकी प्रशंसा करने से स्वयं को नहीं रोक सके। उन्होंने कहा, "वे कुशाग्रबुद्धि लड़की हैं, वे ज़िन्दादिल हैं। वे बहुत तेजस्वी हैं।" पूर्व केन्द्रीय मंत्री कर्ण सिंह सबसे पहले 36 वर्ष की उम्र में इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में शामिल हुये थे। उन्होंने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को अपना "मेन्टर" बताया।

उन्होंने कहा, "मैं उनके (इंदिरा गांधी) साथ मंत्रिमंडल में 10 साल रहा। मैंने उनका सबसे अच्छा क्षण- बाँग्लादेश (मुक्ति) देखा, तो उनका सबसे बुरा क्षण- आपातकाल भी देखा। सब देखा है।"

सिंह ने यह भी कहा कि 1991 में हुई राजीव गांधी की हत्या एक भयानक त्रासदी थी। उस समय, सब यह मानकर चल रहे थे कि वे "भारत को 21वीं सदी में ले जायेंगे।"

एक उत्कंठित संगीत प्रेमी, सिंह आज भी गाते हैं और सप्ताह में एक दिन "रियाज़" करते हैं। उन्होंने एक रहस्योद्घाटन करते हुये कहा कि 2006 में, राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर विचार किया गया था, लेकिन वामपंथी दलों ने इसे अस्वीकार कर दिया था। सिंह के अनुसार, 2006 में हुई एक मीटिंग में सोनिया गांधी ने उनका नाम प्रस्तावित किया था लेकिन वामपंथी दलों ने कहा, "एक "महाराजा" हमारा राष्ट्रपति कैसे हो सकता है? प्रतिभा पाटिल 2007 में राष्ट्रपति बन गई थीं।"

सिंह, जिन्होंने "इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस" तथा यूनेस्को में भी अपनी सेवाएं दीं, ने कहा, लेकिन उन्हें राष्ट्रपति न बनाये जाने का कोई अफसोस नहीं है।

- **कश्मीर के पूर्व महाराजा, 93 वर्षीय करण सिंह का नेहरू गांधी परिवार से संबंध चार पीढ़ी पुराना है। वे नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी के निकट सम्पर्क में रहे हैं।**
- **उन्होंने राहुल के बारे में कहा, राहुल बहुत भले आदमी हैं, मैं उन्हें पसंद करता हूँ, पहले वे मेरे टच में थे आजकल नहीं हैं, पर उनमें लगातार निखार आ रहा है।**
- **करण सिंह ने कहा कि प्रियंका को वे बचपन से जानते हैं, वह बहुत समझदार और गुणी हैं, उनमें बहुत संभावनाएं हैं।**
- **करण सिंह ने बताया कि 2006 में सोनिया गांधी ने उन्हें राष्ट्रपति बनाने का प्रस्ताव रखा था, पर वामपंथियों ने यह कह कर प्रस्ताव ठुकरा दिया था कि "महाराजा" हमारा राष्ट्रपति कैसे बन सकता है। उसके बाद प्रतिभा पाटिल राष्ट्रपति बनी थीं।**

तमिलनाडु-पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से 6 श्रमिक मरे

विरुधुनगर 04 जनवरी। तमिलनाडु के विरुधनगर के अप्पानाइकेनपट्टी गांव में शनिवार को एक निजी पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट होने से छह श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार साईनाथ फायरवर्क्स फैक्ट्री में जब श्रमिक फैंसी किस्म के पटाखे बनाने के लिए अत्यधिक ज्वलनशील रसायनों को मिला रहे थे तभी जोरदार विस्फोट हुआ। शक्तिशाली विस्फोटों की एक श्रृंखला ने चार गोदाम को तहस-नहस कर दिया, जहां तैयार पटाखों और रसायनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **साईनाथ फायरवर्क्स में फैंसी किस्म के पटाखे बनाते समय जोरदार विस्फोट हुआ।**

विचार बिन्दु

मनुष्य जीवन अनुभव का शास्त्र है। –विनोबा

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

यजुर्विद संहिता का एक सूत्र है: हरित्समुच्चयः शुभहेतुरेषः,स्वस्थं शरीरं मनसश्च शान्तिम्। विनाशयत्या शुगदांस्तथान्याः, सृजत्ययुं दीर्घमथो समृद्धिम्।। तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे-भरे पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल, धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिड़की से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है, और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिड़की के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव, और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों, जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप, में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना, जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ग्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समग्र विवरण देखा जा सकता है।

अल्फ़ानो और साथियों (Environmental Research : 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियलीमिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

कामी-बर्नाल और साथियों (Health and Place : 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप-2 मधुमेहकी घटनाएं कम थीं।

डिमाकोपुलू और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3,2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति-वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301,2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा-विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप)में 0.1 की वृद्धि से कार्डियोवैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, 135-136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बर्ट्रैंड और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शनका उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआईमें 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health, 141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशततक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116,2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749 स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई नेविशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस-रुएडा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:469-477, 2019) ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैंसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताता है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैंसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार, और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर,हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: वनंप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिंलभन्तेहृदये सदा वै। तनुः सुदृढ्यामनसः प्रसादं, विधायसेव्यंशमयेत्व्यथाश्च।। तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना, उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्कों का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना, और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही, सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज, और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

साइबर सुरक्षा: बढ़ते साइबर खतरों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल और तकनीक

प्रो. अशोक कुमार

आज के डिजिटल युग में, साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। हर दिन नए-नए साइबर खतरे उभर रहे हैं, जो व्यक्तिगत, व्यावसायिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

साइबर सुरक्षा क्या है? :- साइबर सुरक्षा डिजिटल सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को अनधिकृत पहुंच, उपयोग, खुलासा, विकृति, विनाश या अवरोध से बचाने के लिए आवश्यक उपायों और प्रक्रियाओं का समूह है।

बढ़ते साइबर खतरे

साइबर खतरे लगातार बदलते रहते हैं और अधिक जटिल होते जा रहे हैं। कुछ प्रमुख साइबर खतरे निम्नलिखित हैं:

मैलवेयरः दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर जो सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है या डेटा चोरी कर सकता है।

फ़िशिंगः धोखेबाजों द्वारा संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोग की जाने वाली एक तकनीक।

रैंसमवेयरः डेटा को एन्क्रिप्ट करने और फिर उसे वापस पाने के लिए फिरौती मांगने वाला एक प्रकार का मैलवेयर।

डेनियल-ऑफ़-सर्विस हमलेः किसी सिस्टम या नेटवर्क को अस्थायी रूप से या स्थायी रूप से अनुपयोगी बनाने के लिए किए जाने वाले हमले।

सोशल इंजीनियरिंगः लोगों को धोखे में डालकर संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने की एक तकनीक।

साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल

साइबर सुरक्षा पेशेवरों को निम्नलिखित कौशल होने चाहिएः–

तकनीकी कौशलः नेटवर्किंग, ऑपरेटिंग सिस्टम, डेटाबेस, प्रोग्रामिंग और सुरक्षा उपकरणों का ज्ञान।

समस्या सुलझाने की क्षमताः जटिल सुरक्षा समस्याओं का विश्लेषण करने और समाधान खोजने की क्षमता।

संचार कौशलः तकनीकी जानकारी को गैर-तकनीकी लोगों को समझाने की क्षमता।

नैतिक हैकिंगः सुरक्षा कमजोरियों का पता लगाने के लिए हैकिंग तकनीकों का उपयोग करने की क्षमता।

अद्यतन रहने की क्षमताः साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में लगातार नए खतरे और तकनीकें उभरती रहती हैं, इसलिए एक साइबर सुरक्षा पेशेवर को हमेशा अद्यतन रहना चाहिए।

साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक तकनीकें

साइबर सुरक्षा के लिए निम्नलिखित तकनीकों का उपयोग किया जाता हैः–

फ़ायरवॉलः अनधिकृत पहुंच को रोकने के लिए नेटवर्क ट्रैफ़िक को फ़िल्टर करता है।

एंटीवायरस सॉफ़्टवेयरः मैलवेयर से बचाने में मदद करता है।

इंट्रूज़न डिटेक्शन सिस्टम : नेटवर्क पर हमलों का पता लगाता है।

इंक्रिप्शनः डेटा को सुरक्षित करने के लिए इसे कोड में परिवर्तित करता है।

बैकअपः डेटा हानि की स्थिति में डेटा को पुनर्स्थापित करने के लिए।

निष्कर्ष– साइबर सुरक्षा एक तेजी से विकसित होता हुआ क्षेत्र है। साइबर खतरों से निपटने के लिए, संगठनों को मजबूत साइबर सुरक्षा रणनीतियां लागू करनी चाहिए और कुशल साइबर सुरक्षा पेशेवरों को नियुक्त करना चाहिए। व्यक्तियों को भी अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक होना चाहिए।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय

राव शिवराजपाल सिंह की पुस्तक का विमोचन

केंद्रीय मंत्री यादव ने ''मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां'' पुस्तक का विमोचन किया

शिवराजपाल सिंह की ''मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां'' पुस्तक का केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने विमोचन किया।

जयपुर। राव शिवराजपाल सिंह की पुस्तक "मनोरंजक प्रेरणास्पद बाल कहानियां'' का केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा पर्यावरण भवन स्थित कार्यालय में विमोचन किया।

इस अवसर पर मंत्री भूपेंद्र यादव ने नई पीढ़ी के बाल मनोविज्ञान पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली कहानियों की आवश्यकता पर अपनी राय व्यक्त की। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार आंग्ल नव वर्ष के अवसर पर करौली जिले के इनायती गांव के निवासी वरिष्ठ साहित्यकार राव शिवराज पाल सिंह की भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में भेंट हुई। मुलाकात में मंत्री यादव ने करौली जिले के जल संसाधनों, वन एवं पर्यावरण पर भी चर्चा कर रुचि दिखाई। इस अवसर पर रतलाम भाजपा के मंत्री कीर्ति शरण सिंह और मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य निमिष भी उपस्थित थे। उनसे भी मंत्री भूपेंद्र यादव ने स्थानीय राजनीति और जल विषयक मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री भूपेंद्र यादव ने राव की पुस्तक को नई पीढ़ी के बच्चों के लिए बहुत प्रेरणास्पद बताया।

रीट-2024 : 5.29 लाख आवेदन प्राप्त हुए

आगामी 27 फरवरी को होगी रीट-2024 परीक्षा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) के लिए शनिवार शाम तक करीब 5.29 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जनवरी है और परीक्षा 27 फरवरी को आयोजित की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को परीक्षा केंद्रों की सूची 5 जनवरी तक मिलने की संभावना है। रीट-2024 के लिए दो लेवल निर्धारित किए गए हैं। इस परीक्षा के लिए अब तक प्रथम लेवल के लिए 1,60,320 और द्वितीय लेवल के लिए 3,65,230 और दोनों लेवल के लिए 40,141 आवेदन प्राप्त हुए हैं। शेष दस दिनों में 6 से 8 लाख और आवेदन आने की संभावना जताई जा रही है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

प्रमुख रूप से परीक्षा सामग्री लाने-ले जाने वाले वाहनों को जीपीएस सिस्टम से लैस किया जाएगा। चोरी या अनधिकृत उपयोग की स्थिति में तुरंत अलर्ट मिल सकेगा। परीक्षा केंद्र पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ पत्र देना होगा कि उनका कोई परिचित परीक्षा में शामिल नहीं हो रहा है। पूर्व में पेपर लीक या अन्य अनैतिक गतिविधियों में शामिल कर्मचारियों को परीक्षा कार्यों से पूरी तरह दूर रखा जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और परीक्षा की पूरी गतिविधियों की वीडियोग्राफी होगी। इन रिकॉर्डिंग्स को सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही परीक्षा के प्रश्न पत्र सरकारी ट्रेजरी में डबल लॉक सुरक्षा के तहत रखे जाएंगे, जहां ट्रेजरी नहीं है वहां अस्थायी ट्रेजरी बनाई जाएगी। जानकारी के अनुसार परीक्षा के लिए केवल सरकारी शिक्षण संस्थानों को ही केंद्र बनाया जाएगा। किसी भी निजी संस्थान का उपयोग नहीं किया जाएगा। रीट परीक्षा की निगरानी के लिए जिला स्तर पर परीक्षा संचालन समिति का गठन किया गया है। इसके अध्यक्ष जिला कलेक्टर होंगे, जबकि अतिरिक्त जिला कलेक्टर को नोडल अधिकारी और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को सदस्य सचिव बनाया गया है। प्रदेश में परीक्षा 41 जिलों में आयोजित की जाएगी। जरूरत पड़ने पर बड़े उपखंडों में भी परीक्षा केंद्र बनाए जा सकते हैं।

बोर्ड सचिव और रीट समन्वयक कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि 5 जनवरी तक सभी जिलों से परीक्षा केंद्रों की सूची मांगी गई है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद परीक्षा केंद्रों की अंतिम संख्या तय की जाएगी।

ब्रेन ट्यूमर पीड़ित अध्यापिका को उच्च न्यायालय ने राहत दी

- **अध्यापिका ग्रेड तृतीय लेवल-2 को 21 दिसम्बर 2024 के समायोजन आदेश पर रोक लगाने के आदेश दिए**
- **प्राथमिक शिक्षा विभाग को नोटिस जारी किया**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश अरूण मोंगा ने ब्रेन ट्ययूमर से ग्रसित अध्यापिका ग्रेड तृतीय लेवल-2 को राहत देते हुए उसके 21 दिसम्बर 2024 के समायोजन आदेश पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

कमला राजपुरोहित वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डोली राजपुरा जिला बालोतरा में कार्यरत है। शिक्षा विभाग में कार्यरत अध्यापकों को विभाग द्वारा अधिशेष एवं समायोजन के संदर्भ में 14 नवम्बर 2024 को दिशा निर्देश जारी कर अध्यापकों का समायोजन किया गया। समायोजन करने के दिशा निर्देशों में यह स्पष्ट रूप से अंकित था कि गंभीर बीमारी से ग्रसित अध्यापकों को जिन्हें किडनी, कैंसर, गुर्दा प्रत्यारोपण, हृदय रोग व ब्रेन ट्ययूमर है, उन्हें इस समायोजन की प्रक्रिया से अलग रखा जायेगा व इनके स्थान पर इनसे कनिष्ठ अध्यापकों का समायोजन किया जायेगा। विभाग द्वारा स्पष्ट दिशा निर्देश के बावजूद भी जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा, बालोतरा द्वारा 7 दिसम्बर 2024 को उसका स्थानान्तरण वर्तमान विद्यालय से राजकीय उच्च माध्यमिक, पटाऊ खुर्द कर दिया गया। विभाग के आदेश से व्यथित होकर उसने एक परिवेदना जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) बालोतरा को प्रस्तुत किया एवं अपनी बीमारी के संबंधित सभी दस्तावेज भी प्रस्तुत किये। प्रार्थी के परिवेदना प्रस्तुत करने पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के स्थान पर प्रारम्भिक शिक्षा (मुख्यालय) बालोतरा द्वारा आदेश 21 दिसम्बर 2024 को 07 दिसम्बर 2024 में संशोधन करते हुए उसे पहले के स्थान से भी अधिक दूर राजकीय प्राथमिक विद्यालय, भीलों की ढाणी ट्रांसफर कर दिया गया जो कि पूर्व विद्यालय से भी 50 किलोमीटर दूर है।

विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर प्रार्थीनी ने अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से एक रिट याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की। उच्च न्यायालय के समक्ष प्रार्थीनी के अधिवक्ता का यह तर्क था कि शिक्षा विभाग द्वारा गंभीर रोग से ग्रस्ति कर्मचारियों के संदर्भ में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी कर यह स्पष्ट किया गया है कि गंभीर रोग से ग्रसित कर्मचारियों को अधिशेष व इसके पश्चात् समायोजन नहीं किया जायेगा। इसके बावजूद भी प्रार्थीनी जो कि ब्रेन ट्ययूमर कि गम्भीर बीमारी से लम्बे समय से ग्रसित है उसको अधिशेष घोषित कर समयोजित किया गया है जो अनुचित है, तथा उसके परिवेदना प्रस्तुत करने पर उसे ओर अधिक दूर समायोजित किया गया जो विभाग के दिशा निर्देशों व मानवीयता के विरूद्ध है। प्रार्थीनी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रार्थीनी की रिट याचिका को विचारार्थ अंतरिम रूप से स्वीकार करते हुए प्राथमिक शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया व प्राथमिक शिक्षा विभाग के आदेश 21 दिसम्बर 2024 पर रोक लगा दी।

राशिफल रविवार 5 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:18 तक, व्यतिपात योग प्रातः 7:32 तक, कौलव करण प्रातः 9:09 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:35 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 6:18 तक है। त्रिपुष्कर योग रात्रि 8:16 से रात्रि 8:18 तक है। सर्वार्थ सिद्धि और राजयोग रात्रि 8:18 से सूर्योदय तक है।

आज अनुरूपा छठ, पंचक, व्यतिपात पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:39 से 9:56 तक, लाभ-अमृत 9:56 से 12:32 तक, शुभ 1:50 से 3:08 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:43

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

वृष

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

कन्या

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद दूर होंगे। आज परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। आज परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

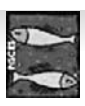

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कांग्रेस ने अव्यवहारिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा था : मदन राठौड़

कांग्रेस ने अंग्रेजी स्कूलों के नाम पर लूट-पाट के दरवाजे खोले : मदन दिलावर

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम स्कूलों पर बनाई गई समीक्षा कमेटी पर गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने शिक्षा क्षेत्र में अप्रासांगिक व्यवस्था कर बच्चों के जीवन को बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा था, लेकिन भाजपा सरकार कांग्रेस की ऐसी व्यवस्था की जांच करवाकर हमारे बच्चों का बेस तैयार करने का काम करेगी। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने आनन-फानन में केवल वाहवाही लूटने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोल दी। लेकिन इन स्कूलों में ना तो इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था की और ना ही अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति की। कांग्रेस ने दूर दराज के गांवों में चल रही हिंदी मीडियम स्कूलों को बंद कर अंग्रेजी में कर दिया जो कांग्रेस का अव्यवहारिक फैसला था। कांग्रेस ने हिंदी माध्यम के बच्चों तक के भविष्य की चिंता नहीं की।

■ **'कांग्रेस ने ना तो इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया, ना ही शिक्षकों की नियुक्ति की, वाहवाही लूटने के लिए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोल दिए'**

मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को हमारे बच्चों की चिंता होती तो स्कूलों में बच्चों का आधार मजबूत करने का काम करती और पहली कक्षा से अंग्रेजी का बेस मजबूत करती। अंग्रेजी अध्ययन के लिए ग्रामर और शब्दावली की आवश्यकता होती है लेकिन कांग्रेस ने बच्चों का ग्राउंड तैयार नहीं किया, बिना बेस के बच्चे सीधे हिंदी माध्यम विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम में बदल दिया। ऐसे में हिंदी माध्यम में पढ़ने वाला बच्चा जब अंग्रेजी पुस्तके अध्ययन नहीं कर पाएगा तो निराश ही होगा। हिंदी मीडियम स्कूल को बंद करना कांग्रेस का अव्यवहारिक फैसला था।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने बिना चिंतन-मनन किए आनन-फानन में ऐसा फैसला कर दिया जो पूर्णतया अप्रासांगिक था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ऐसे परिस्थिति को देखते हुए समीक्षा कमेटी का गठन किया है। कमेटी में यह तय किया जाएगा कि बच्चों का ग्राउंड कैसे मजबूत किया जाए और इन्फ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य व्यवस्थाएं कैसे मजबूत की जाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने महज एक साल में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। भाजपा सरकार ने राजकीय महाविद्यालयों में छात्राओं के प्रवेश के लिए 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित की, 37 नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना, 12 महाविद्यालयों को यूजी से पीजी में क्रमोन्नयन किया। सरकार ने 89 हजार विद्यार्थियों को टेबलेट मय इंटरनेट कनेक्शन वितरित किए, 8.51 लाख साइकिल वितरित की, एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 514 करोड़ रूपए व्यय किए। इससे 2 लाख 50 हजार 415 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

वहीं दूसरी ओर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा पहले ये बताएं कि अंग्रेजी स्कूल कांग्रेस ने खोले थे क्या। कांग्रेस से बड़ा झूठ कोई नहीं है। कांग्रेस सरकार ने हिन्दी माध्यम स्कूलों के ऊपर केवल अंग्रेजी माध्यम के बोर्ड लटकाएं थे। उसमें ना कोई अंग्रेजी माध्यम के टीचर थे, ना कोई वहां भवन था और ना कोई परिसर थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने केवल लूट-पाट का दरवाजा खोला था। कांग्रेस सरकार ने अंग्रेजी स्कूलों में अध्यापक दिए ही नहीं। हिन्दी वाले अंग्रेजी नहीं पढ़ा पाएं एवं हिन्दी वाले स्कूल इसलिए पिछड़ गए कि उनके पास अध्यापक नहीं थे, तो इससे अंग्रेजी पढ़ने वाले बच्चों का भी बुरा हुआ और हिन्दी पढ़ने वाले बच्चों का भी बुरा हुआ। इस अन्याय के लिए भगवान कांग्रेस को किसी भी तरह से माफ नहीं करेंगा। उन्होंने कहा कि डोटासरा आजकल अपने परिवार वाले की वजह से बहुत परेशान हो रहे हैं, क्योंकि पहले रोज जो चोरी का पैसा लाते थे वो अब नहीं मिल पा रहा है और इसी कारण से उछल-कूद कर रहे हैं। डोटासरा की स्थिति बिना पानी के तड़पती हुई मछली के जैसी है।

'अंग्रेजी स्कूलों को बंद करने का षड्यंत्र बर्दाश्त नहीं करेंगे'

जयपुर। कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश में खोले गये 3737 महात्मा गाँधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल की समीक्षा के लिये मंत्रिमण्डलीय समिति क्यों गठित की गई, सालभर तक सरकार क्यों सोती रही, इसका जवाब प्रदेश की जनता मांग रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रेसवार्ता में कहा कि प्रदेश में 3737 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल चल रहे हैं और इस वर्ष 677000 से अधिक छात्र-छात्रायें प्रवेश लेकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों के मुकाबले अधिक है। इन सभी छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा निःशुल्क मिल रही है और पिछले सत्र में इन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 709270 से थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन में इन स्कूलों के लिये 45300 पद स्वीकृत किये गये थे, अलग से अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शिक्षकों का कैडर बनाया गया था तथा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा दस हजार नई भर्तियां भी की गई थी एवं इन्टव्यू व परीक्षा लेकर इन अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षक लगाने का कार्य किया था।

उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा शासन में पिछले एक वर्ष से इन स्कूलों में 17192 पद रिक्त हैं, इनमें शिक्षकों के 13552 तथा क्लेरिकल स्टॉफ के 3440 पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि इन अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के लिये मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री ने एक भी भर्ती नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने परीक्षा करवाकर भर्ती करने का केवल स्वांग किया।

उन्होंने कहा कि समीक्षा के लिये गठित कमेटी का संयोजक उप मुख्यमंत्री को बनाया गया है, पूर्व में भी यह जिलों की समीक्षा हेतु गठित कमेटी में थे, किन्तु समीक्षा कार्य पूर्ण होने से पूर्व ही इन्हें उस कमेटी से हटा दिया गया था और इन्हीं का जिला निरस्त हो गया। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री को वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की समीक्षा के लिये गठित कमेटी से बीच में ही हटना पड़ेगा क्योंकि इनके विधानसभा क्षेत्र में 59 अंग्रेजी माध्यम विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

चिकित्सा मंत्री ने की जनसुनवाई

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं।

जयपुर । चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं और इनका तत्काल प्रभाव से यथोचित निस्तारण करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खींवसर, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों से आत्मीयता के साथ मिले और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के संबंध आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनकल्याणकारी सोच के साथ एक से बढ़कर एक निर्णय ले रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि आमजन का जीवन स्तर बेहतर हो और उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण कर राहत पहुंचाई जाए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। विगत अल्प समय में ही गांव-ढाणी तक चिकित्सा संस्थानों में रिक्त पदों को भरने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। करीब 21 हजार पदों पर विभाग में नियुक्तियां दी गई हैं और शेष रिक्त पदों के लिए भी संकल्पबद्ध होकर कार्यवाही की जा रही है। राज्य सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर विभाग की ओर से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों तक भी आमजन सुगमता के साथ जांच और उपचार प्राप्त कर सकें। लोगों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच इन शिविरों के माध्यम से की जा रही हैं और उन्हें स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित किया जा रहा है। खींवसर ने जनसुनवाई के दौरान समस्याएं सुनने के साथ ही आमजन से अपील की कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लें और आयुष्मान राजस्थान के संकल्प को साकार करने के पवित्र उद्देश्य में सहभागी बनें।

आमजन के सुझावों से तैयार होगा विकासोन्मुखी और जनहितैषी बजट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को केन्द्र बिन्दु मानकर आगामी बजट वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार कर रही है। इसी दिशा में आम नागरिक, युवा, महिला, किसान, श्रमिक, उद्यमी, गैर सरकारी संगठनों सहित विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आगामी बजट पर सुझाव भी लिए जा रहे हैं।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 16 जनवरी से हितधारकों के साथ करेंगे बजट पूर्व चर्चा**

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 16 जनवरी से 22 जनवरी तक विभिन्न हितधारकों के साथ आयोजित होने वाली बजट पूर्व बैठकों में चर्चा करेंगे। 16 जनवरी को कर्मचारी संघों, 17 जनवरी को चिकित्सा क्षेत्र तथा जनजातीय क्षेत्र, 20 जनवरी को उद्योग एवं सेवा तथा कर सलाहकारों, व्यापार व उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बजट पर सुझाव हेतु चर्चा की जाएगी। इसी प्रकार 21 जनवरी को युवा व खेल क्षेत्र तथा महिला प्रतिनिधियों व प्रतिभाशाली छात्र, 22 जनवरी को किसान, पशुपालक व डेयरी संगठनों तथा एनजीओ व उपभोक्ता फोरम आदि से भी सुझाव लिए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि आगामी बजट हेतु वित्त विभाग की वेबसाइट पर 10 जनवरी तक सुझाव ऑनलाइन दर्ज किए जा रहे हैं। अब तक हितधारकों एवं विभिन्न वर्गों द्वारा 75 हजार सुझाव प्राप्त हो चुके हैं।

जोधपुर देहात में मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति

जोधपुर/जयपुर। भाजपा ने जोधपुर देहात में अपने संगठन को और मजबूत करने के लिए 13 मंडलों के अध्यक्षों की घोषणा की है। यह घोषणा जोधपुर जिला प्रभारी रामचरण बोहरा द्वारा की गई। पार्टी ने इन नियुक्तियों के जरिए जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और संगठन को विस्तार देने की रणनीति अपनाई है। भाजपा देहात दक्षिण जिला मंत्री,जिला मीडिया सयोजक रमेश बिश्नोई ने बताया कि जोधपुर जिला प्रभारी रामचरण बोहरा ने कहा कि सभी नियुक्तियां संगठनात्मक मजबूती और अनुभव को ध्यान में रखकर की गई हैं। उन्होंने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई देते हुए आगामी चुनावों में पार्टी की सफलता के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये अध्यक्ष मंडल प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ को मजबूत करेंगे और जनता से जुड़ाव बढ़ाएंगे। नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों के नाम सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

कोई भी नागरिक न्याय से वंचित नहीं हो : जस्टिस गवई

जयपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि देश का कोई भी नागरिक न्याय से वंचित नहीं हो, यह हमारा पहला लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में विधिक सेवा प्राधिकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज प्रदेश की विधिक सेवा में एक नया आयाम जुडा है और इसका फायदा आम जनता को मिलेगा। जस्टिस गवई शनिवार को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के नव निर्मित भवन के शुभारंभ के बाद जेल सुधार को लेकर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का नया भवन हेरिटेज के साथ-साथ हाईटेक भी है। जस्टिस गवई ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने महिला शिक्षा देने के लिए स्कूल खोली, आज उनके सम्मान में देशभर के बच्चों के लिए शॉर्ट फिल्म की प्रतियोगिता तैयार की गई।

■ **जस्टिस गवई ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के नव निर्मित भवन के शुभारंभ के बाद जेल सुधार को लेकर आयोजित सेमिनार को संबोधित किया**

सेमिनार को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने कहा कि जेल में रखकर किसी का सुधार नहीं किया जा सकता। पैरोल की सुविधा से कैदी अपने परिवार से मिल सकता है। वहीं आपात पैरोल में भी कई बार देरी हो जाती है। प्रदेश में ई-प्रिजन सॉफ्टवेयर में काम किया जा रहा है। वहीं जेल में जाति आधारित कार्य वितरण को भी समाप्त किया गया है। जस्टिस मेहता ने जेल नियमों में बदलाव की आवश्यकता जताते हुए कहा कि खुली जेलों की संख्या बढाने से कई समस्याएं खत्म हो जाएगी और इसमें नियमित जेलों के मुकाबले खर्चा भी काफी कम होता है। जस्टिस मेहता ने कैदियों को श्रम के बदले प्रतिदिन 112 रुपए देने के सिस्टम को सुधारने की दिशा में भी राज्य सरकार को ध्यान देने को कहा है। कार्यक्रम में 6 से 18 साल के विशेष योग्जन बच्चों को दो साल के लिए 2500 रुपए प्रतिमाह स्कॉलरशिप देने की शुरूआत की गई। वहीं रालसा के नए लोगो का भी अनावरण किया गया। इसके अलावा अधिकार मित्रों को बैजेज का वितरण किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व जज जसराज चोपडा की ओर से विधिक कार्यो के लिए दी गई बडी धनराशि देने पर उनका सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में सीजे एमएम श्रीवास्तव सहित हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद रहे।

भांकरोटा सड़क दुर्घटना प्रकरण में मृतक आश्रितों और घायलों के बैंक खातों में सहायता राशि भेजी

जयपुर। दिल्ली-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के समीप 20 दिसंबर को घटित दुर्घटना को लेकर जिला प्रशासन द्वारा संपूर्ण संवेदनशीलता बरतते हुए दुर्घटना के 20 मृतकों के आश्रितों एवं 24 घायल व्यक्तियों के बैंक खातों में सहायता राशि हस्तांतरित कर दी गई है।

जिला प्रशासन द्वारा 20 मृतक आश्रितों के बैंक खाते में मुख्यमंत्री सहायता कोष से एक करोड़ रुपये (प्रति मृतक आश्रित 5-5 लाख) राशि हस्तांतरित कर दी गई है एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा देय 1 करोड़ 20 लाख रुपये (प्रति मृतक आश्रित 6-6 लाख) की मुआवजा राशि हस्तांतरित कर दी गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के बीमित 11 मृतकों के आश्रितों के बैंक के खाते में योजना के तहत 55 लाख रुपये (प्रति मृतक आश्रित 5-5 लाख) की अतिरिक्त राशि हस्तांतरित की गई है।

वहीं, दुर्घटना में घायल 24 व्यक्तियों के बैंक खाते में मुख्यमंत्री सहायता कोष से 24 लाख रुपये (प्रति घायल1-1 लाख) एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा देय 48 लाख रुपये (प्रति घायल 2-2 लाख) की मुआवजा राशि हस्तांतरित कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय राहत कोष से प्रति मृतक राशि 2 लाख एवं प्रति घायल राशि 50 हजार की आर्थिक सहायता हेतु जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तर पर अपेक्षित आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है।

नए नियमों से खनिज सेक्टर को मिलेगा बूस्टअप, प्रक्रिया सरल होगी

जयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान खनिज नीति 2024 और राजस्थान एमसेण्ड नीति 2024 के प्रावधानों के अनुसार राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम, 2017 में आवश्यक प्रक्रियात्मक संशोधन जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने नई सरकार के गठन के साथ ही प्रदेश में नई खनिज नीति लागू करने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रम में 4 दिसबंर में नई खनिज और एम-सेण्ड नीति जारी करने के साथ ही अब राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियमों में भी नई नीतियों के अनुरुप आवश्यक प्रावधान किये गए है। राज्य की नई खनिज नीति व अब नियमों में प्रावधानों से खनिजों के खोज कार्य में तेजी लाने, खनिज रियायतों का समय पर आवंटन, खनन क्षेत्रों के विकास, खनिज बजरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने, खनन नियमों व परमिट व्यवस्था सहित प्रक्रिया को आसान व पारदर्शी बनाने, अवैध खनन, निगर्मन व भण्डारण के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति अपनाने, खनन क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग सहित प्रदेश में खनिज क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, रोजगार और राजस्व बढ़ाने की राह प्रशस्त हो गई है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियम 2017 में आवश्यक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नए प्रावधानों के अनुसार समस्त रॉयल्टी पेड खनिजों के परिवहन में लागू ई-टी.पी. की व्यवस्था को ई-वे बिल के परिप्रेक्ष्य में खनिज बजरी, मेसेनरी स्टोन की गिट्टी/ग्रिट/क्रशर डस्ट/एम-सेण्ड तक सीमित किया गया है। स्ट्रीप ऑफ लैण्ड के वर्तमान प्रावधान से सम्भावित राजस्व हानि देखते हुए इसे समाप्त कर गैप क्षेत्र के आवंटन में रिजर्व प्राईस डेड रेन्ट/लाईसेंस फीस को 10 गुणा से बढाकर 25 गुणा किया गया है। नगरीय निकाय क्षेत्रों में अवैध खनन को रोकने हेतु खनन पट्टा आवंटित करने की गाईडलाईन जारी की जाएगी। नए प्रावधानों के अनुसार जनजाति क्षेत्र में अप्रधान खनिज की रियायतों की नीलामी में स्थानीय निवासियों की भागीदारी के लिए बिड सिक्योरिटी 10 लाख से घटाकर 5 लाख तथा खनिज रियायतों के प्लॉट्स की नीलामी में फर्जी बिड रोकने हेतु 30 करोड से अधिक की बोली पर बिड सिक्योरिटी की राशि, प्रस्तुत बिड राशि की 25 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

■ **राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियम, 2017 में संशोधन अधिसूचना जारी**

पूर्णता प्रमाण पत्र नहीं होने पर रेरा को शिकायत सुनने का अधिकार

जयपुर। राजस्थान रेरा प्राधिकरण ने एक मामले में कहा है कि प्रोजेक्ट में पूर्णता प्रमाण पत्र ना होने पर रेरा को आवंटियों की शिकायत सुनने और उन्हें राहत दिए जाने का अधिकार है। प्रोजेक्ट के कुछ प्लाट्स पर जेडीए की ओर से पट्टे दिए जाने मात्र से निर्माणशुदा प्रोजेक्ट रेरा रजिस्ट्रेशन की पालना करने से नहीं बच सकते। प्राधिकरण सदस्य सुधीर कुमार शर्मा ने यह आदेश आवंटी दामोदर लाल सैनी व अन्य की शिकायतों पर निर्णय देते हुए दिए।

आवंटी के अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि आंवटी ने साल 2014 में यूनिक सिटी में एक विला बुक कराया था। बिल्डर ने उसे आश्वस्त किया था कि संपूर्ण योजना को पूरा कर आवंटी को साल 2020 तक विला का कब्जा दे दिया जाएगा। इसके बावजूद भी बिल्डर ने योजना को विकसित नहीं किया और विला का कब्जा भी नहीं सौंपा। इस पर आवंटी ने साल 2022 में रेरा में अपनी शिकायत दी। जिसके जवाब में बिल्डर ने कहा कि प्रोजेक्ट रेरा के क्षेत्राधिकार में नहीं है। इसलिए शिकायत को खारिज किया जाए। बिल्डर ने कहा कि रेरा नियम के नियम 4 के अनुसार यदि संबंधित निकाय की ओर से टाउनशिप योजना के प्लाट्स के आवंटन पत्र या पट्टे जारी करना शुरू किया गया तो ऐसा योजना रेरा के क्षेत्राधिकार में नहीं आती। बिल्डर की ओर से यह भी बताया गया कि यूनिक सिटी योजना 2 फेज में निर्मित की जानी थी। फेज 1 रेरा के क्षेत्राधिकार में नहीं आता, इसलिए आवंटी रेरा से अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद रेरा प्राधिकरण ने फैसला देते हुए माना की यदि किसी योजना के संदर्भ में सक्षम संस्था द्वारा पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है तो ऐसी योजना रेरा के क्षेत्राधिकार में आती है। बिल्डर ने आवंटी को यह नहीं बताया था कि टाउनशिप 2 फेज में बनाई जा रही है। आवंटी को संपूर्ण योजना एक ही होना बताकर विला बेचा गया था। इसके अलावा नियम 4 में दी गई छूट भी प्लाट के संबंध में है, ना की विला के संबंध में। इसके साथ ही रेरा ने आवंटी की ओर से अदा की गई संपूर्ण राशि ब्याज सहित लौटाने के आदेश देते हुए यूनिक सिटी फेज 1 को रेरा के समक्ष पंजीकृत कराने का निर्देश दिया है।

योग और व्यायाम अपनाने का आव्हान किया राज्यपाल ने

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को छत्रपति संभाजी नगर में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार और विद्यालयी छात्र-छात्राओं को महापुरुषों के जीवन से सीख लेने का आव्हान किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को छत्रपति संभाजी नगर में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार और विद्यालयी छात्र छात्राओं को महापुरुषों के जीवन से सिख लेने का आव्हान किया।

बागडे ने शनिवार को स्थानीय गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी की। उन्होंने वहां पर आधारभूत सुविधाओं के विकास और स्थानीय जनों को शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल और अन्य सुविधाओं से लाभांवित किए जाने का आव्हान किया। निधोना गांव में राज्यपाल ने प्राथमिक विद्यालय का अवलोकन कर शिक्षा संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। वहां उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ आत्मीय संवाद भी किया। इसी तरह बिधूना गांव में चिकित्सा सुविधाओं के लिए उन्होंने एंबुलेंस का लोकार्पण किया। ग्राम पंचायत को एंबुलेंस की चाबियां सौंपते हुए उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए योग और व्यायाम अपनाने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल बागडे का विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में ग्रामीणों ने भावभरा अभिनन्दन करते हुए उनके सार्वजनिक सरोकारों और आम जन के लिए समर्पित जीवन की सराहना की।

ओपन जेल में अस्पताल बनाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट पेश

जयपुर। सांगानेर स्थित देश की पहली ओपन जेल की जमीन पर हॉस्पिटल बनाए जाने के मामले में कमिश्नर के तौर पर नियुक्त किए रजिस्ट्रार ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है। कमिश्नर की रिपोर्ट में मुख्य तौर पर कैदियों के कल्याण व सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा की जरूरतों पर जोर दिया है। इसके अलावा जेल की मौजूदा संरचनाओं को परिसर के भीतर वैकल्पिक क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की भी सिफारिश की गई है, ताकि 300 बैड्स के सेटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण जेल की कार्यक्षमता से समझौता किए बिना ही किया जा सके। कमिश्नर की रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट आगामी सुनवाई पर विचार करेगा।

रिपोर्ट के साथ नक्शा पेश कर कहा कि लाल चिह्नित क्षेत्र में स्थित मौजूदा कैदी सुविधाओं को नीले और हरे चिह्नित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे कि जेल की संचालन प्रक्रिया सुचारू तौर पर जारी रह सके। इस स्थानांतरण योजना से कैदियों के लिए बेहतर आवास व सामुदायिक जगह बनाई जा सकेगी और इससे उनके जीवन को भी सुधारा जा सकेगा। इस दौरान स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के साथ ही कैदियों के कल्याण व अधिकारों से किसी तरह का कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा।

राजरंगम् के मंच पर साकार हुई अर्जुन और चित्रांगदा की प्रेम कहानी

जयपुर। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 7वें राजरंगम् का तीसरा दिन गुरुदेव रबीन्द्र नाथ टैगोर की कहानी पर आधारित नाटक चित्रांगदा के नाम रहा। शनिवार को संकेत जैन के निर्देशन में हुई प्रस्तुति में कलाकारों ने अर्जुन और चित्रांगदा की प्रेम कहानी को बड़े आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करते हुए वास्तविक सुंदरता को अपनाने का संदेश दिया गया। रविवार को शाम 6:30 बजे सुनीता तिवारी नागपाल (एनएसडी) के निर्देशन में पीले स्कूटर वाला आदमी नाटक का मंचन होगा।

चित्रांगदर की कहानी, महाभारत के एक प्रसंग से प्रेरित है। मणिपुर की राजकुमारी चित्रांगदा अर्जुन के प्रति बेहद आकर्षित है, लेकिन उसका हृदय जीतने में असफल रहती है क्योंकि उसमें कामुक सुंदरता की कमी है और सामान्य जीवन में वह एक निडर पुरुष की तरह व्यवहार करती है। चित्रांगदा के अनुरोध पर, प्रेम के देवता, कामदेव, उसे एक वर्ष के लिए शारीरिक सौंदर्य प्रदान करते हैं, और परिणामस्वरूप अर्जुन उससे प्रसन्न होता है। तब उसकी पहिरन उसे ज्ञात नहीं थी। हालांकि वर्ष समाप्त होने से पहले, अर्जुन उससे विमुख होने लगता है, और योद्धा राजकुमारी के पराक्रम की सूचना से उसके मन में उसके लिए गहरी प्रशांसा पैदा हो जाती है। तब चित्रांगदा अपने असली रूप में प्रकट हो जाती है, और वह उससे और भी अधिक प्यार करने लगता है, और नाटक खुशी से समाप्त हो जाता है। नाटक प्रतीकात्मक रूप से शारीरिक सुख और कामुक संतुष्टि से परे, वास्तविक सुंदरतस की व्याख्या और अन्वेषण करता है। इस काव्यात्मक नाटक को काव्यात्मक बिंबों, प्रतीकों और अत्यंत सुंदर भावों के कारण संचार के लिए एक नई नाट्यय भाषा की आवश्यकता है। निर्देशक ने विशिष्ट वेशभूषा और लाइट के प्रभाव के जरिए प्रकृति के सौंदर्य का बखूबी चित्रण किया। इसी के साथ संवादों में भाषा का लालित्य भी स्पष्ट रूप से साकार हुआ। शृंगार रस से ओत प्रोत यह प्रस्तुति मानव हृदय में प्रेम भावों को सहज रूप से उत्पन्न करती है।

गरीमा पारीक ने चित्रांगदा, विक्रांत रतनपाल ने अर्जुन, विमल मीणा ने कामदेव, आकर्ष काला ने बसंत, पीयूष सैन ने वनचर की भूमिका निभाई। अन्य कलाकारों में दिव्यांशी, सिमरन, आयुषी एवं इशिका शामिल रही। बादशाह जहानी और बरकत जहानी ने संगीत संयोजन, सुनीता बर्मन ने वेशभूषा, संकेत जैन व गौरव ने प्रकाश संयोजन, गगन त्रिवेदी ने मंच सज्जा और धनंजय ने मंच सहायक की जिम्मेदारी संभाली।

उर्स में रेलवे स्टेशन के चप्पे-चप्पे पर रेलवे सुरक्षा बल की नजर

सुरक्षा एजेंसियां जैसे आईबी, सीआईडी, स्पेशल टीमों से लगातार समन्वय

अजमेर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल अजमेर मंडल द्वारा ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह के 813वें उर्स के मद्देनजर रेलवे स्टेशन अजमेर की सुरक्षा व्यवस्था के माकूल इंतजाम किये गये हैं। रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल थाना अजमेर द्वारा 260 अधिकारी, स्टाफ की तैनाती की गई है। पूरे अजमेर स्टेशन पर निगरानी के लिए 123 सीसीटीवी कैमरे स्थापित हैं तथा दौराई एवं मदार स्टेशनों पर भी 15-15 कैमरे स्थापित किये गये हैं, जिससे संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर सूक्ष्म निगरानी की जा रही है।

मुख्य गेटों पर दो बैग्गेज स्केनर मशीन के द्वारा प्रवेश करने वाले सभी यात्रियों के सामान की चेकिंग की जा रही है। एफओबी तथा गेटों पर स्टाफ के द्वारा यंत्र के माध्यम से यात्रियों की चेकिंग की जा रही है। रेलवे स्टेशन अजमेर पर यात्रियों की भीड़ को जागरूक करने के लगातार वाणिज्य विभाग से समन्वय कर पीए सिस्टम के माध्यम से अनाउन्समेंट करवाया जा रहा है तथा लाउड स्पीकर के माध्यम से भी यात्रियों को चलती गाड़ी में नहीं चढ़ने व उतरने तथा अनजान व्यक्तियों से खाने-पीने की चीजें नहीं लेने तथा अपने सामान व बच्चों का ध्यान रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिये हथियारबंद टीम गठित की गई है, रेलवे सुरक्षा बल इंटेलिजेंस शाखा के द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है।

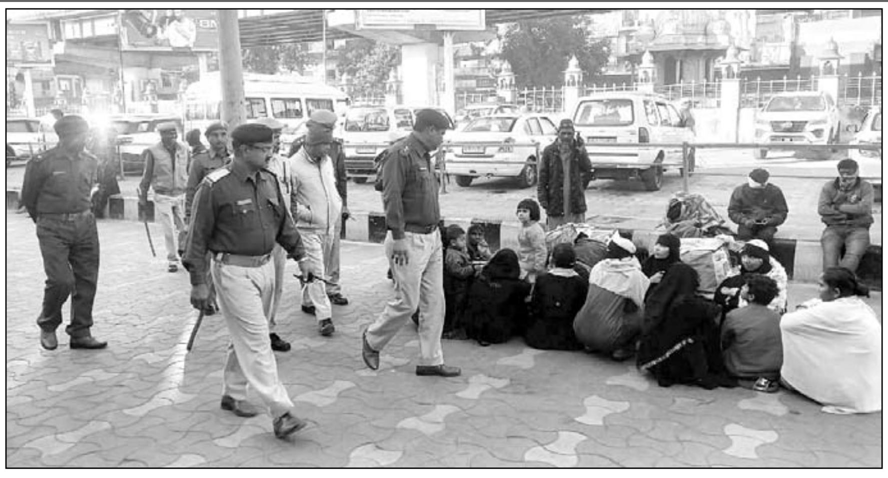
उत्तर-पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल अजमेर मंडल द्वारा रेलवे स्टेशन अजमेर की सुरक्षा व्यवस्था के माकूल इंतजाम किये गये हैं।

जानकारी के अनुसार अजमेर स्टेशन पर समय-समय पर रेलवे सुरक्षा बल व जीआरपी द्वारा संयुक्त रूप से जनजागरुक एवं चैकिंग अभियान चलाकर अवैध यप से प्रवेश करने वालें के विरुद्ध कार्यवाही कर रेल परिसर से बाहर किया जाता है, सुरक्षा के मद्देनजर उच्चाधिकारियों द्वारा स्टेशन पर विजिट सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा केन्द्र व राज्य की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों जैसे आईबी, सीआईडी, स्पेशल टीमों से लगातार समन्वय करते हुए स्टेशन गतिविधियों पर लगातार निगरानी की जा रही है।

36 साल पुराने हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

वर्ष 1988 में दर्ज हत्या के मामले में फरार चल रहा था बुजुर्ग आरोपी

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना पुलिस ने 36 साल पुराने हत्या के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे एक बुजुर्ग आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

थानाधिकारी राजेंद्र सिंह कमांडो के अनुसार वर्ष 1988 में दर्ज हत्या

- **आरोपी को न्यायालय से आजीवन कारावास की सजा मिली थी**

के एक मामले में आरोपी मुस्ताक खान वांछित था। इस मामले को लेकर मुस्ताक खान पिछले लंबे समय से फरार चल रहा था। हालांकि हत्या के मामले में मुस्ताक खान को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

जिस पर आरोपी ने जोधपुर हाईकोर्ट में अपील दायर कर रखी थी, पिछले दिनों अपील खारिज होने पर एडीजे कोर्ट नागौर ने आरोपी बुजुर्ग मुस्ताक खान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। इसके बाद पुलिस ने टीम बनाकर आरोपी बुजुर्ग की तलाश की और गत दिवस उसे सरदारपुरा गांव से गिरफ्तार कर लिया।

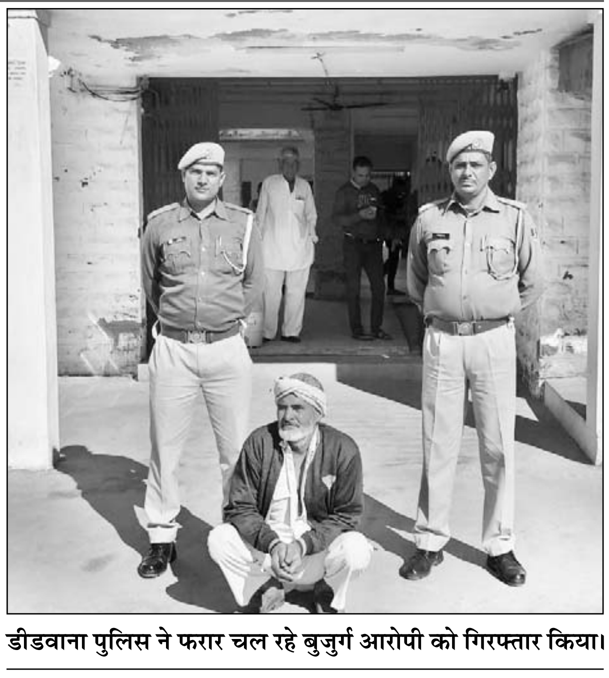
डीडवाना पुलिस ने फरार चल रहे बुजुर्ग आरोपी को गिरफ्तार किया।

पश्चिम राजस्थान हस्तशिल्प मेले से उद्यमियों को लाभ होगा : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस बार एक नए कलेवर में हस्तशिल्प उत्सव होने वाला है। इस बार के आयोजन में भी हर वर्ष की भांति देश के लगभग 20 प्रांतों के अलग-अलग हस्तशिल्प उत्पादक उपस्थित होंगे। यह केवल एक मेला नहीं है, अपितु बिजनेस टू बिजनेस और बिजनेस टू कंज्यूमर, उन दोनों के बीच में एक रिश्ते कायम करने का प्लेटफार्म है। पत्रकारों से बातचीत में शेखावत ने कहा कि जोधपुर हस्तशिल्प उत्सव विगत 34 साल से अनवरत शहर में उद्योग, हस्तशिल्प और व्यापार की एक प्रमुख धुरी के रूप में बनाकर उभरा है। भैरोसिंह शेखावत जब मुख्यमंत्री थे, उस काल में जोधपुर के उद्यमियों ने यह अनूठा प्रयास प्रारंभ किया था। 34 साल की यात्रा पूरी करते हुए यह नेशनल फेस्टिवल के रूप में उभरा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उद्योग और हस्तशिल्प से जुड़े हुए विभिन्न विषयों टैक्स, नई संभावनाएं, नए वित्तीय मॉडल, उद्यमियों की समस्याओं, सरकार की योजनाओं और उद्यमियों की आवश्यकता को लेकर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाता है। इन कॉन्फ्रेंस से जोधपुर और मारवाड़ के उद्यमियों को बहुत सारा लाभ होता है। हस्तशिल्प उत्सव एक नए कलेवर में जोधपुर में होने वाला है।

प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह देश ही नहीं, दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन होगा। 45 दिन के महाकुंभ के समय 45 करोड़ लोग इसके साक्षी बनेंगे। भारत के विराट रूप का दर्शन यहां होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस इस बार दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुंभ की संकल्पना की है। महाकुंभ में आने वाले लोगों को एक दिव्य अनुभव प्राप्त हो, इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कार्य हो रहे हैं। इस बार का महाकुंभ अकल्पनीय होने वाला है।

खड़े कंटेनर के केबिन में आग लगी, चालक बाल-बाल बचा

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे की सर्विस लेन पर बिलौची पेट्रोल पंप के पास शनिवार अलसुबह एक खड़े कन्टेनर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग केबिन के निचले हिस्से में लगी। आग की लपटें देख कर लोगों ने केबिन में सो रहे चालक को जगाया और उसकी जान बचाई। थोड़ी देर में ही कन्टेनर का केबिन धूं धूं कर जल उठा। बाद में पेट्रोल पंप कर्मियों व लोगों ने पानी डालकर आग बुझाई, तब तक केबिन पूरी तरह जल चुका था।

दिल्ली-अजमेर हाइवे पर बिलौची के पास कंटेनर में आग लग गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पलवल, हरियाणा निवासी कंटेनर चालक शाहरुख खाली कंटेनर लेकर जयपुर से दिल्ली की तरफ जा रहा था कि देर रात होने व नींद आने से बिलोची पेट्रोल पंप के पास सर्विस लेन के किनारे कंटेनर खड़ाकर केबिन

- **आग की लपटें देख लोगों ने केबिन में सो रहे चालक को जगाया**

में सो गया। सुबह करीबन छह बजे शार्ट सर्किट होने से केबिन के निचले हिस्से में आग लग गई। आग देखकर पास के दुकानदार व अन्य लोग दौड़ कर गाड़ी के पास गए और अंदर सो रहे चालक को जगाया। पास के पेट्रोल पंप कर्मियों ने आग में पानी डालकर कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया तब तक कंटेनर का केबिन पूरी तरह जल चुका था। केबिन में रखा चालक का फ़ोन व समान भी जल गया।

पूर्व सी.एम. वसुंधरा राजे की ओर से ख्वाजा को चादर पेश

चादर पेश करने के बाद पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का संदेश पढ़ा गया

अजमेर, (कासं)। सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुदीन हसन चिश्ती के 813वें उर्स के मौके पर शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की ओर से भेजी गई ख्वाजा

- **वसुंधरा राजे की चादर भाजपा के कार्यकारिणी सदस्य मजीद मलिक कमांडो लेकर अजमेर पहुंचे**

गरीब नवाज की मजार पर मखमली चादर व अकीदत के फूल पेश कर देश-प्रदेश में अमन चैन और शांति भाईचारा बना रहे, इसके लिए दुआ की गई। चादर पेश करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का संदेश पढ़ा गया।

खादिम सैयद अफशान चिश्ती ने बताया कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे की ओर से ख्वाजा साहब के 813वें उर्स के मौके पर चादर भेजी गई है। वसुंधरा राजे की चादर भाजपा के कार्यकारिणी सदस्य मजीद मलिक कमांडो अजमेर लेकर पहुंचे। चादर पेश कर वसुंधरा राजे की लंबी उम्र और देश में अमन चैन शांति भाईचारा बना रहे. इसे लेकर दुआ मांगी।

ख्वाजा मोइनुदीन हसन चिश्ती के उर्स के मौके पर वसुंधरा राजे की ओर से भेजी गई चादर पेश की।

होटल मैनेजर पर गबन का आरोप

उदयपुर, (कासं)। सेक्टर 11 स्थित होटल पारस में कार्यरत मैनेजर ने इसी होटल में लाखों का गबन कर लिया। रिपोर्ट पर सूरजपोल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गजेन्द्र सुयल पुत्र परसुराम सुयल निवासी ए ब्लॉक शिकारबाड़ी ने रिपोर्ट दी कि हमारी होटल पारस महल सेक्टर 11 में स्थित है। जहां पर नवनीत सुहालका पुत्र भंवर लाल सुहालका निवासी दुर्गा सदन पैलेस मार्ग पिछोली को जुलाई 2023 में मैनेजर के पद पर नियुक्त किया। कुछ समय बाद ही नवनीत ने होटल से चोरी करना व गबन करना प्रारम्भ कर दिया। हमारे ग्राहकों से राशि प्राप्त कर उसे होटल में नहीं जमा कराकर गबन करते हुए राशि को खुर्दबुर्द कर दी। इसकी सर्वप्रथम जानकारी हमारे ग्राहक द्वारा एक लाख की राशि 14 अप्रैल 2024 को अदा की गई और उसकी शादी निरस्त होने पर वापस राशि लौटाई जानी थी, जो नवनीत ने प्राप्त कर होटल में नहीं जमा कराई। इसके बाद नवनीत ने 50 हजार रूपए लौटा दिए। शेष 50 हजार रूपए के लिए ग्राहक के द्वारा तकाजा किये जाने पर जाहिर आया कि नवनीत अमानत में खयानत कर रहा है। आरोपी ने 3 लाख 88 हजार रूपए गबन किया। 3 लाख 88 हजार रूपए ग्राहाको से बकाया चल रही है। जब हमने तकादा किया तो ज्ञात हुआ कि उनके द्वारा नवनीत को भुगतान किया जा चुका है। इस प्रकार नवनीत ने धोखाधड़ी की।

पोंड में दो बहनें गिरी, एक की मौत

दूसरी बहन को सुरक्षित निकाला

टोंक, (निसं)। थाना लाम्बाहरिसिंह के गांव तात्या में खेत पर चारा ले जाते समय पर फार्म स्थित पॉण्ड में दो बहनें गिर जाने से एक की मौत हो गई तथा दूसरी बहन को परिजनों व ग्रामीणों की सहायता से सुरक्षित निकाला।

लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि तात्या निवासी रामचरण चौधरी की तीन पुत्रियां रविना, अमीषा व अल्का जो बाइक पर सवार होकर अपने खेत पर मवेशियों के लिए चारा लेने अपने खेत पर गई, जहां उनमें से बड़ी बहन खेत से पहले ही रूक गई तथा रवीना व अमीषा खेत पर चारा लेने के लिए जा रही थी कि अचानक खेत पर बने फॉर्म पॉण्ड के पास इनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो जाने से दोनों बहनें फॉर्म पॉण्ड में जा गिरी। सूचना पर आये परिजनों व ग्रामीणों की सहायता से छोटी अमीषा को तैरते देखकर उसको निकाला गया, जिसको उपचार पश्चात सुरक्षित बचा लिया गया।

वहीं दूसरी बहन रवीना जिसको तैरना नहीं आता था, जिसके कारण उसकी डूबने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बताया कि मृतका रवीना शादीशुदा थी, जिसका ससुराल ग्राम लावा स्थित चौरूपुरा में है।

नीमकाथाना जिले को पुनः बहाल की मांग, धरना जारी

- **विधायक सुरेश मोदी ने भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर संबोधित किया**

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिले को पुनः बहाल की मांग को लेकर संघर्ष समिति के बैनर तले पांचवे दिन भी धरना जारी रहा, जिसमें विधायक सुरेश मोदी ने भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर संबोधित किया।

जानकारी के अनुसार आन्दोलन में अनिल वर्मा, नंदलाल सैनी, लालचन्द सैनी, मालाराम शास्त्री, सांवरमल खटाणा ने नीमकाथाना जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठ कर धरने को जारी रखा। बताया कि राज्य सरकार ने आनन-फानन में नीमकाथाना जिले को हटाकर आमजन की भावनाओं से खिलवाड़ किया है जिसका विरोध प्रदर्शन अलग-अलग संगठनों द्वारा किया जा रहा है। क्रमिक भूख हड़ताल एवं आंदोलन को जारी रखने के लिये छठें दिन जतन किशोर सैनी, नरेन्द्र कुमार सैनी एडवोकेट, न्यूटन सैनी एडवोकेट, संदीप यादव एडवोकेट, श्रीराम गुर्जर और बंटी वर्मा भूख हड़ताल पर बैठेंगे। आंदोलन में बैठे लोगों को विधायक मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में हिटलरशाही नहीं होना चाहिए, भाजपा सरकार ने नीमकाथाना जिले को हटाकर नीमकाथाना की जनता के साथ विश्वासघात किया है, इसका समय आने पर जबाब भी दिया जाएगा और नीमकाथाना जिला लेकर भी रहेंगे।

इस मौके पर भूपेन्द्र सिंह मावण्डा, शशिपाल भाकर, रामस्वरूप् गोरधनपुरा, रामवतार मंगावा, संतोष पारीक, बाबूलाल चौहान सरपंच, राजपाल डोई, रामसिंह गुरूजी, सुरेश खैरवा सरपंच, गोपाल सैनी, गंगाराम सैनी मावंडा, जयसिंह बोराण, महावीर सैनी, रामलाल मीणा, निरंजन लाल सैनी, बलवीर खैरवा, विक्रम यादव, अवतार गुर्जर, रवि खटाणा, कॉमरेड नागरमल सैनी, घीसाराम सैनी, प्रहलाद महराणियां सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

पानी की निकासी नहीं होने से मुख्य रास्ता ब्लॉक, लोगों ने प्रदर्शन कर रोष जताया

नालियों के पानी की निकासी नहीं होने के कारण मुख्य रास्ता तालाब बना

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ कस्बे के वार्ड 26 कुबा मस्जिद के पास मुख्य रास्ता ब्लॉक होने के कारण लोगों का घरों से निकलना दुभर हो रहा है तथा बीमारियां फैल रही है, मोहल्लेवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

- **बार-बार प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी कार्यवाही नहीं होने का आरोप**

उसके बावजूद प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने पर लोगों ने रोष जताया तथा पानी निकासी की मांग की है।

रफीक सोलंकी ने बताया कि बार-बार प्रशासन को ज्ञापन दिया है तथा अब भी हमनें एसडीएम को ज्ञापन दिया है तथा ज्ञापन में बताया कि राजगढ़ के वार्ड 26 कुबा मस्जिद के पास मुख्य रास्ता ब्लॉक पड़ा है जिससे नालियों को गन्दा पानी मोहल्ले में भरा हुआ है, जिससे मोहल्ले में पानी निकासी नहीं हो पा रही है। रफीक सोलंकी ने बताया कि घरों के सामने रास्ते में पानी भरने के कारण बंद हुए रास्ते के कारण बीमारियां सबसे ज्यादा इस मौहल्ले में फल रही हैं, जबकि बार-बार प्रशासन को इस संबंध में अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन ना तो नगरपालिका इस ओर ध्यान दे रही है और ना ही प्रशासन ध्यान दे रहा है, जिसके कारण मौहल्लेवासियों को आने-जाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। मौहल्ले के बच्चे व महिलाओं व आम रास्ते से गुजरने वाले राहगिरों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। गन्दा पानी एकत्रित होने से मोहल्ले में गंदगी फैल रही है, बच्चे बीमार हो रहे हैं, बच्चों को स्कूल जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ती है। वहीं मौहल्लेवासियों ने मौहल्ले की इस जटिल जन समस्या का समाधान रास्ता खुलवाने की मांग की है।

इसी दौरान रफीक सोलंकी, मुबारिक, अब्दुल्ला, मोहम्मद सादिक, असलम, मोहम्मद सोहिल, इरफान, मोहम्मद रफीक, जरीना, रामेश्वर, मोहम्मद असगर, जावेद, गोरधन, हनीफ हाजी, रूबीना, मोहम्मद सरीफ, जमीन सोलंकी आदि का हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन देने वाले सभी लोगों ने रोष जताया।

रास्ते में घरों के सामने भरे गंदे पानी की निकासी की मांग को लेकर मौहल्लेवासियों ने रोष जताया।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या : 07/2024

सांकेतिक सूचना

मिनिस्टीरियल और आइसोलेटेड कोटियों के विभिन्न पदों की भर्ती

नीचे दी गई तालिका में मिनिस्टीरियल और आइसोलेटेड कोटियों के विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 06.02.2025 है। **सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन जमा किया जाना चाहिए।**

आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि: 07.01.2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 06.02.2025

पदों के नाम	7वें वे. आयोग में वेतन स्तर	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	आयु यथावत (01.01.2025)	कुल रिक्तियां (सभी रे. भ. बो.)
विभिन्न विषयों के स्नातकोत्तर शिक्षक	8	47600	C2	18-48	187
वैज्ञानिक पर्यवेक्षक (एर्गोनॉमिक्स और प्रशिक्षण)	7	44900	B1	18-38	3
विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	7	44900	C2	18-48	338
मुख्य विधि सहायक	7	44900	C1	18-43	54
लोक अभियोजक	7	44900	C1	18-35	20
शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (अंग्रेजी माध्यम)	7	44900	C2	18-48	18
वैज्ञानिक सहायक/प्रशिक्षण	6	35400	B1	18-38	2
कनिष्ठ अनुवादक/हिन्दी	6	35400	C2	18-36	130
वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक	6	35400	C1	18-36	3
कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक	6	35400	C1	18-36	59
लाइब्रेरियन	6	35400	C2	18-33	10
संगीत अध्यापिका	6	35400	C2	18-48	3
विभिन्न विषयों के प्राथमिक रेलवे शिक्षक	6	35400	C2	18-48	188
सहायक अध्यापिका (जूनियर स्कूल)	6	35400	C2	18-48	2
प्रयोगशाला सहायक / स्कूल	4	25500	C2	18-48	7
लैब सहायक ग्रेड III (रसायनज्ञ और धातुकर्मी)	2	19900	B1	18-33	12
				कुल	1036

उपरोक्त तालिका में दर्शाई गई आयु सीमा वर्षों में है और आयु की ऊपरी सीमा में कोविड-19 महामारी के कारण एक बार के लिए निर्धारित आयु सीमा से 3 वर्ष की छूट शामिल है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे सूचीबद्ध इस भर्ती में भाग लेने वाले सभी रेलवे भर्ती बोर्डों (आरआरबी) की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध विस्तृत केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 07/2024 देखें।

सीईएन संख्या 07/2024 के संदर्भ में भर्ती में भाग लेने वाले आरआरबी की वेबसाइटें		
अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	चंडीगढ़ www.rrbcdg.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in
अजमेर www.rrbajmer.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in	मुंबई www.rrbmumbai.gov.in
बेंगलुरु www.rrbbnc.gov.in	गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in
भोपाल www.rrbbhopal.gov.in	गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in
भुवनेश्वर www.rrbbbs.gov.in	जम्मू-श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	रांची www.rrbranchi.gov.in
बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	सिकंदराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in

यह अधिसूचना पूर्णतः सांकेतिक प्रकार की है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन संख्याः 07/2024 की पोस्ट पैरामीटर तालिका और रिक्ति तालिका को देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर केवल रेलवे भर्ती बोर्डों की उपरोक्त वेबसाइटों पर ही जारी की जाएगी।

संख्या: RRB/All/Advt./CEN 07/2024/Ministerial & Isolated Categories
दिनांक: 05.01.2025

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

बिचौलियों, दलालों और जॉब रैकेट चलाने वालों से सावधान रहें।

जयपुर जिला प्रशासन ने बीते 50 दिनों में 400 रास्ते खुलवाए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों में जयपुर जिले में जारी "रास्ता खोलो" अभियान आमजन राहत के लिए दूसरा नाम बन गया है। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज 50 दिनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े 400 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी सुमन पंवार ने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 47 रास्ते खुलवाए गए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक लोगों को लाभांवित करने के लिए स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि "रास्ता खोलो" अभियान के तहत 15 नवंबर 2024 से 3 जनवरी 2025 तक जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 24 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 14 रास्ते, आंधी तहसील में 24 रास्ते, बस्सी तहसील में 15 रास्ते, तूंगा तहसील में 10 रास्ते खुलवाए गए। वहीं शाहपुरा तहसील में 22 रास्ते, जोबनेर तहसील में 25 रास्ते, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 21 रास्ते, फुलेरा तहसील में 21 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी तहसील में 15 रास्ते, जालसू तहसील में 14 रास्ते, चौमूं तहसील में 27 रास्ते, सांगानेर तहसील में 14 रास्ते खुलवाए गए।

सुमन पंवार ने बताया कि चाकसू तहसील में 19 रास्ते, कोटखावदा तहसील में 14 रास्ते, माधोराजपुरा तहसील में 22 रास्ते, दूदू तहसील में 21 रास्ते, मौजमाबाद तहसील में 24 रास्ते एवं फागी तहसील में 42 रास्ते खुलवाए गए।

जयपुर जिला प्रशासन ने "रास्ता खोलो" अभियान के तहत बीते कई वर्षों से बंद पड़े रास्तों को खुलावाया तो लोगों ने आभार जताया।

- **विगत एक सप्ताह में तहसीलों में बरसों से बंद 47 रास्ते खुलवाए**

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

पतंगबाजी को लेकर जिलों को एडवायजरी जारी

जयपुर। पशुपालन, गौपालन और डेयरी विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने प्रदेश के सभी जिलों के लिए विभाग की ओर से पतंगबाजी को लेकर आमजन हित तथा पक्षियों की सुरक्षा के लिए एडवायजरी जारी की है।

जिला कलक्टरों को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि प्रदेश में मकर संक्राति पर्व पर पतंगबाजी के दौरान दोपहिया वाहन चालकों तथा पक्षियों को जान का खतरा होने की अत्यधिक संभावना रहती है। पतंग उड़ाने के दौरान अत्यधिक धारदार, नायलॉन या किसी सिंथेटिक सामग्री से बने मांझों एवं उन पर लोहे अथवा कांच के पाउडर की कोटिंग से आमजन एवं पशु पक्षियों को हानि पहुंचने और कई बार जनहानि होने की भी संभावना होती है। साथ ही यह मांझा विभिन्न धातुओं के मिश्रण से बने होने के कारण विद्युत सुचालक भी हो जाता है। जिससे विद्युत तारों के संपर्क में आने पर विद्युत प्रवाह होने से पतंग उड़ाने वालों के लिए खतरनाक हो सकता है और विद्युत सप्लाई में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है। इन्हीं संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए ऐसी सामग्री से निर्मित मांझों पर तत्काल प्रतिबंधात्मक रोक लगाने की कार्यवाही किया जाना नितांत आवश्यक है। उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों की अनुपालना में नायलॉन या किसी सिंथेटिक सामग्री से बने अथवा सिंथेटिक पदार्थ से लेपित चायनीज और गैर बायो डिग्रेडेबल मांझे या धागे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और प्रतिबंध की पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करें। उन्होंने ऐसे मांझे के निर्माण, भंडारण और विक्रय तथा उपयोग पर भी तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए।

सिख समाज के नगर कीर्तन में थार गाड़ी से एक्सीडेंट करने वाले चार नाबालिग डिटेन

जवाहर नगर में गत 2 जनवरी को सिख समाज के नगर कीर्तन में इन युवकों ने तेज रफ्तार थार गाड़ी घुसा दी थी

- **लोगों को टक्कर मारने के बाद नाबालिग किशोर गाड़ी लेकर भाग रहे थे, लेकिन पंचवटी सर्किल पर ट्रेफिक जाम में फंस गए**
- **इस दौरान तीन नाबालिग कार छोड़कर फरार हो गए थे, लेकिन कार चालक नाबालिग को लोगों ने पकड़ लिया था और गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी थी**

जयपुर (कासं)। राजापार्क इलाके में 2 जनवरी की रात को सिख समाज के नगर कीर्तन में थार गाड़ी से एक्सीडेंट करने वाले चार नाबालिग किशोरों को जवाहर नगर पुलिस ने डिटेन कर वारदात में प्रयुक्त थार गाडी जब्त की है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 2 जनवरी को सिख समाज द्वारा आयोजित नगर कीर्तन जो कि ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर से इलाके से होता हुआ राजापार्क में प्रवेश कर रहा था। इतने में ही एक लाल रंग की थार गाड़ी का चालक गाड़ी को तेज गति से गोविन्द मार्ग से राजा पार्क लिंक रोड पर लाया। जहां मौजूद पुलिस ने रोकने का प्रयास करने पर गाड़ी को तेज गति से भगाकर ले गया तथा राजा पार्क में प्रवेश कर गया।

जहां गली नम्बर 01 के चौराहे पर लगे पुलिस थाना आदर्श नगर के जाब्ते को टक्कर मारता हुआ सामने से आ रहे नगर कीर्तन में प्रवेश कर गया। जहां पुलिस जाब्ता ने रोकने की कोशिश की तो गाड़ी को अनियंत्रित करता हुये पुलिस जाब्ते पर चढाने की कोशिश की तथा नगर कीर्तन में घुस कर एक बच्ची व एक पुरुष को एक्सीडेंट कर घायल कर गाड़ी को दौड़ाता हुआ पंचवटी सर्किल पर ले गया। जहां यातायात जाम होने के कारण गाडी वहीं रूक गई। गाडी के रूकते ही तीन नाबालिग लड़के गाडी से उतर कर भाग गये तथा गाडी के चालक को वहीं उग्र भीड ने पकड़ लिया गया। जिस पर गाडी के नाबालिग चालक को पुलिस ने भीड से छुड़वाया और स्वयं के कब्जे में लिया। भीड ने मौके पर गाड़ी में तोडफोड कर दी थी। जिस पर घायलों को तुरन्त प्रभाव से एसएमएस अस्पताल भिजवाया गया है। मौके पर मौजूद क्षतिग्रस्त कार को ट्रैफिक पुलिस से क्रेन मंगवाई जाकर तुरंत प्रभाव से थाने में भिजवाया गया। भीड के कारण लगे जाम को समझाइश कर मौके से हटाया गया, यातायात को सुचारू करवाया गया।

लूट की झूठी साजिश रचने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। करधनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लूट की झूठी साजिश रचने और खबर वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लूट की झूठी साजिश रचने और खबर वाले आरोपित मनोज कुमावत निवासी हाथोज कालवाड जयपुर को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी हरिश सोलंकी ने बताया कि आरोपी मनोज कुमावत ने मामला दर्ज करवाया था कि वह बजरंग ज्वैलर्स चौडा रास्ता पर मोहित सोनी की दुकान पर कुन्दन जडाई का काम करता है और दुकान से पूर्व लाए गए 96 ग्राम वजन के गहनों में जडाई का काम कर उसके अपने घर से दुकान ले जा रहा था। इस दौरान कालवाड रोड पर अज्ञात लूटेरों ने उसके हाथों में ज्वलनशील कैमिकल डाल कर जडाई किए गए गहनों को छीन कर ले गए।

पुलिस ने गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम का गठन किया और घटनास्थल सहित अन्य जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। वहीं पुलिस को घटना के बारे को लेकर संदेह पैदा हुआ और फिर मनोज से सख्ती से पूछताछ की तो उसने वारदात को अंजाम देना कबूला। पूछताछ में आरोपी से सामने आया कि उसकी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण पैसों की आवश्यकता थी। इस लिए यह झूठी साजिश रची और खबर दी है।

आरोपी मनोज कुमावत

कार को ईंटों पर खड़ी करके टायर चुरा ले गए बदमाश

जयपुर (कासं)। सांगानेर सदर इलाके में शनिवार को एक क्रेटा गाड़ी के टायर खोलकर चोरी कर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

थाना प्रभारी नंदलाल ने बताया कि नवरतन शर्मा निवासी सचिवालय नगर वाटिका रोड सांगानेर सदर ने रिपोर्ट दी कि उसने शुक्रवार रात को ऑफिस से आने के बाद करीब साढ़े दस बजे अपनी क्रेटा गाड़ी को अपने मकान के सामने खड़ा कर दिया था। जब वह सुबह उठा तो गाड़ी के चारों आयर मय रिंग के गायब मिले। अज्ञात चोर चोरी कर ले गए।

इस रिपोर्ट के बाद जांच की तो सामने आया कि चोरों ने पहले एक गाड़ी का शीशा तोड़कर उसमें से जैक चोरी किया था। उसके बाद क्रेटा गाड़ी के टायर चोरी करने के लिए पहले दो ईंट रखीं और उसके ऊपर जैक लगाकर गाड़ी के चारों टायर मय रिम के चोरी कर ले गए।

साइबर ठगों ने फर्जी पुलिसकर्मी बन बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर 5 लाख रुपए ऐंठे

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में साइबर ठग फर्जी पुलिसकर्मी बनकर एक बुजुर्ग को डिजीटल अरेस्ट कर पांच लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक तारानगर निवासी 59 वर्षीय किशनसिंह चारण पुणे में एक प्राइवेट कम्पनी में काम करता है। उसके पास किसी ने पुलिसकर्मी बनकर कॉल किया और कहा कि आपने नाम से एक संदिग्ध पार्सल आया है। इसमें एमडी ड्रग्स रखा हुआ है। आप थाने आ जाओ। आरोपी ने इस मामले में गिरफ्तारी और लंबे समय तक जेल जाने का भय दिखाया। आरोपी ने पीडित को उसके नकली पासपोर्ट की भी बात कहीं। आरोपी को डरा धमका कर केस से बचाने के लिए 5 लाख रुपए मांगे गए। आरोपी ने ऑनलाइन बड़े अधिकारी से भी बात करवाई गई। आरोपियों ने पीड़ित को इस घटना के बारे में किसी को बताने से इनकार किया। पीडित ने साइबर ठगों की डिमांड पूरी करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक से ऑनलाइन पर्सनल लोन करवाया। लोन की 5 लाख रुपए की राशि पीड़ित के खाते में आते ही उसने आरोपियों के बताए तीन खातों में यह राशि ट्रांसफर कर दी। पीड़ित ने बेटे के नाम से यह लोन करवाया था। पीड़ित ने साइबर ठगों के दो खातों में 2-2 लाख और तीसरे खाते में 94 हजार रुपए जमा करवाए थे। पीडित को जब ठगी का अहसास हुआ तो थाने जाकर मामला दर्ज कराया।

हिस्ट्रीशीटर के घर पर फायरिंग करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने गत दिनों हिस्ट्रीशीटर राहुल नंदा को जान से मारने के उद्देश्य से फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर नगर थाना पुलिस ने गत दिनों हिस्ट्रीशीटर राहुल नंदा को जान से मारने के उद्देश्य से फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश कुलदीप उर्फ कालू (25) निवासी आनंदपुरी आदर्श नगर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपनी साथियों के साथ गत 29 नवंबर की मध्यरात्रि सिंधी कॉलोनी जवाहर नगर में हिस्ट्रीशीटर राहुल नंदा को जान से मारने के उद्देश्य से हनी टाइगर सहित आधा दर्जन साथियों के साथ फायरिंग की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए एक स्पेशल टीम का गठन कर 6 साथियों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन कुलदीप तभी से फरार चल रहा था।

उपायुक्तों ने किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम आयुक्त रूकमणि रियार के निर्देश पर सभी जोन उपायुक्त और जोन ओ.आई.सी. ने रात्रिकालीन सफाई व्यवस्थाओं का अपने-अपने जोन में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त अशोक शर्मा ने विद्याधर नगर जोन, उपायुक्त श्याम लाल जांगिड़, ने मानसरोवर जोन, गीता कारनानी ने जगतपुरा जोन, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी रश्मि कांकरिया, सहित अधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्राधिकार में सफाई व्यवस्था का दौरा किया। रात्रिकालीन सफाई रात्रि 9 बजे से रात्रि 2 बजे तक नगर निगम ग्रेटर की टीमों द्वारा की जा रही है, जिसका संबंधित जोन ओ.आई.सी. और उपायुक्तों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान सभी जोन उपायुक्तों एवं जोन ओ.आई.सी. ने सफाई कर्मचारियों की हाजरी, ओपन कचरा डिपो की स्थिति, दुकानों के बाहर हरे व नीले रंग के डस्टबिन की स्थिति, स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत चयनित सीटीयू पॉइंट्स की मॉनिटरिंग, स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत आने वाले सभी मापदंडों की मॉनिटरिंग, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सीएनडी वेस्ट आदि का औचक निरीक्षण किया तथा कमियां सुधारने को कहा।

कैब चालक को बंधक बनाकर कार लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

करधनी थाना पुलिस ने वारदात का पर्दाफाश कर लूटी हुई कार जब्त की

जयपुर (कासं)। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कैब चालक को बंधक बनाकर कार लूटने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटी गई कार बरामद कर ली है। गिरफ्तार बदमाशों ने एक कैब चालक को बंधक बनाया और चलती कार से चालक को फेंक कार लेकर फरार हो गए थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कैब चालक को बंधक बनाकर कार लूटने वाले राजेश कुमार यादव (34) ऐट जिला जालौन (उत्तर प्रदेश), मनोज सिंह (47)निवासी गजनेर जिला कानपुर देहात (उत्तर प्रदेश) और सन्नी यादव (27) निवासी चिरगांव जिला झाँसी (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से पुलिस ने लूटी गई कार को बरामद किया है।

थानाधिकारी हरिश सौलंकी ने बताया कि कार चालक रत्तन सिंह (36) निवासी रानोली जिला सीकर ने दो जनवरी को थाने मामला दर्ज करवाया था कि वह खाटूश्याम बस स्टैण्ड पर खड़ा था। वहां तीन व्यक्ति उसे मिले जो दर्शन के लिए सालासर बालाजी और जीण माता जाने के लिए कहा। इसके बाद किराया तय होने पर दोनों जगह उनको घुमा दिया। फिर उन तीनों ने शाम को कार चालक से कहा कि जयपुर रेलवे स्टेशन तक छोड दो एक्स्ट्रा किराया दे देंगे तो सालासर से जयपुर रवाना होकर जयपुर पहुंचे। यहां से रेलवे स्टेशन नहीं जाकर ये लोग अलग-अलग गलियों में कार को चलाते रहे। जिस के बाद उसे बंधक बना कर निवारू रोड पर चलती गाड़ी से उसे पटक कर कार लूट ले गए। पुलिस ने आरोपितों ने चिन्हित करते हुए खैडली मोड जिला भरतपुर से हुए पकडा है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदाते खुलने की आशंका जताई जा रही है।

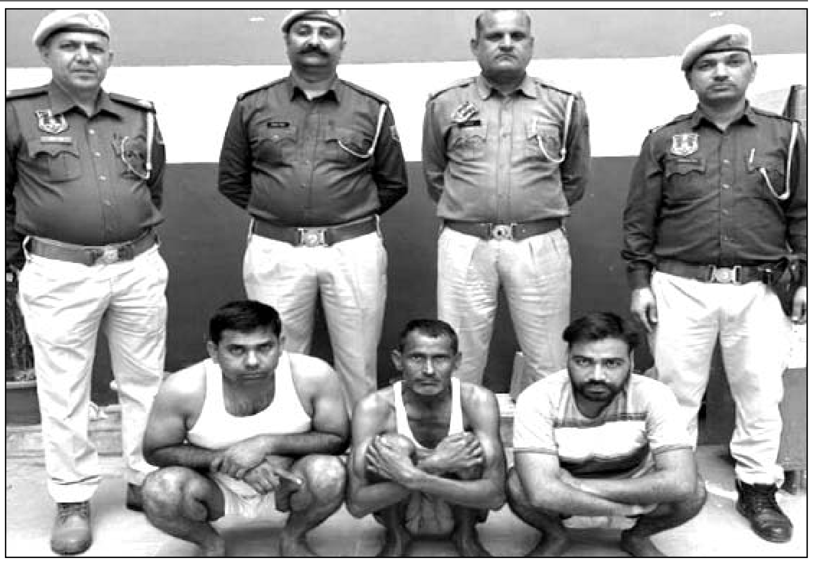

करधनी थाना पुलिस ने कैब चालक से लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

युवक से मारपीट कर तीन लाख रुपए छीने

जयपुर। सदर थाना इलाके में क्रिप्टो करैंसी एक्सचेंज बेचने आए युवक से कार सवार बदमाश मारपीट कर करीब 3 लाख रुपये की नकदी व एटीएम कार्ड छीनकर ले गए।

पुलिस के अनुसार यूपी निवासी अनस रजा ने मामला दर्ज करवाया कि उसके टेलीग्राम पर एक युवक ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज खरीदने की इच्छा जाहिर की। इस पर युवक से उसका पता लिया गया। युवक ने उसे रेलवे स्टेशन के पास बुलाया। इस पर वह दिल्ली से क्रिप्टो कैरेंसी एक्सचेंज लेकर रेलवे स्टेशन पहुंचा। वहां पर युवक खड़ा मिला। युवक ने उसे एक कार में बिठा लिया और अपने साथियों के साथ मिलकर उससे मारपीट की। आरोपी उससे 2.5-3 लाख रुपए और एटीएम कार्ड छीनकर ले गए। घटना 19 दिसम्बर की है। मामले की जांच एसआई निरमा पूनिया कर रही है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। इस मामले में जल्द ही आरोपियों को दबोच लिया जाएगा। बदमाश पीडित ने करीब तीन लाख रुपए और एटीएम कार्ड छीनकर ले गए।

सार-समाचार

वैभव का यू.पी.एस.सी. में चयन

जयपुर। राजधानी के युवा वैभव का संघ लोक सेवा आयोग की एलाइड सर्विस (ईपीएफओ) में इनफ़ोर्समेंट ऑफिसर के पद पर चयन हुआ है। उनकी ऑल इंडिया रैंक 99वीं रही। वैभव के पिता कमल किशोर बिजनेसमैन और मां स्नेहा गृहिणी है। वैभव की बड़ी बहन दीप्रिया सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट है। वैभव ने प्रारंभिक शिक्षा जयपुर में प्राप्त की। उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से प्राप्त की। वैभव ने यह उपलब्धि अपने पहले प्रयास में ही प्राप्त की है। वैभव को संगीत का शौक है। वे अहुत अच्छा गिटार बजाते हैं। वैभव का लक्ष्य आईएएस बनना है। वैभव ने बताया कि उसने दिल्ली में रहकर पढ़ाई की। अपनी सफलता का श्रेय वह भगवान, माता-पिता के आशीर्वाद और कड़ी मेहनत को देते हैं।

लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन आज लगेगी

जयपुर। "द गॉसिप गर्ल्स" की ओर से एक दिवसीय डिजाइनर एंड पॉप अप लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन 5 जनवरी को सुबह 11 से रात 8 बजे तक होगी। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि नीता बूचरा (पूर्व प्रेजिडेंट फिक्की फ्लो इंडिया, पूर्व संस्थापक चेयरपर्सन फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर, ऑनर नीता बूचरा ज्वेलरी) विधिवत तरीके से दीप प्रज्वलित करेंगी। यह एग्जिबिशन 22 गोदाम स्थित होटल होलीडे इन में आयोजित की जाएगी। द गॉसिप गर्ल्स की फाउंडर सलोनी मोदी और वर्तिका हरकावत ने बताया इस पॉप अप लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन में डिजाइनर आउटफिट्स, किड्स वियर, कार्ड सेट, कुर्ती, चिकनकारी सूट व लहंगा, जूतियां, कलरफुल पोटली, डिजाइनर व पशमीना शॉल, ज्वेलरी और होम डेकोर का कलेक्शन शोकेस किया जाएगा।

स्मार्ट किड्स देंगे स्वच्छता का संदेश

जयपुर। शहरवासियों को स्वच्छता का संदेश देने के लिए जयपुर के स्मार्ट किड्स रविवार को रैंप वॉक करते हुए नजर आएंगे। अनन्या सोच सेवा संस्थान की ओर से अजमेर रोड स्थित एक होटल में हेरिटेज किड्स फैशन शो का सीजन दो आयोजित किया जाएगा। इस दौरान शो में जयपुर के नन्हें बाल कलाकार रैंप पर स्वच्छता का संदेश भी देंगे। आयोजन अर्चना बैराठी ने बताया कि रविवार को जयपुर स्मार्ट किड्स जयपुर स्मार्ट सिटी के सहयोग से स्वच्छता का संदेश देंगे। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण चाइल्ड एक्टर अर्विक बैराठी होंगे। आमजन को स्वच्छता का संदेश देने के लिए बच्चे हेरिटेज थीम पर ड्रेस पहन कर आयेंगे और तख्ती और बेनर के जरिए दर्शकों को साफ सफाई के लिए प्रेरित भी करेंगे। इस दौरान बच्चों द्वारा बनाए गए स्लोगन का प्रदर्शन भी किया जाएगा। जिसमें गीला कचरा और सूखा कचरे को अलग अलग डस्टबिन में रखने, सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने जैसे स्लोगन से जागरूक भी किया जाएगा। वहीं, आमजन को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई जाएगी।

महिला से पर्स छीन ले गए बदमाश

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में बाइक सवार दो बदमाश एक महिला के हाथ पर झपट्टा मारकर पर्स छीनकर ले गए। पर्स में नगदी व मोबाइल रखा था। पुलिस के अनुसार चित्रगुप्त नगर द्वितीय इमली फाटक निवासी वीणा दाधिच ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार जा रही थी बीपीसीएल कार्यालय के पास पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और उसके हाथ पर झपट्टा मार कर पर्स छीनकर ले गए। पर्स में मोबाइल व 10 हजार रुपए रखे थे। इस अप्रत्याशित घटना में पीडिता कुछ समझ पाती तब तक बदमाश तेज गति से बाइक चलाकर गलियों में ओझल हो गए। इस पर पीडिता थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

रोडी से भरा हुआ ट्रोला पलटा, नीचे दबने से बाइक सवार युवक की मौत

आमेर इलाके में दिल्ली-हाईवे पर नई माता मंदिर के पास हुआ हादसा

जयपुर। आमेर थाना इलाके में दिल्ली हाईवे पर ट्रोले के नीचे दबने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा नई माता मंदिर के पास हुआ। हादसे के बाद मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने रास्ता बंद कर धरना दिया।

पुलिस के अनुसार जयपुर-दिल्ली हाईवे पर रोडी से भरे ट्रोला के नीचे बाइक सवार के दबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। यहां मुआवजा देने की मांग पर धरने पर बैठ गए। हादसा शनिवार सुबह 9.15 बजे नई माता मंदिर के पास हुआ।

बताया जा रहा है कि ट्रोला यू-टर्न ले रहा था, जिसे देख पेटला की ढाणी पीली की तलाई निवासी मृतक बाबूलाल सैनी (33) साइड में खड़ा हो गया और इसी दौरान ये हादसा हो गया। मृतक बाबूलाल सैनी मजदूरी का काम करता है। वह सुबह अपने घर से जयपुर जाने के लिए निकला था। घर से तीन किलोमीटर ही एक यू-टर्न पड़ता है। रोडी से भरा ट्रोला जयपुर की तरफ से आ रहा था और दोबारा यू-टर्न लेकर जयपुर की तरफ मुड़ रहा था।

इस बीच बाबूलाल ने जब ट्रोले को यू-टर्न लेते देखा तो वो सड़क के किनारे एक तरफ खड़े हो गए और ट्रोला के निकलने का इंतजार करने लगे। इसी दौरान टर्न लेते समय ट्रोला पलट गया। जैसे ही रोडी से भरा ट्रोला गिरा तो तेज धमाके की आवाज आई। आवाज सुनकर लोग भागे। नीचे बाइक फंसी हुई है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

इस पर पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बाबूलाल को बाहर निकाला। इस हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के चचेरे भाई लालाराम सैनी ने बताया कि इस हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने सूचना दी। इस पर परिजन करीब 9.30 बजे मौके पर पहुंचे। यहां पहुंचे तो पता चला कि उनके चचेरे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। बाबूलाल के परिवार में मां-पत्नी और तीन बच्चे हैं। वहीं बाबूलाल के परिजन और स्थानीय लोग धरने पर बैठ गए। वे हाईवे पर जगह-जगह बने कटों को बंद करने, मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी और परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग कर रहे है।

दो वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने शनिवार को शिप्रापथ और प्रताप नगर थाना इलाके में दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार इनके कब्जे से चोरी के छह वाहन बरामद किए हैं। शिप्रापथ में राहुल बर्मन को गिरफ्तार कर पांच दुपहिया और प्रताप नगर में कमलेश जाट को गिरफ्तार कर एक वाहन जब्त किया है। गिरफ्तार राहुल बर्मन उर्फ चिंटू (22) कूच बिहार पश्चिम बंगाल हाल कच्ची बस्त ती मालवीय नगर और कमलेश जाट (23) निवाई बरौनी टोंक का रहने वाला है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि शिप्रापथ में राहुल के कब्जे से चार बाइक और एक एक्टिवा और प्रताप नगर में कमलेश के कब्जे से एक बाइक जब्त की है। कमलेश ने कबूल किया कि उसने प्रतापनगर, सांगानेर, सांगानेर सदर इलाके से अन्य 5 और दुपहिया वाहनों की चोरी की है।

स्मैक तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। कानोता पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले तस्कर सेड़ा सांसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 7 ग्राम 33 मिलीग्राम स्मैक और बिक्री राशि 85 हजार 620 रुपए जब्त किए हैं। पुलिस उपायुक्त पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कानोता थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने कार्रवाई करते हुए आरोपित सेडा सांसी निवासी हरड़ी रोड कानोता को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी सेडा सांसी काफी समय से स्मैक बैच रहा है। जिसमें छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ग्राहकों को 250 रुपए प्रति पुड़िया बेचता है। पुलिस आरोपित से खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

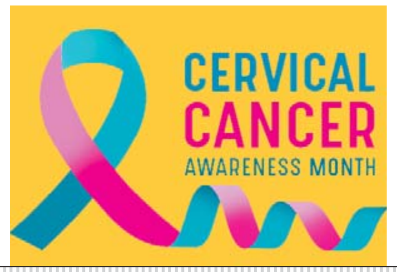

Cervical Cancer Awareness Month

Unveiling insights on women's health, exploring preventive measures, empowering communities to champion well-being beyond boundaries. 99% of cases of cervical cancer are linked to a persistent infection of the human papillloma virus (HPV), which is a sexually transmitted disease. Because there is a vaccine against HPV, cervical cancer is a highly preventable disease, in up to 93% of cases. The purpose of this event is obviously to prevent and end the impact that cervical cancer has on women. This can be accomplished in a variety of ways in honour of Cervical Cancer Prevention Month, at this time and all throughout the year.

#SELF-CONFIDENCE

How to Boost Your Own Confidence in 5 Minutes a Day

"Self-confidence isn't a magical trait bestowed on a lucky few, it's a skill that anyone can cultivate."

Would you like to head into the New Year feeling, and projecting, more confidence? You can increase your own confidence, it turns out. You don't have to take a course or set yourself some major challenge. Instead, it's something that you can do yourself in a few minutes a day. That insight comes from Adi Jaffe, Ph.D., a lecturer in Psychology at UCLA and author specializing in Mental Health and Addiction. In a recent article for *Psychology Today*, Jaffe explains how forming a few simple daily

habits and sticking with them can significantly improve your confidence. "Self-confidence isn't a magical trait bestowed on a lucky few, it's a skill that anyone can cultivate," he writes. "Your daily habits shape how you view yourself."

What are these daily habits that can make you more confident over time?

1. Set yourself achievable goals

Many experts have observed that giving yourself small, achievable goals, and then celebrating those wins is a proven way to improve your confidence and help you reach those goals. That sets you up for a virtuous cycle, where reaching one goal makes you more confident about the next one. "This practice rewires your brain to expect success rather than fear failure," Jaffe writes. You can help yourself even more if you monitor your own self-talk and make it a practice to stop yourself when you're self-criticizing or sinking into negative thinking. "Your inner dialogue has a powerful impact on your actions and beliefs," he writes.

2. Meditate for just five minutes

"Even a very brief bit of daily meditation can have a powerful effect on your confidence level," Jaffe writes. It works because meditation invites you to stay in the present moment, and that can really cut down on negative and self-critical thinking.

3. Get some exercise

What the heck does physical exercise have to do with your self-confidence? More than you might think. "Exercise releases dopamine and endorphins, feel-good chemicals that boost mood, motivation, and confidence," Jaffe writes. Your goal here is to improve your mood and your confidence levels, not to have sculpted abs. That means you don't need a lengthy or rigourous routine. In fact, Jaffe suggests the opposite. He recommends picking an activity that you enjoy, anything from belly dancing to yoga to brisk walking, and starting out with just a 10-to-15-minute daily practice that you can stick with.

4. Surround yourself with positive people

"I recommend curating a social circle that is a mix of both highly supportive people as well as others who can model the sort of life you are looking to grow into," Jaffe writes. Warren Buffett probably agrees. He's often said that we are the average of the five people we spend the most time with. So, choose relationships and communities that make you feel supported and encouraged to stretch yourself and try new things. And spending time with someone who's reached one of your major goals can make that goal seem much more attainable.

38 YEARS AFTER HER DEATH

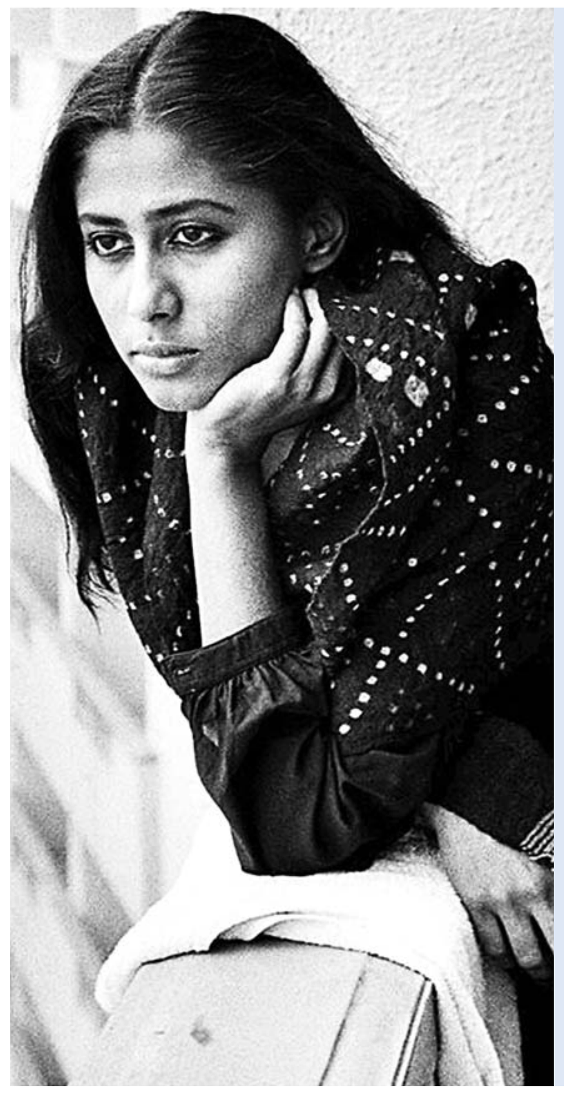

Bhoomika (The Role, 1977) was based on the autobiography titled *Sangtye Aika* (Listen to this), penned by a famous Marathi-speaking actress of her time, Hansa Wadkar. For Bhoomika, Shyam Benegal based the film on the once-noted film actress Hansa Wadkar's autobiography and had actress Smita Patil playing Wadkar in the film. The film won two National Awards, Best Actress for Smita Patil and Best Screenplay for Satyadev Dubey, Shyam Benegal and Girish Karnad. The film also won the Best Film at the 25th Filmfare Awards. On the centenary of Indian cinema in April 2013, Forbes included her performance in the film on its list, '25 Greatest Acting Performances of Indian Cinema,' The Washington Post in the 'an enigmatically feisty final performance.'

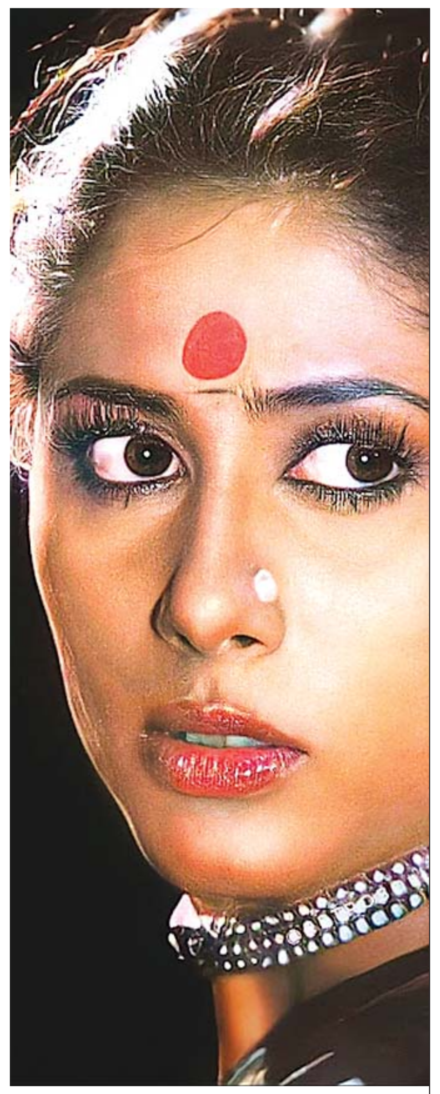

Dr. Shoma A. Chatterji
Film Scholar, Journalist & Author

Do you know that Smita Patil began her career as a Marathi language newsreader in Mumbai Doordarshan? She landed in films when Shyam Benegal saw her reading the news and decided to cast her in his film *Charandas Chor*, made primarily for children. But her role in this film was quite brief and she really came into her own with her debut in Shyam Benegal's *Manthan* (1976). Smita Patil was very thin, dark complexioned, and had a seductive voice. She was far from beautiful in the 'Hindi film' sense of the term. "It is her mobile face I noticed and that was enough for me to choose her for Manthan," Benegal is reported to have said.

Manthan traces a small set of poor farmers of Kheda district in Gujarat, who had the vision and foresight to act in a way that was good for the society and not for self alone. Under leaders like local social worker Tribhovandas Patel, who took up the cause of the farmers, led to the formation of Kaira District Co-operative Milk Producers' Union. Soon, the pattern was repeated in each district of Gujarat, which, in turn, led to the formation of Amul, a dairy cooperative in Anand, Gujarat in 1946, which is today jointly owned by some 2.6 million milk producers in Gujarat, India.

Smita Patil died 37 years ago of a brain fever, just when her cup of happiness seemed to be brimming over. She had just become a mother, a cherished dream for an actress, who had spent a major part of her youth under greasepaint facing the arc lights. But she has left herself behind in bits and pieces through her screen characters and through her performances in umpteen films in a career roughly spanning a little more than a decade.

She is the first Indian actress to have had the prestige of two retrospectives of her films in France in 1984. Her films were screened both at the La Rochelle Film Festival and at the Cinematheque Francais. Yet, her reaction to the news was the most unassuming in a world where blowing one's own trumpet is part of the rat-race. "Maybe, it was just luck, or maybe, it was the rapport I had established with the French organizers when I had gone there for festivals earlier. I do not know why they picked me and not anybody else," she said.

But was it just luck? Can luck work right through an illustrious but brief career, which fetched for her eight awards, ranging from the National Film Awards for Best Actress, through several Filmfare Awards and one award from the Bengal Film Journalists' Association? The answer is no, considering that her career as an actress had a relatively limited span of a little more than a decade. *Bhoomika* (The Role, 1977) was based on the autobiography titled *Sangtye Aika* (Listen to this), penned by a famous Marathi-speaking actress of her time, Hansa Wadkar. For Bhoomika, Shyam Benegal based the film on the once-noted film actress Hansa Wadkar's autobiography and had actress Smita Patil playing Wadkar in the film. The film won two National Awards, Best Actress for Smita Patil and Best Screenplay for Satyadev Dubey, Shyam Benegal and Girish Karnad. The film also won the Best Film at the 25th Filmfare Awards. On the centenary of Indian cinema in April 2013, Forbes included her performance in the film on its list, '25 Greatest Acting Performances of Indian Cinema,' The Washington Post in the 'an enigmatically feisty final performance.' In 2015, film critic Maithili Rao wrote Patil's biography titled *Smita Patil: A Brief Incandescence*. The Indian Posts and Telegraphs published a postage stamp to commemorate her memory in 2013.

#SMITA PATIL

"During this period, she fell in love with her co-actor, Raj Babbar, a married man with two growing children and a wonderful achiever wife in Nadira Babbar, who ran her own theatre group and was hopelessly trapped in a conflicting relationship. Smita found herself in love with a married man. She defied the traditional, middle-class mores her parents had instilled in her, including her parents who disapproved of the relationship. Smita died a few weeks after she gave birth to Prateek, her son.

In Kumar Shahani's film *Tarang*, the capitalist boss, Rahul (Amol Palekar), makes love to Janki (Smita Patil), the wife of a deceased worker of the factory, which he is manager of. He then offers her money, reducing her to a common prostitute. Initially, she rebels against this humiliation. But, on subsequent occasions, she insists on being paid and uses the money to further the workers' struggle for better wages and living conditions. Money, as a sexualized metaphor as well as an item of exchange, becomes the basis for women's simultaneous depending and independence. Smita Patil's performance is enriched with her subtle dignity, though she plays an *ayah* in the film. The climax finds her in surrealistic space where she tells Rahul that she is no Janki, but is an eternal woman.

However, her earthy looks, dusky skin, svelte form, elegant neck and mobile voice gave her the fluidity of slipping under the skin of the Amma in Rabindra Dharmaraj's *Chakra* as easily as it vested her with the smoothness of merging with the emotionally insecure and hyper Kavita in Mahesh Bhatt's *Arth*. The tribal wood-gathering woman in Govind Nihalani's *Aakrosh*, or the social worker with her silent rebellion in Dr. Jabbar Patel's *Subah*, the committed actress in Mrinal Sen's *Akaler Sandhane*, the woman who aroused the women of an entire village in rebellion against a single man in Ketan Mehta's *Mirch Masala*, the victimized mother in Utpalendu Chakravarty's *Deb Shishu*, the crippled woman with a mind of her own in Sayeed Mirza's *Albert Pinto Ko Gussa Kyon Ata Hai*, the adulterous wife in G. Aravindan's *Chidambaram*, the strange metaphor of Sita in Kumar Shahani's *Tarang*, the angry wife of the dead untouchable in Satyajit Ray's *Sadgati* are just a few examples of the versatility of this gifted actress. She did not try and find out if it was luck that had favoured her over talent and hard work. She worked very hard, bringing into her performance the effortlessness that comes only through long experience or professional training. Smita had neither.

Her career in mainstream cinema proved that it was not luck after all. Except for a couple of films such as *Namak Halal* and *Shakti*, both opposite Amitabh Bachchan, Smita was a total misfit in commercial films. She could not dance to save her life. She lacked the glamorous screen presence that her peers in the mainstream had. She looked incredibly incongruous, almost pathetic in Prakash Mehra's *Gunghroo*. She nonchalantly announced that she wanted to be rich, adding that it was not possible to be rich unless she worked in mainstream films. She did some middle-of-the-road films too such as *Aaj Ki Awaz* under the BR banner, *Aakhir Kyon* opposite Rajesh Khanna, *Jawab,* plus a few more films opposite Raj Babbar.

During this period, she fell in love with her co-actor, Raj Babbar, a married man with two growing children and a wonderful achiever wife in Nadira Babbar, who ran her own theatre group and was hopelessly trapped in a conflicting relationship. Smita found herself in love with a married man. She defied the traditional, middle-class mores her parents had instilled in her, including her parents who disapproved of the relationship. Smita died a few weeks after she gave birth to Prateek, her son, now around 38, brought up largely by Smita's parents. With her 'marriage' to Raj Babbar, Smita Patil proved that she was as emotionally vulnerable as any other woman would be, in the given circumstances.

Another talent that revealed itself much after her death was that Smita was an excellent photographer. Her sister Manya, founder of the Smita Patil Memorial Foundation, managed to put together a collection of Black and White photographs that Smita had taken, during her location shooting stints and even at home. They were not only candid and refreshing, but offered an unusual point of view of their author. These were shown at an exhibition at the NCPA's Gallery of Photographic Art in Mumbai, a few years following her sad demise.

Smita was deeply involved with a women's organization in Mumbai. It was one of the first women's centres in the city that offered succour to women in trouble, women thrown out of their homes, victims of domestic violence, and so on. She did all she could to place the centre on a financially stable footing. With the help of her fame and her industry contacts, Smita organized a charity screening of her film *Umbartha*. The proceeds from the show were ear-marked for an independent apartment for the Women's Centre's office. But with the entry of Raj Babbar in her life, Smita found herself delicately poised in a tightrope walk between her personal beliefs about the wronging of the woman and her personal involvement with a married man.

A characteristic quality of Smita was that though she was always in poor health, she never allowed it to interfere with her commitments. She had a very weak stomach, and suffered from chronic colitis. She often ran high fever. But she took all this in her stride, refusing to make an issue of it. In fact, it was her total disregard of her doctor's dictates that finally led to her death. A few days following her delivery, in December 1986, the film industry in Mumbai went on strike. Smita was at the helm of affairs and led *morchas* within a few days after having delivered her baby, much against the advice of her doctor and her mother Vidya Patil, a trained nurse. Her father was an active politician, but the parents were very progressive and people-oriented, which probably remained in Smita's genes.

With two *Urvashi* Awards (National Award for Best Actress) behind her, two French retrospectives, a bunch of the best films in Indian cinema made around that time, Smita Patil lived the most fulfilling life she could have, within the brief span of her young age of 31. It is the quality of life that matters, the quality of time you have spent in this world that counts, and that is what people like Smita Patil have proved time and again.

rajeshsharma1049@gmail.com

#MIND & BODY

Handwriting activates broader brain networks than typing

As digital tools replace traditional handwriting in classrooms, concerns have arisen about how this shift might impact learning.

While keyboards dominate modern classrooms, a new study in *Frontiers in Psychology* suggests that handwriting may be irreplaceable when it comes to learning. Researchers found that writing by hand activates far more extensive and interconnected brain networks compared to typing, particularly in regions linked to memory and sensory processing. These findings provide new evidence that handwriting engages the brain in unique ways, raising concerns about the growing reliance on digital tools for education.

As digital tools replace traditional handwriting in classrooms, concerns have arisen about how this shift might impact learning. Typing on a keyboard is often preferred because it enables children to express themselves more quickly and with less physical strain. However, prior research has shown that handwriting is linked to better memory retention, letter recognition, and overall learning outcomes. The fine motor movements involved in handwriting seem to stimulate the brain differently than typing, but the exact neurological mechanisms behind this difference remained unclear.

To investigate, the researchers focused on brain connectivity, which describes how different brain regions work together to accomplish a task. By comparing brain activity during handwriting and typing, the team hoped to uncover whether the physical act of handwriting promotes more extensive brain communication patterns, patterns thought to support learning and memory formation.

"The brain research on handwriting is really a spin-off of our infant brain research in the NuLab, our Developmental Neuroscience laboratory at the Norwegian University of Science and Technology (NTNU), where we show that babies are born with a brain that is ready to learn from day one," said study author Audrey van der Meer, a professor of Neuropsychology.

For their new study, the researchers recruited 40 university students in their early twenties. To ensure consistency, only right-handed participants were included in the analysis, as determined by a standardized handedness assessment. After excluding participants whose data contained artifacts, the final

sample consisted of 36 individuals. Each participant completed two tasks, handwriting and typing. For the handwriting condition, participants used a digital pen to write visually presented words in cursive directly on a touchscreen. For the typing condition, participants typed the same words on a keyboard using only their right index finger. Participants wrote or typed each word repeatedly within a 25-second window while brain activity was recorded. To avoid visual distractions, the words did not appear on the screen during typing.

Brain electrical activity was measured using high-density electroencephalography (EEG), a method that captures rapid changes in brain activity using a net of sensors placed on the scalp. The researchers focused on connectivity, analyzing how strongly different brain regions communicated with each other while participants wrote or typed.

The results revealed striking differences in brain activity between handwriting and typing. Handwriting activated far more widespread and interconnected brain networks than typing, particularly in the theta (3.5-7.5 Hz) and alpha (8-12.5 Hz) frequency bands. These brain waves, particularly in the lower frequency range, are associated with memory formation, sensory processing, and attention.

The most significant connectivity patterns during handwriting emerged in central and parietal brain regions, which are involved in processing motor control, sensory input, and higher-order cognitive tasks. In contrast, typing produced far less synchronized activity across these areas, indicating that pressing keys involves far less integration of visual, motor, and sensory input than forming letters by hand.

The researchers proposed that handwriting's benefits arise from the spatio-temporal complexity of the task. Handwriting requires precise coordination of vision, motor commands, and sensory feedback as the brain continuously adjusts finger and hand movements to shape each letter. Typing, on the other hand, relies on repetitive keystrokes that provide minimal motor variation or feedback.

"In our handwriting research, it becomes clear that the brain works differently when writing by hand as opposed to when typing on a keyboard," van der Meer explained. "Precisely forming letters by hand requires fine motor skills and involves the body and senses to a much larger degree than typing on a keyboard does. As a result, handwriting involves most of the brain, requiring the brain to communicate fast and efficiently between its active parts."

"Our latest results show widespread brain connectivity for handwriting but not for typewriting, suggesting that the spatio-temporal pattern from visual and proprioceptive information, obtained through the precisely controlled hand movements when using a pen, contribute extensively to the brain's connectivity patterns that promote learning."

THE WALL

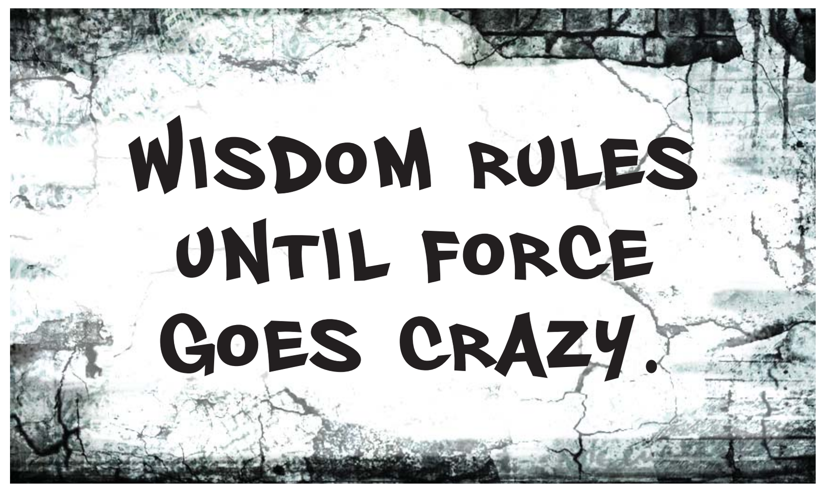

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

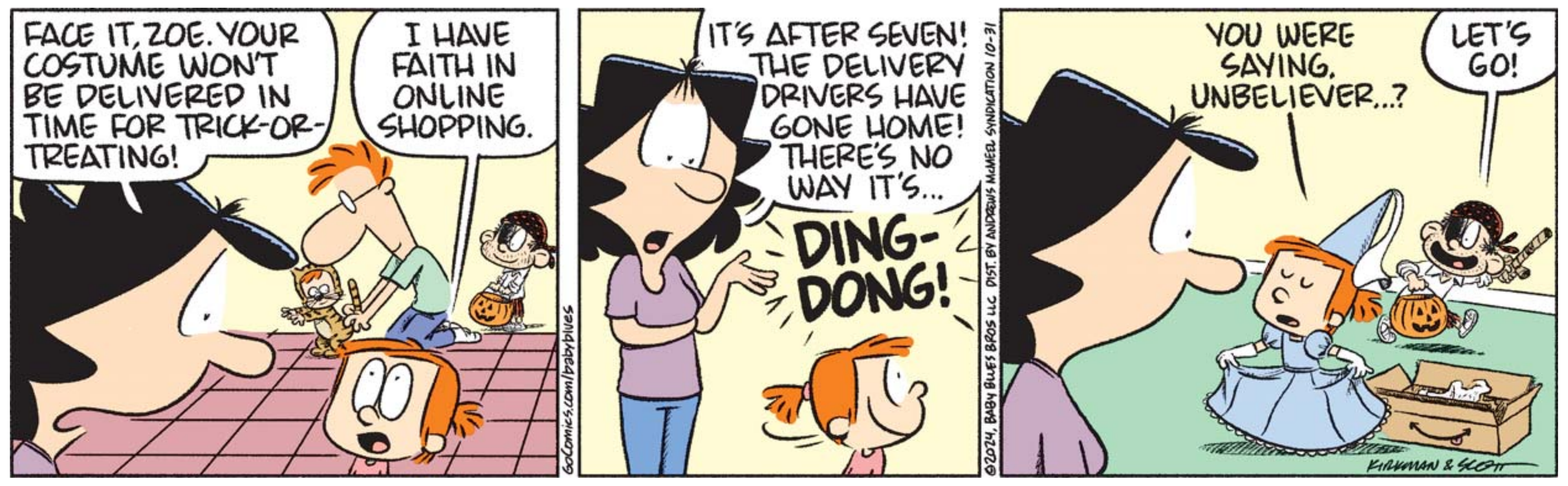

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

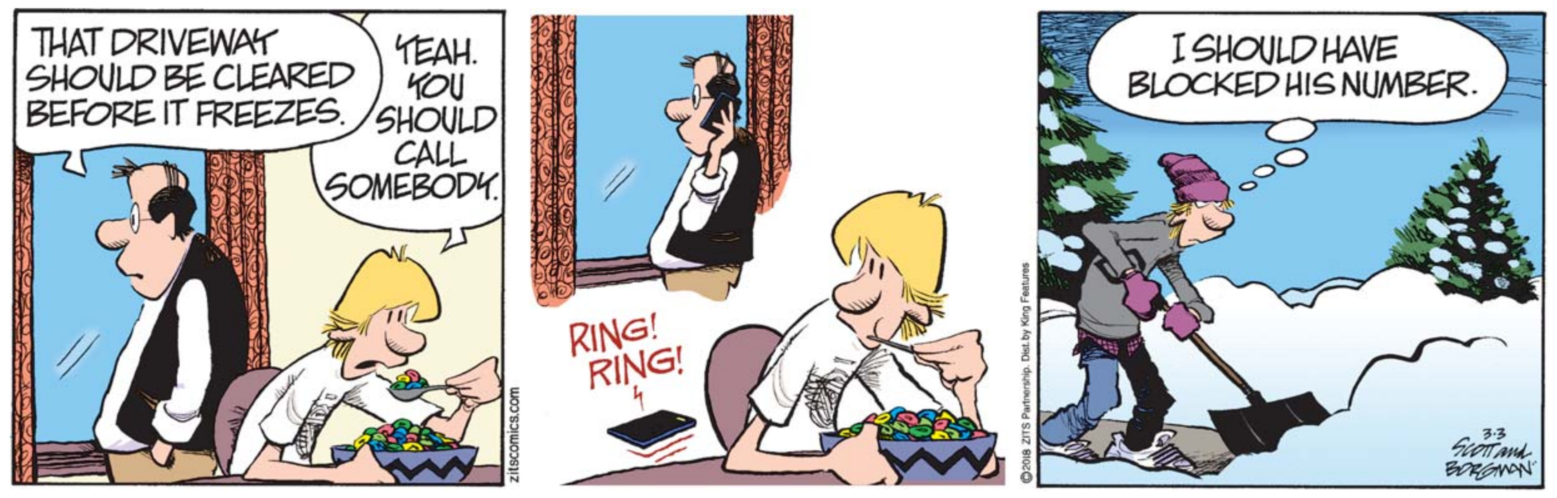

जन सेवा करना बड़े ही सौभाग्य की बात है : मुख्य सचिव पंत

एक बेहतर इंसान ही एक बेहतर अधिकारी या कर्मचारी हो सकता है : मुख्य सचिव पंत

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जैसलमेर कलेक्ट्रेट में अधिकारियों की बैठक ली।

■ मुख्य सचिव सुधांश पंत ने बाड़मेर तथा जैसलमेर जिलों में फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन और पब्लिक सर्विस डिलीवरी की समीक्षा की

जैसलमेर, (नि.सं.)। राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बाड़मेर तथा जैसलमेर जिलों में प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन और पब्लिक सर्विस डिलीवरी की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान पंत ने धरातल पर कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि सरकारी सेवा में कार्य करते हुए सभी कार्मिकों में गौरवपूर्ण भाव होने चाहिए तथा काम के उपरांत संतोष का अनुभव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक भाग्यशाली है कि उनका चयन विशेष प्रयोजन के लिए आमजन की सेवा हेतु परमात्मा ने किया है, इसलिए सरकारी तंत्र से जुड़े प्रत्येक कार्मिक को पूर्ण संवेदनशीलता के साथ आमजन के कामकाज करने चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बेहतर इंसान ही एक बेहतर अधिकारी या कर्मचारी हो सकता है।

पंत ने जैसलमेर में गत दिनों जीएसटी काउंसिल की बैठक के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि रिसर्जेंट राजस्थान के दौरान हुए सभी एमओयू को भी धरातल पर उतारने के लिए दोनों जिलों के जिला प्रशासन को तत्परता से कार्य करना होगा। इस मौके पर पंत ने कहा कि ई-फाइल सरकारी सिस्टम में क्रांतिकारी कदम है और इसका शत प्रतिशत उपयोग कर गुड गवर्नेंस की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सम्पर्क पोर्टल में दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निस्तारण कर परिवादियों को राहत दें। उन्होंने बताया कि प्रकरणों के निस्तारण में तत्परता के साथ ही संतुष्टि का प्रतिशत भी बढ़ाएं। उन्होंने पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की दोनों जिलों की विस्तार से समीक्षा की एवं निर्देश दिये कि 61 दिवस से 180 दिवस तक के प्रकरण बकाया है उनको निस्तारण कर शून्य की स्थिति में लावें। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को प्रतिदिन आधा घंटा राजस्थान संपर्क पोर्टल देने को कहा। इस मौके पर पंत ने निर्देश दिये कि दोनों जिलों की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति जिला कलेक्टर समय सीमा में करवाना सुनिश्चित करें एवं इस कार्य को सर्वोपरि प्राथमिकता से लें। उन्होंने भूमि आवंटन, प्रशासनिक स्वीकृति, वित्तीय स्वीकृति, निविदा आमंत्रण, कार्यादेश जारी करने आदि सभी की नियत टाइमलाइन के अनुसार मॉनिटरिंग करने को कहा।

मुख्य सचिव ने कहा कि हर हाल में अगले बजट से पूर्व इस बजट के कार्य पूर्ण कर लिए जाने चाहिए। मुख्य सचिव ने जल जीवन मिशन के सीमावर्ती जिलों में क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मिशन के अंतर्गत स्वीकृत सभी प्रोजेक्ट तय समय सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने मिशन कर्मयोगी, पीएम किसान योजना, पीएम सूर्यघर, टीबी मुक्त भारत, गोवरधन योजना, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान आदि की प्रगति की समीक्षा की। वहीं ड्रग तस्करी की रोकथाम, अवैध खनन ओर ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्यवाही और महिलाओं पर अत्याचार पर त्वरित कार्रवाई की भी समीक्षा की। इस दौरान बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने बाड़मेर जिले में तथा जैसलमेर कलेक्टर प्रताप सिंह ने जैसलमेर जिले में फ्लैगशिप योजना की प्रगति की जानकारी दी। वहीं बाड़मेर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बाड़मेर जिले में और जैसलमेर पुलिस सुधीर चौधरी ने जैसलमेर जिले में अपराधों की रोकथाम और पुलिस की निरोधात्मक कार्यवाही की जानकारी दी।

बैठक में जिला कलेक्टर बाड़मेर टीना डाबी, जिला कलेक्टर जैसलमेर प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक बाड़मेर नरेंद्र सिंह मीणा, पुलिस अधीक्षक जैसलमेर सुधीर चौधरी, उपवन संरक्षक बाड़मेर सवीता दहिया, उपवन संरक्षक जैसलमेर आशुतोष ओझा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बाड़मेर सिद्धार्थ पलानीचामी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जैसलमेर सुनीता चौधरी, अतिरिक्त कलेक्टर बाड़मेर राजेंद्र सिंह चंद्रावत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जैसलमेर पवन कुमार समेत सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सोने-चांदी की दुकान से जेवर चोरी

उदयपुर, (कासं)। सोने-चांदी की दुकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात, अन्य दस्तावेज और क्षेत्र से कई वाहनों को चोरी कर ले गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गोपाल सोनी पुत्र मदनलाल सोनी निवासी वार्ड नम्बर 19 फतहनगर ने रिपोर्ट दी कि वार्ड 19 में मदनलाल इन्द्रमल सोनी नाम से मेरी सोने-चाँदी की दुकान है। 28 दिसम्बर को सुबह 5.45 पर मैं दुकान खोलने गया तो मेरी दुकान के ताले टूटे हुए पाए। शटर भी आधा टूटकर खुला हुआ था। इस पर मैने पुलिस थाना फतहनगर को फोन कर सूचना दी। पुलिस के आने के बाद मैने अपनी दुकान अपना सामान देखा तो पूरी दुकान बिखरी हुई थी। मेरी दुकान से 40 ग्राम सोने का नया-पुराना सामान, भूरालाल नाम से फार्म 25 दिसम्बर 2024 सोने के दो मोती, कान के पुराने टाप्स पुराना, पुराना सोने का कटिंग कतरन, चाँदी के पायल व अन्य छुटकर चांदी पुरानी करीब एक किलो, सोने के बंधवा नावा करीब 400 नग, 50 हजार रूपए, रोकड़ी तथा अन्य सामान चोरी कर ले गए।

इसके साथ कार मुकेश अग्रवाल के नाम की दोनों चाबियां, एक स्कूटी की चाबी तथा मेरे द्वारा खरीदी गई एक मोटरसाइकिल विकास प्रजापत के नाम से व एक स्कूटी सुशील के नाम की के असल कागजात व त्रिकी खत भी चोरी हो गए है। इसी रात्रि में मेरे मकान व दुकान के पास नेहरू पार्क के पास रमेश बंसल के बड़े माताजी फूल कँवर बंसल के कमरे में भी चाँदी के चार गिलास व अन्य बर्तन चोर चोरी कर ले गए। मनोहर लाल बापना की बाइक व प्रशान्त चौहान की बाइक भी अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। मैने व आसपास के लोगों ने घटनास्थल के आसपास के कैमरे देखे तो 28 दिसम्बर समय सुबह तीन बजे चोर गली में आते-जाते नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट पर फतहनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नहर में डूबे युवक का शव मिला

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में शुक्रवार शाम को पैर फिसलने से नहर में डूबे युवक का शव शनिवार को घटनास्थल से आधा किलोमीटर दूर घास में फंसा हुआ मिला। नगर निगम की गौताखोर टीम ने रेस्क्यू कर शव को बाहर निकालकर शव पुलिस को सौंपा।

नगर निगम के गौताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि शुक्रवार शाम को नान्ता थाना क्षेत्र के बूंदी रोड़ पर बाई मुख्य नहर में एक युवक के डूबने की सूचना मिली। गौताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि बूंदी जिले के बांसी गांव निवासी महेन्द्र और उसका छोटा भाई लोकेश जो कोटा में रहकर मजदूरी करते हैं, शुक्रवार शाम को दोनों भाई हाथ-पैर धोने के लिये नहर पर रूके। उसी दौरान महेन्द्र का पैर फिसलने से महेन्द्र नहर में गिर गया जिसे डूबता देख उसे बचाने के लिये लोकेश भी उसके पीछे गया, पानी का बहाव अधिक होने से वहां मौजूद लोगों ने लोकेश को तो बचा लिया लेकिन महेन्द्र पानी में डूब गया। श्रृंगी ने बताया कि सूचना पर टीम लेकर मौके पर पहुंचे और शुक्रवार शाम से देर रात्रि तक नहर में युवक की तलाश की लेकिन अधिक अंधेरा होने व विजिबिलिटी कम होने से तलाशी अभियान को रोकना पड़ा। श्रृंगी ने बताया कि शनिवार सुबह से नहर में युवक की तलाश शुरू की गई और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पानी में डूबे युवक महेन्द्र (23) का शव घटना से आधा किलोमीटर दूर पानी में हो रही घास में फंसा मिला। युवक के शव को रेस्क्यू कर बाहर निकाला कर पुलिस को सौंप दिया गया।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त

बरोनी पुलिस ने स्मैक सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी मानवेन्द्रसिंह ने बताया कि बरोनी थाना व निवाई पीपलू थाना की विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए बरोनी थाने के बाहर नाकाबंदी के दौरान गोलू सैनी उर्फ लुडकी पुत्र लीलाराम सैनी निवासी भैरूजी के मंदिर के पास पहाड़ी चुंगी नाका निवाई को गिरफ्तार कर उससे 5.26 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। आरोपी से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिछोला में डूबा युवक, मौत

उदयपुर, (कासं)। पिछोला झील पर गाइडिंग करते हुए एक युवक की चक्कर आने से पिछोला में डूबने से मौत हो गई। देवेन्द्र सिंह (37) पुत्र राजेश्वरसिंह रावत निवासी जलाण भीम राजसमंद हाल नीमचखेड़ा यहां पिछोला किनारे गाईडिंग का काम करता था। शुक्रवार शाम को यह पिछोला की पाल पर खड़ा था और चक्कर आने से यह झील में गिर पड़ा। साथियों ने इसे तत्काल बाहर निकाला और एमबी चिकित्सालय लेकर गए, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुष्कर घाटी अजमेर रोवर मूट में सीकर के रोवर्स का प्रदर्शन

सीकर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में 26 दिसंबर से आयोजित राज्य स्तरीय रोवर मूट रेंजर मीट में सीकर जिले के रोवर्स ने शानदार प्रदर्शन किया।

रोवर्स ने आपदा प्रबंधन शिविर कला, क्विज प्रतियोगिता प्रदर्शनी साहसिक प्रदर्शन, फैशन शो, टैलेंट शो, भ्रमण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर शिविर संचालक सुयश लोढ़ा राज्य संगठन आयुक्त स्काउट राजस्थान एवं विनोद जोशी सहायक राज्य संगठन आयुक्त मंडल अजमेर, बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट सीकर ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान सीकर जिले से मोहनलाल सुखाड़िया रोवर लीडर मरुधर ओपन रोवर क्रू जिला मुख्यालय सीकर के नेतृत्व में मरुधर ओपन रोवर क्रू जिला मुख्यालय सीकर के सीनियर रोवर लखन बावरिया, नीतीश कुमार, हिमांशु जाखड़, बी आर अंबेडकर ओपन रोवर थोई के सीनियर रोवर रामप्रसाद भास्कर, कानाराम यादव, प्रताप ओपन रोवर के सीनियर रोवर मेंट सचिन शर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रोबोट द्वारा दिन-रात मेहनत कर तैयार सीकर की शिविर कला एवं प्रदर्शनी को देखने के लिए अजमेर संभाग ही नहीं राज्य के स्काउट गाइड पदाधिकारी एवं विशेष मेहमान सीकर के टेंट में पधारे और सीकर जिले के रोवर्स द्वारा तैयार शिविर कला को देखकर अभिभूत हुए।

ग्राम पंचायत कालरी का निरीक्षण

सादुलपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत कालरी के कार्यालय का पंचायत राज विभाग मंत्री के ओएसडी सुरेंद्र गोदारा ने औचक निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ सहायक को कारण बताओं नोटिस जारी किया है।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत कार्यालय पर ताला लगा हुआ मिला तथा कार्यालय परिसर में सफाई व्यवस्था बदहाल मिली। जिस पर निरीक्षण के बाद ओएसडी सुरेंद्र गोदारा ने पंचायत समिति के विकास अधिकारी शुभम शर्मा प्रशिक्षु आरएएस को दूरभाष पर निरीक्षण की जानकारी दी।

विकास अधिकारी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं इस सम्बन्ध में सरपंच प्रमिला पूनिया ने बताया कि शाम पांच बजे लगभग गांव के लोगों ने सूचना दी, जबकि उनको निरीक्षण के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गईं। ग्राम विकास अधिकारी कनिष्ठ सहायक मौके पर पहुंच गए थे। उससे पहले अधिकारी चले गए थे। ग्राम पंचायत में मात्र दो कार्मिक उनके पास है, सफाई कार्मिक भी नहीं है तथा शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

अवैध डोडा-पोस्त सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने डोडा-पोस्त परिवहन करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। वृताधिकारी मालपुरा के निर्देशन में पचेवर थानाधिकारी हीरालाल व डीएसटी टीम की संयुक्त कार्रवाई में 10.610 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त परिवहन करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुदु-मालपुरा स्टेट हाईवे से ग्राम हीराल गांव वाले कच्चे रास्ते पर दो व्यक्तियों को मोटरसाइकिल से जाते देखा गया, जिन्हें डिटेन कर पूछताछ करने पर उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त जप्त किया गया। आरोपी राजू पुत्र जगनाथ गुर्जर निवासी ग्राम थड़ी थाना पचेवर व गणेश पुत्र छितर गुर्जर निवासी ग्राम पचेवर थाना पचेवर गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल जप्त की गई है। एनडीपीएस एक्ट के अधिन दोनों को गिरफ्तार कर अनुसंधान जारी है।

बेकरिया हादसा : एक जने की और मौत

हादसे में मृतकों की संख्या छह हुई

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-पिण्डवाडा हाईवे पर शुक्रवार को हुए हादसे में एक ओर की मौत हो गई है। मरने वालों की संख्या अब 6 हो गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर-पिण्डवाड़ा हाइवे पर शुक्रवार को मालवा का चौरा पुलिया के पास सालेरिया गांव से हाइवे पर आने के लिए बने कट से सवारियों से भरा एक ऑटो निकल रहा था कि पीछे से तेज रफ्तार ट्रेलर ने ऑटो को चपेट में ले लिया।

ऑटो में 14 सवारियां थी। जिसमें से पांच की मौत हो गई और नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया था, जहां पर उपचार के दौरान एक बच्चे सुरेश (11) पुत्र मंशाराम गरासिया निवासी सालरिया बेकरिया की भी मौत हो गई। सूचना पर बेकरिया पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजना के सुपुर्द कर दिया। इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या छह हो गई है।

आग से लाखों का नुकसान

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में आग से गरीब परिवार के झोपड़े में आग लग गई। रामेश्वर लाल मेघवाल जो अपने परिवार के साथ खेत में रहता था शुक्रवार देर शाम को अचानक खेत के झोपड़े में आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। रामेश्वर ने बताया कि10 हजार रुपए नगद राशि, इसके अलावा खाने पीने का करीबन पूरा सामान इसके अलावा तीन क्विंटल अनाज, पहनने के लिए कपड़े झोपड़ा आदि जलकर राख हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नगर पालिका के उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश पिंटाला मौके पर पहुंचे एवं मौका मुआयना करके राजलदेसर पुलिस थाने में सूचना दी। रामेश्वर एवं उसकी पत्नी ने बताया हमारे पास जो था वह सारा का सारा जलकर नष्ट हो गया।

ट्रेलर की टक्कर से युवती की मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-पिण्डवाड़ा हाइवे पर एक ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और इस ट्रेलर ने आगे चल रही एक बाइक को चपेट में लेते हुए हाइवे के किनारे खड़े टैंपो ट्रेवलर को चपेट में ले लिया, जिससे ट्रेवलर में सवार एक युवती की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर-पिण्डवाड़ा हाइवे पर आक्याखेड के पास खोखरिया नाल के पास में उदयपुर से पिण्डवाड़ा की ओर जा रहा एक ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और आगे चल रही एक बाइक को चपेट में ले लिया, जिससे बाइक सवार दो युवक हाइवे के किनारे गिर पड़े और ट्रेलर ने आगे हाइवे के किनारे खड़े एक टैंपो ट्रेवलर को चपेट में ले लिया और करीब 400 मीटर तक घसीटते हुए जाकर रूके।

इससे ट्रेवलर में सवार बांदीकुई दौसा निवासी प्रांजल (17) पुत्री राकेश कुमार रावत निवासी मानगंज दौसा की मौत हो गई और ट्रेवलर में सवार सुनीता पत्नी राकेश, अंकुर पुत्र भगवानलाल, दिलीप पुत्र सतीश जालानी और अनिता पत्नी अंकुर, ओजस पुत्र अंकुर निवासी बांदीकुई दौसा घायल हो गए, जिन्हें तत्काल स्थानीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां से उदयपुर रैफर कर दिया, जिन्हें एक निजी चिकित्सालय भर्ती करवाया गया। पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

■ पकड़े गये आरोपी से मामले में अनुसंधान किया जा रहा है

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना पुलिस टीम ने अवैध शराब के 60 पव्वों सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।

नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि पुलिस को गश्त के दौरान पीपली चौराहे पर मुखबीर से सूचना मिली कि पार्श्वनाथ अपार्टमेंट के सामने पत्थर के स्टॉक पर एक व्यक्ति अवैध शराब बेच रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना पर थाने के सहायक उपनिरिक्षक दुर्गालाल मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और संदिग्ध व्यक्ति को डिटेन कर तलाशी ली तो उसके पास मिले प्लास्टिक के कट्टे के अंदर 60 पव्वे अवैध देशी शराब के मिले।

थानाधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मौके पर मिले अवैध देशी शराब के पव्वों को जप्त करते हुए गुर्जरों का मोहल्ला नान्ता निवासी शिवराज गुर्जर (48) को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

पांच लाख के मादक पदार्थ के साथ तीन गिरफ्तार

इलेक्ट्रॉनिक कांटा व स्कूटी जब्त

■ मामले में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी

उदयपुर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुर योगेश गोयल द्वारा अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत जिला स्पेशल टीम ने थाना सविना व थाना बड़गांव टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुये करीब 53 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. जब्त कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पहली कार्रवाई थाना बड़गांव में की गई जहां एसपी शहर उमेश ओझा व उप अधीक्षक वृत्त नगर पश्चिम कैलाशचन्द्र के सुपरविजन में श्यामसिंह रत्नु पुलिस निरीक्षक (प्रभारी डी.एस.टी.) व पूरण सिंह थानाधिकारी, बड़गांव मय टीम द्वारा आसूचना के आधार पर बड़ी क्षेत्र में अभियुक्त मोहम्मद सहिद पिता मोहम्मद रफीक मंसुरी निवासी महावतवाडी मस्जिद के पास थाना घण्टाघर जिला उदयपुर एवं जहीर मोहम्मद पिता अली मोहम्मद निवासी अलीपुरा थाना भूपालपुरा जिला उदयपुर के कब्जे से 11.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. जब्त कर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों द्वारा उक्त एम.डी.एम.ए. मोहम्मद शाहरूख उर्फ साहिल ढुंगा पिता मोहम्मद युनुस निवासी वर्मा कॉलोनी, सविना, उदयपुर से खरीदकर लाना बताया गया।

दूसरी कार्रवाई सवीना थाना इलाके में की गई जहां एसपी शहर उमेश ओझा व उप अधीक्षक पुलिस उप अधीक्षक वृत्त नगर पूर्व छगन पुरोहित के सुपरविजन में श्यामसिंह रत्नु पुलिस निरीक्षक (प्रभारी डी.एस.टी.) व अजय सिंह राव थानाधिकारी, सविना मय टीम ने अभियुक्त मोहम्मद शाहरूख उर्फ साहिल ढुंगा पिता मोहम्मद युनुस निवासी वर्मा कॉलोनी थाना सविना जिला उदयपुर के कब्जे से 41.03 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. व मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. बेचने में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक कांटा व परिवहन करने में प्रयुक्त स्कूटी को जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त ने बड़गांव प्रकरण में गिरफ्तशुदा अभियुक्तों को अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. बेचना स्वीकार किया। मामले में प्रकरण दर्ज किया जाकर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

मंड्रेला के नवजोत सिंह को विदेशी कंपनी में मिला लाखों का पैकेज

आईआईएम लखनऊ में प्लेसमेंट के दौरान नवजोत सिंह शेखावत का चयन

मंड्रेला, (निसं)। झुंझुनूं जिले के मंड्रेला कस्बे के नवजोत सिंह शेखावत (मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने विश्व की सबसे बड़ी ऑफिस फर्नीचर डिजाइन सोल्यूशन कंपनी में से एक (रॉकवर्थ इंटरनेशनल,थाईलैंड) में चयनित होकर बड़ा मुकाम हासिल किया है।

जानकारी के अनुसार नवजोत के पिता अरविंद सिंह शेखावत प्रॉपर्टी डीलिंग और खेतीबाड़ी का कार्य करते है व माता प्रकाश कंवर गृहणी है। नवजोत ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के एक निजी विद्यालय से प्राप्त की इसके बाद व बीकॉम करने के लिए अमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा चले गए, जहां से बीकॉम की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने शिक्षक की नौकरी की और जॉब के साथ-साथ कैट परीक्षा की तैयारी शुरू की और वर्ष 2022 में नवजोत को कैट परीक्षा में सफलता प्राप्त हुई और उनका चयन आईआईएम लखनऊ में हुआ। जहां से उन्होंने सस्टेनेबल मैनेजमेंट में शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद कैंपस प्लेसमेंट में उन्हें थाईलैंड बेस कंपनी द्वारा 24 लाख का पैकेज ऑफर हुआ। महज 26 साल की उम्र में नवजोत ने विदेश तक झुंझुनूं जिले और अपने गांव की पहचान कराई है।

नवजोत की इस सफलता पर ग्राम पंचायत सरपंच कुलदीप सिंह शेखावत, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, पूर्व पंसस विनोद सिंह निर्वाण, अग्रवाल समाज समिति अध्यक्ष सुशील रूंगटा, पंसस नफीस मंडेलिया, ब्राह्मण समाज महिला अध्यक्ष सविता शर्मा, श्री बाल राम श्रेणी रामलीला संस्थापक शंकरशरण पोलीवाल, एडवोकेट ईशान मिश्रा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों ने बधाई प्रेषित की।

बातचीत में नवजोत सिंह शेखावत ने बताया कि मैंने हमेशा अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत की। मेरे माता-पिता ने हमेशा मुझे प्रोत्साहित किया और आज मैं उन्हें गर्व महसूस कराना चाहता हूं। नवजोत ने कहा अगर मन में दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी बाधा हमें हमारे लक्ष्यों तक पहुंचने से नहीं रोक सकती। गांव के अन्य युवाओं के लिए नवजोत एक प्रेरणा बन गए हैं। उन्होंने गांव के बच्चों को शिक्षा के महत्व और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मेहनत करने की सलाह दी।

ग्राम पंचायत सरपंच कुलदीप सिंह शेखावत ने नवजोत के उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा गांव के इस बेटे की कहानी हमें यह सिखाती है कि मेहनत और लगन से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। अरविंद सिंह शेखावत, नवजोत के पिता ने बताया कि नवजोत का चयन विश्व की सबसे बड़ी ऑफिस फर्नीचर डिजाइन सोल्यूशन कंपनी में से एक (रॉकवर्थ इंटरनेशनल, थाईलैंड) में चयनित होने के बाद से घर में सब लोग खुश हैं। मेरे बेटे को कंपनी द्वारा जॉब के लिए 24 लाख रुपए सालाना पैकेज मिलेगा। बेटा अभी आईआईएम लखनऊ से एमबीए कर रहा है, उस कॉलेज में प्लेसमेंट के दौरान ही उसका चयन हुआ है। बचपन से पढ़ाई में तेज स्टूडेंट था, कुछ नया करने की चाह रखता था।

संक्षिप्त

कार्यशाला आयोजित

कोटपूतली। स्थानीय राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविधालय में शनिवार को राजनीति विज्ञान विषय की राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर की लिखित परीक्षा में सफल प्रतिभागियों के लिये चार दिवसीय साक्षात्कार कार्यशाला और मॉक इंटरव्यू के संचालन के तीसरे दिन साक्षात्कार को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य वक्ता डॉ. सर्वेश यादव व डॉ. विमल यादव ने विषय की बारिकियों को बताया। डॉ. जगराम गुर्जर ने साक्षात्कार को लेकर जरूरी सावधानियों को बताते हुये साक्षात्कार में सफलता के सूत्र बतायें। प्राचार्य डॉ. आर के सिंह के मार्गदर्शन में मॉक इंटरव्यू के लिये चार बोर्ड बनाए गये। बोर्ड विशेषज्ञ डॉ. पी. सी. जाट, डॉ. आर. के. सिंह, डॉ. विमल यादव, डॉ. सर्वेश यादव, डॉ. जगराम गुर्जर ने बोर्ड की अध्यक्षता की। बोर्ड में घनश्याम गुर्जर, डॉ. हुकम चंद गुर्जर, देशराज यादव, डॉ. मधु ने सामान्य विशेषज्ञ के रूप में भूमिका का निर्वहन किया। कार्यशाला के आयोजन सचिव घनश्याम गुर्जर ने बताया कि 02 से 05 जनवरी तक कार्यशाला आयोजित होगी। जिसमें राजस्थान व बाहर के राजनीति विज्ञान विषय के लगभग 50 सफल अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

पौषबड़ा वितरण का आयोजन

निवाई। बालाजी भक्त परिवार के तत्वावधान में शहर के गंगा जमुना गार्डन के सामने बान्दरे वाले बालाजी एवं कम्पिश्वर महादेव मंदिर में भजन संकीर्तन के साथ पोष बड़ा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों भक्तों को पोषबड़ा की प्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम संयोजक केदार जायसवाल एवं जसवंत जायसवाल ने बताया कि पोषबड़ा एवं संकीर्तन कार्यक्रम का शुभारंभ अक्षय जायसवाल, रोहित शर्मा, सन्तोष जायसवाल एवं राजेन्द्र बोंली ने बालाजी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत गायक उदय शंकर महावर ने महाराज गणपति म्हारी सभा में आज आवला गणेश वन्दना से की। गायक विमल जौंला एवं विमल सोगानी ने थारी चाकरी में चूक कोनी राखो म्हारा बालाजी, गायक नन्दकिशोर पेन्टर ने खेड़ा का बालाजी म्हारे निवाई को ध्यान राखल्यो, छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना, गायक नारायण ने जिस घर में हनुमत प्यारे की तस्वीर सजाई जाती है, गायक शिवचरण महावर ने दुनिया में देव हजारों है मेरे बालाजी का क्या कहना सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिसमे महिलाओं ने भक्ति नृत्य किये।

10 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग की पूरी

श्रीमाधोपुर। केंद्र सरकार द्वारा संचालित रोजगारन्मुखी योजना के तहत पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर में अध्यनरत कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं को सूचना प्रौद्योगिकी और ब्यूटी एंड वैलनेस के विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत 10 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग शीतकालीन अवकाश 25 दिसंबर से 3 जनवरी तक आयोजित की गई।

सरकार खेल व खिलाडियों को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित : भूपेंद्र यादव

अलवर राज ऋषि मैदान पर टीमों के बीच सिक्का उछाल टॉस कर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव।

- अलवर सांसद खेल उत्सव के तहत भाग ले रही टीम खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करने मैदान पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित नेता अधिकारी

अलवर। संसदीय क्षेत्र अलवर के दौरे पर आए वन पर्यावरण एवं जलवायु केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव दूसरे दिन शनिवार को अलवर सांसद खेल उत्सव के तहत अलवर के राजऋषि महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित फाइनल मैच, चिकानी स्थित एलआईटी कॉलेज में आयोजित सेमीफाइनल मैच एवं रामगढ में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच की टॉस कर शुरुआत की। इस दौरान मंत्री भूपेंद्र यादव व जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय लेते हुए उनका हौसला अफजाई करते टीमों के बीच हुए मुकाबलों को देखा और उत्साह वर्धन किया।

इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, रामगढ विधायक सुखवंत सिंह, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, पूर्व मंत्री हेमसिंह भडाना, पूर्व विधायक बनवारी सिंघल, पूर्व विधायक जयराम जाटव, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, प्रधान दौलतराम जाटव, वीरमती, पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर, संजय नरूका, गोवर्धन सिंह सिसोदिया, इन्द्र यादव,रमन गुलाटी, इन्द्रजीत सिंह पाटा, देशराज खरेरा, जितेन्द्र गोयल, प्रेम पटेल, राजेन्द्र कसाणा, सीताराम चौधरी, अमित गोयल, हरिओम कटारा, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, हरिशंकर खण्डेलवाल, हरिश अरोडा, राजेन्द्र सैनी, सुमन चौधरी, जितेन्द्र शर्मा, सहदेव सिंह, डॉ. अशोक पाठक, निखिल चाचान, डॉ. राजेश भारद्वाज, सरिता राज, सुदेश खाम्बरा सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

केंद्र व राज्य सरकार खेल व खिलाडियों को आगे बढाने के लिए निरन्तर सकारात्मक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खेलों इंडिया अभियान से देश में खेलों के प्रति एक सकारात्मक माहौल बना है। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केंद्र व राज्य सरकार की बेहतरीन नीतियों से खिलाडियों को अच्छा प्लेटफार्म मिल रहे हैं जिससे खेल में केरियर बनाने के भी शानदार अवसर युवाओं को उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कडी में सांसद खेल उत्सव का आयोजन किया गया है ताकि बच्चों में खेल के प्रति रुचि बढ़े और उनका विकास हो सके तथा जिले में खेलों के प्रति एक माहौल तैयार हो सके। युवा डिजीटल दुनिया के साथ मैदान पर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अलवर सांसद खेल उत्सव का अगला चरण शीघ्र ही प्रारम्भ होगा जिसमें खो-खो, कबड्डी, बास्केटबॉल जैसे अनेक खेलों की प्रतियोगिता अलवर संसदीय क्षेत्र में होगी। उन्होंने कहा कि क्रिकेट प्रतियोगिता में करीब साढे तीन सौ टीमें भाग ले रही है जिसमें करीब 40 टीमें बेटियों की भी है।

'मनुष्य जीवन दान धर्म के लिए सर्वोत्तम प्रयाय है'

निवाई। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में चोरासी लाख भ्रमण निवारण मण्डल विधान का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मण्डप पर श्रीफल अघ्र्य समर्पित किए। विज्ञा तीर्थ के कार्याध्यक्ष महावीरप्रसाद पराणा एवं चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष सुनील भाणजा ने बताया कि विधान का शुभारंभ भगवान शांतिनाथजी के अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रकाशचन्द छाबड़ा जयपुर वालों को मिला। इसके बाद श्रीजी के समक्ष श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर विधान की शुरुआत की। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि विधानाचार्य पण्डित विमल बनेठा के निर्देशन में विधान पर पांच मंगल कलश की स्थापना कर नव देवता पूजा, देव शास्त्र, गुरु पूजन, गणाचार्य विराग सागर महाराज पूजा, आर्यिका विज्ञाश्री माताजी पूजा के चोरासी लाख भ्रमण निवारण मण्डल विधान की पूजा अर्चना गाजे बाजे से की गई जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने 84 श्रीफल चढाकर पूजा अनुष्ठान में भक्ति नृत्य किया। विज्ञा तीर्थ गुन्सी कमेटी अध्यक्ष सन्मति चंवरिया ने बताया कि विधान के उपरांत अनुष्ठान के पुण्यार्जक परिवार प्रकाशछाबड़ा जयपुर का महावीरप्रसाद पराणा, सन्मति चंवरिया, मनोज पाटनी, सुनील भाणजा, राजेश बनेठा व विमल पाटनी सहित कमेटी द्वारा राजस्थानी परम्परा अनुसार स्वागत किया। विधान में विज्ञाश्री माताजी ने कहा कि मनुष्य जीवन दान धर्म के लिए सर्वोत्तम पर्याय है। क्योंकि अन्य किसी भी पर्याय में दान नहीं दिया जा सकता।

आम सूचना Date- 04/01/ 2025

सर्वसाधारण को मेरे अभिभाष्य श्री अशोक कुमार सोनी पुत्र स्व. श्री हरिराम सोनी, निवासी- 129, बसन्त बहार कॉलोनी, गोपालपुरा मोड़, जयपुर की ओर से सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र पुरुषोत्तम सोनी मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है तथा मनमर्जी करता है जिस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र पुरुषोत्तम सोनी से सभी प्रकार के सामाजिक, आर्थिक सम्बन्ध समाप्त कर उसको अपनी जाति जिन्दगी, जायदाद एवं समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति मेरे अभिभाष्य के पुत्र पुरुषोत्तम सोनी से किसी प्रकार का कोई लेनदेन, व्यापार, संव्यवहार आदि करता है तो इसकी जिम्मेदारी स्वयं उसकी होगी, मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।

(दीपक कुमार बबलानी) एडवोकेट

3/373, Malviya Nagar, JAIPUR Mo-9529143322, 9649722224

नाम परिवर्तन

I have changed my name from Sajay Jaisingh Kachhwaha to Sajay Jai Singh. In the future, I shoud be known by the name Sajay Jai Singh only. add.: HD 202, HIG Block, Pratap Apartment, Pratap nagar, Sanganer Jaipur, rajasthan-Mob. 8780687469

नाम परिवर्तन

मै रेखा देवी पत्नी नम्बर 15209198 एफ हवलदार (ड्राइवर स्पेशल) अनिल कुमार सिंह, यूनिट 199 मिडियम रेजिमेन्ट। मेरे पति के सैन्य दस्तावेजों में मेरा नाम "रेखा" है जो कि गलत है। मेरा वास्तविक नाम रेखा देवी है।

विवाह उपरान्त मेने अपना नाम कु. वन्दना गुप्ता से बदलकर अलका गुप्ता पत्नी राज कुमार गुप्ता रख लिया है भविष्य में मुझे अलका गुप्ता के नाम से जाना जाये 26 आदर्श कृष्णा नगर, करतारपुरा फाटक, जयपुर

मैने अपना नाम हेमेंद्र सिंह सिसोदिया पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह सिसोदिया (निवासी 24, हीरानगर, डीसीएम, अजमेर रोड, जयपुर) से बदलकर हेमेंद्र सिसोदिया रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें

अभिभाषक संघ की नवीन कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

- शपथ ग्रहण समारोह राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति गणेशराम मीणा के मुख्य आतिथ्य मे आयोजित किया

मालपुरा, (निस)। अभिभाषक संघ मालपुरा की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति गणेशराम मीणा के मुख्य आतिथ्य मे आयोजित किया गया। नवीन कोर्ट परिसर मे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह मे पहुंचे न्यायाधिपति गणेशराम मीणा ने कहा कि बार व बैंच न्यायपालिका का अभिन्न अंग है। दोनो के बीच मधुर सम्बन्धो से पिडित को सुगम व निष्पक्ष न्याय मिलने का मार्ग प्रस्त होता है।

संविधान मे बनाये गये कानून की पालना व उसकी मर्यादा का पालन करना बार का प्रथम कर्तव्य है। न्यायाधिपति ने शपथ ग्रहण समारोह मे मौजूद अधिवक्ताओं से कहा कि आमजन का न्यायपालिका के प्रति जो विश्वास बना हुआ है उसे बनाये रखना अधिवक्ता का पहला धर्म है। न्यायाधिपति ने नवीन बार अध्यक्ष राजेन्द्र राजपुरोहित,उपाध्यक्ष भगवान सिंह गुर्जर, सचिव विरेन्द्र शर्मा, पुस्तकालय सचिव अशोक कुमार साहु, कोषाध्यक्ष नवरतन जाट को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह मे कमल कुमार सैनी मुख्य न्यायधीश, एडीजे कृष्ण मुरारी जिन्दल, एसीजेएम रेश्मा जानवानी, एमजेएम धर्मेन्द्र शर्मा सहित मालपुरा बार के लगातार 13 बार अध्यक्ष रहे एडवोकेट रवि कुमार जैन मंचाशील अतिथि रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता परशुराम चौधरी ने नवीन न्यायालय परिसर मे दिन-प्रतिदिन बढती अधिवक्ताओं की संख्या को मध्य नजर रखते हुये अधिवक्ताओं के लिये नवीन बैठक हाल निर्माण करवाने व राज्य सरकार से मालपुरा को जिला घोषित करवाना मालपुरा क्षैत्रवासियो को उनका खोया वैभव लौटने का आग्रह किया।

113 यूनिट ब्लड डोनेट

मनोहरपुर । पठान सामाजिक विकास संस्थान चितौड़गढ़ के अध्यक्ष तनवीर खान एडवोकेट ने बताया की ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती रहमतुल्लाह अलेह के 813 उर्स के मुबारक मौके पर एक ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया जिसने 113 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया इस दौरान काजी ए शहर अब्दुल मुस्तफा साहब,मौलाना अब्दुल रशीद साहब, मौलाना खलील साहब,मौलाना आबिद साहब,मौलाना हाफिज रईस अहमद साहब ने बारगाह ए गरीब नवाज में दुआ करी और ब्लड डोनेशन कैंप में शिरकत की।

कार्यक्रम के विशिठ अतिथि समाजसेवी पवन जी शर्मा का सरपरस्त अब्दुल हमीद ने साफा बांधकर एवम सिद्दिक खान पठान ने माला पहनाकर स्वागत किया, साथ ही चितौड़गढ़ में निशुल्क निकाह सम्मेलन करने वाले ताहिर हुसैन सिलावट उर्फ सोनू ठेकेदार को जुल्फकार साहब छिपा ने साफा और माला पहनाकर, अंजुमन सेक्रेटी फैज मुहम्मद शेख साहब को सरपरस्त मुर्तुजा खान ने साफा बांधा एवम सरपरस्त मुहम्मद शरीफ खान पठान ने माला पहनाकर इस्तकबाल किया ।

सांभर के स्वतंत्रता सेनानी का आंदोलन में रहा खास योगदान

- स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय बनवारी लाल शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए

सांभरझील, (निसं)। सांभर की खास शख्सियत में शुमार रहे स्वतंत्रता सेनानी बनवारी लाल शर्मा की पुण्यतिथि पर उनके दिए गए योगदान के बारे में आज की युवा पीढ़ी को बताया। उनके चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। वर्ष 1908 में जन्मे बनवारी लाल ने आजादी के आंदोलन के दौरान ब्रिटिश काल के शासको का सामना किया, मानसिक पीड़ा को झेला और शारीरिक कष्ट की परवाह न करते हुए अपने मिशन को लेकर चलते रहे। कांग्रेस के बीस से अधिक अधिवेशनों में हिस्सा लिया था। 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में ब्रिटिश सरकार से बचकर वे मेहर के जंगलों में रहे और वहां से आंदोलनकारियों को सहयोग करते थे।

आजादी बाद जयपुर में कांग्रेस का पहले अधिवेशन का हिस्सा बने। प्रबंधन का बड़ा जिम्मा उन्हीं के पास था। तत्कालीन अध्यक्ष डॉ पट्टाभि सीतारमैया के वे बहुत नजदीक माने जाते थे। डॉ राजेन्द्र प्रसाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू, पुरूषोत्तम दास टंडन, मदन मोहन मालवीय, सी. राजगोपालाचार्य आदि से उनकी नजदीकियां थी।

जब पहली राज्यसभा बनी तो डा पट्टाभि सीतारमैया ने उन्हें कांग्रेस टिकट आफर किया था, लेकिन यह कहकर मना कर दिया कि मैं सिर्फ आठवीं तक पढ़ा हूं, राज्यसभा तो उच्च शिक्षितजनों का सदन है। आजादी बाद सांभर की बाग स्कूल (वर्तमान दरबार हाई स्कूल) को दसवीं से ग्यारहवीं तक क्रमोन्नत करवाया था। पूर्व मुख्यमंत्री मोहन लाल सुखाडिया को सांभर में कालेज खोलने के लिए उन्होंने ही तैयार किया था। वे शुद्ध गांधीवादी थे, खद्दर पहनते थे और चरखा भी चलाते थे। भारतीय संविधान में वर्णित फंडामेंटल राइट्स के प्रणेता तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी उनके निजी मित्र थे और सेठ बख्तावर लाल टांक के खिलाफ दायर एक चुनाव याचिका में जवाब देने के लिए बतौर वकील जयपुर लाये थे। इसी तरह 1952 में जब जयनारायण व्यास जोधपुर से विधानसभा चुनाव हार गए थे, लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरू की पसंद होने के कारण मुख्यमंत्री बनाये गये थे तो उपचुनाव के जरिए जीतना जरूरी था। किशनगढ़ उपचुनाव उन्होंने लड़ा था, प्रारंभिक दौर में जयनारायण व्यास पिछड़ रहे थे, तब डाक्टर पट्टाभि सीतारमैया के निर्देश पर दादाजी ने जाकर किशनगढ़ उपचुनाव का काम संभाला और जयनारायण व्यास को जितवा कर लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वे कर्मठ व्यक्तित्व के धनी थे और सादगी इतनी कि स्वाधीनता सेनानी होने के बाद भी न कभी पेंशन के लिए कोशिश की और न किसी सम्मान की।

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 02/2024

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम मनिता शर्मा पुत्री स्व.प्रहलाद कृष्ण शर्मा जाति ब्राह्मण

विवाद स्थान जयपुर

मृतक महाश्वेता शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 12.02.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम महाश्वेता शर्मा पत्नी स्व.एस.मोहन शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी प्लाट नं.94/173, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 02 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 18 माह 12 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-रीडर
एडमिनिस्ट्रेटर जनरल
राजस्थान जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 8/2024 उत्तराधिकार

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम गोविन्द मीणा पुत्र राम सिंह मीणा जाति मीणा

विवाद स्थान 23-79 स्वर्ण पथ, मानसरोवर जयपुर 302020

मृतक राम सिंह मीणा की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 22.01.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम राम सिंह मीणा पुत्र कासी राम मीणा जाति मीणा निवासी 23-79 स्वर्ण पथ, मानसरोवर जयपुर 302020 का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 22 माह 1 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 23 माह 12 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम
न्यायालय सांगानेर

'उपभोक्ता को वस्तु की गुणवत्ता जांच कर ही खरीदना चाहिए'

अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया।

फुलेरा। कस्बे के गणगौरी बाजार स्थित रामद्वारा भवन परिसर में शुक्रवार को दोपहर 3 बजे एक कार्यक्रम शिक्षाविद् शक्ति सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जबकि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में कंज्यूमर्स एक्शन एण्ड प्रोटेक्शन सोसाइटी के अध्यक्ष विजेन्द्र प्रकाश हलचल रहे।

वहीं अतिथि के रूप में पत्रकार विनोद यादव, हरीश शर्मा रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में राम दरबार के माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात आगंतुक अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इसके बाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता कंज्यूमर्स एक्शन एण्ड प्रोटेक्शन सोसाइटी के अध्यक्ष एवं भारतीय मानक ब्यूरो के रिसोर्स पर्सन विजेन्द्र प्रकाश हलचल ने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण के लिए भारतीय मानक ब्यूरो बेहतर ढंग से कार्य कर रहा है और मानक का उपयोग करके उपभोक्ता अपने जीवन को सुगम और सरल बना सकता है। इसके लिए उपभोक्ता को मानक चिह्न देखकर एवं बीआईएस केयर एप के जरिए वस्तु की गुणवत्ता जांच परख कर खरीदारी करनी चाहिए। वहीं आगे बताया कि यदि कहीं किसी वस्तु एवं सेवा में दोष दिखाई पड़े, तो उसकी शिकायत अपने मोबाइल के जरिए ही उक्त केयर एप पर करनी चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि देश के अन्दर निरन्तर मानक चिह्नों में बढ़ोतरी की जा रही है। ताकि उपभोक्ता को गुणवत्ता युक्त वस्तु एवं सेवा मिले। इसके लिए निरन्तर नई-नई तकनीकी का प्रयोग करते हुए अनुसन्धान एवं कार्य किया रहा है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि हर मानक उपभोक्ता के लिए बनाया जाता है। यदि उपभोक्ता मानक के बारे में आवश्यक जानकारी खरीदारी करने से पहले कर ले तो उसे कभी कोई शिकायत ही नहीं हो सकती।

खुले कुंए दे रहे हैं हादसों को न्योता

पावटा। जिले में बोरवेल में गिरी तीन साल की चेतना की मौत के बाद भी प्रशासन ने सबक नहीं लिया है। जिले के पावटा क्षेत्र में खुले बोरवेल आज भी हादसों को न्योता दे रहे हैं। प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद क्षेत्र में अब भी खुले कुए हैं। इस मामले में तह सील दार संजय खेदड़ ने कहा कि जल्द ही कर्मचारियों को मौके पर भेजकर जांच करवाई जाएगी।उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जो भी सुरक्षा उपाय किए जा सकते हैं, वे सब प्राथमिकता से किए जाएंगे। क्षेत्र में बिना किसी सुरक्षा के कुओं को खुला छोड़ रखा है। अब ये खुले कुए न केवल जानवरों के लिए, बल्कि बच्चों और अन्य स्थानीय निवासियों के लिए भी खतरनाक साबित हो रहे हैं। खुले कुओं के चारों ओर उचित चेतावनी संकेत भी नहीं है। लोगों ने स्थानीय प्रशासन से इस समस्या का समाधान करने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की कि खुले बोरवेलों व कुओं को ढंकवाने को लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

नाली नहीं होने से गंदा पानी सड़कों पर भरा

पावटा। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के ग्राम ललाणा में नोक्डया चौराहे से आगे लोग नाली निर्माण कराने की लंबे समय से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनने को तैयार नहीं है। अब हाल यह है कि आने जाने के मुख्य मार्ग पर गंदा पानी भरने से लोगों को आवाजाही में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

समाजसेवी ओपी बायला, विनोद यादव, कुलदीप सैनी, कमलेश सैनी, छोटू धानका, पवन वर्मा, राजू शेखावत, रघुवीर धानका, कृष्ण कारीगर सहित ग्रामीणों ने बताया कि गांव ललाणा के बाशिंदे मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे हैं। यह गांव विकास में पिछड़ा हुआ नजर आ रहा है। मूल समस्या नाली निर्माण की है। नाली निर्माण नहीं होने के कारण घरो से निकलने वाला गंदा पानी मुख्य रास्ते पर आकर फैल रहा है। निकासी नहीं होने से पानी एक जगह ही भरा हुआ है। लोगों को भी मजबूरी में इसी गंदे पानी से होकर जाना पड़ रहा है। गंदा पानी महीनों से भरा होने के कारण बीमारियों का प्रकोप बढने लगा है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर पूर्व में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया है। उसके बावजूद उनकी समस्या की तरफ किसी ने ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा है।

वही कस्बा पावटा में भी पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढों को आज तक पालिका भर नहीं पाई है। जिसका खामियाजा वार्डो के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। कस्बे में कई वार्डो में सड़कों का निर्माण तो कर दिया लेकिन जल निकासी के लिए नालिया बनाना भूल गए। जिससे वार्डो में जल भराव की समस्या उत्पन्न होने से लोग परेशान है पालिका व अधिकारी हर बार बजट नहीं होने की बात कहते हुए लोगों को टाल देते हैं। समस्या दूर नहीं होते देख अब लोग मायूस नजर आ रहे हैं।

उनका कहना है कि कोई उनकी परेशानी को देखने व सुनने वाला नहीं है। अभी हालत यह है की रास्ते पर पानी भरा होने से लोगों को ईंट रखकर निकलना पड़ रहा है। इससे उनके साथ दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

खोया पाया

मेरा मकान संख्या 1/157, SFS, मानसरोवर, जयपुर का मूल कब्ज़ा पत्र कही खो गया है मिलने पर सूचित करे। राज देवी- 9314871854

मेरे प्लाट नं.60, आवासीय योजना जोय मैक्स गार्डन्स-ए, ग्राम महला, तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर, राजस्थान के मूल कागजात जेडीए पट्टा, साईट प्लान कहीं खो गये है जो कि संजीव बाली पुत्र कृष्ण लाल बाली के नाम से है मिलने पर सूचित करें। 8952859277

मेरे प्लॉट नंबर 5,8,18 रघु विहार, खोरा मीणा, दिल्ली रोड, जयपुर जो लक्ष्मी नगर गृह निर्माण सहकारी समिति के समस्त कागज कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करे। कालूराम मीणा 9829285655

मेरे RHB म. सं. 11/562 FF मालवीय नगर जयपुर का डिक्लेरेशन लेटर कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें कल्पना पारवानी पुत्री धनराज वासवानी 9799816246

नम्बर मिलाइए
9587884433

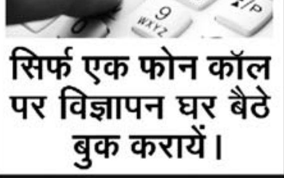

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'हमारी खुद की सावधानी हमारे और हमारे परिवार का सुरक्षा कवच है'

- भिवाड़ी पुलिस और परिवहन विभाग ने जागरूकता अभियान के तहत गुलाब का फूल भेंट कर दी नियमों की जानकारी

भिवाड़ी। भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में शनिवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के तहत यातायात शाखा प्रभारी मेनका वरदानी और पुलिस बल ने भिवाड़ी मोड़ ट्रैफिक पॉइंट पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान में बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चला रहे चालकों को रोककर गुलाब का फूल भेंट किया गया और उनसे यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कहा अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को यह समझाना कि हेलमेट और सीट बेल्ट न केवल नियमों का पालन करने के लिए आवश्यक हैं, बल्कि उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य जुर्माना लगाना नहीं, बल्कि लोगों को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। सड़क पर हर व्यक्ति की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन अत्यावश्यक है। आगामी दिनों में जिले के अन्य हिस्सों में भी इसी प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगेयातायात शाखा प्रभारी मेनका वरदानी ने बताया भिवाड़ी मोड़ पर अभियान के तहत वाहन चालकों को रोककर कोहरे और कम दृश्यता के दौरान सतर्क रहने और वाहन पर रिफ्लेक्टर का उपयोग करने की सलाह दी गई। ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, और मोबाइल फोन के उपयोग से बचने और ड्राइविंग के दौरान शराब का सेवन नहीं कर एक जिम्मेदार नागरिक बनने आदि नियमों का पालन करने की सलाह दी गई। वाहन चालकों ने पुलिस के अनूठे प्रयास की सराहना की और स्वीकार किया कि गुलाब का फूल भेंट करना और उन्हें यातायात नियमों के महत्व को समझाने का एक प्रभावी तरीका है।

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग और श्री सीमेंट लिमिटेड कंपनी द्वारा श्री सीमेंट लिमिटेड, खुशखेड़ा में विशेष सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कार्यरत वाहन चालकों, श्रमिकों और कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा के महत्व और अनिवार्य सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया गया। पैदल यात्रियों को सड़क पर चलते समय ज़ेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने और ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने की सलाह दी गई।

ट्रैफिक नियमों का पालन, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, और गति सीमा का ध्यान रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सड़क पर दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने और गुड समैरिटन कानून के तहत अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। भिवाड़ी टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। वहां फ्लेक्स बैनर लगाए गए, जिन पर सड़क सुरक्षा के महत्व को उजागर करने वाले संदेश लिखे गए। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 15 वाहनों के चालान बनाए गए। यह कार्रवाई यह सुनिश्चित करने के लिए की गई कि सड़क पर यातायात के नियमों का सख्ती से पालन हो।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

शाखा कार्यालय: आकेड़ा डूंगर, 3 गोविन्द विहार गाँव, रोड़ नं. 17 वीकेआई एरिया, आकेड़ा डूंगर, जयपुर, राजस्थान 302013
फोन नं.: 0141-2461531, ई-मेल: akeda@bankofbaroda.co.in

वाहन के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित वाहन जो प्रतिभूत लेनदार के पास दृष्टिबंधक है, का वास्तविक कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "**जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है**" के आधार पर **बैंक ऑफ बड़ौदा, आकेड़ा डूंगर शाखा, 3 गोविन्द विहार गाँव, रोड़ नं. 17, वीकेआई एरिया, आकेड़ा डूंगर, जयपुर, राजस्थान** प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि की वसूली हेतु **दिनांक 07.02.2025** को बेचा जाएगा। ऋणियों, प्रतिभूति-दाता, ज्ञात ऋण भार (यदि कोई हो) सहित वाहन, आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि, बकाया राशि व समय का विवरण निम्न तालिका अनुसार होगा:

ऋणी का नाम व पता- श्री मोहसिन खान पुत्र श्री मुख्तार, प्लॉट नं. 118, श्रीजी नगर, प्रथम लक्ष्मीनारायण, हरमाड़ा अखैपुरा, जयपुर 302013 एवं प्लॉट नं. 71, जगदीशपुरी 2, हरमाड़ा अखैपुरा, जयपुर 302013

वर्तमान बकाया राशि- रूपये 7,03,213.24 दिनांक 15.12.2024 को बकाया तथा इससे आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्च इत्यादि।

धरोहर राशि (ई.एम.डी.) तथा के.वाई.सी., दस्तावेज जमा करवाने की अन्तिम तिथि 06.02.2025 सांय 4:00 बजे से पहले।

वाहन का ब्यौरा (बैंक में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार)	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि	ई-नीलामी का समय
श्री मोहसिन खान पुत्र श्री मुख्तार के नाम मारूति सुजुकी बलेनो जेटा पेट्रोल, रजिस्ट्रेशन नं. RJ45CK7085, चेसिस नं. MBHEWB22SLB456108, इंजन नं. K12MP4015782, मोडल 2020 अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं	रूपये 4,00,000/- (रूपये चार लाख मात्र)	रूपये 40,000/- (रूपये चालीस हजार मात्र)	दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक (प्रत्येक 5 मिनट की असीमित समयावृद्धि के साथ)

ई-नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें-

1. विक्रय को बिना कारण बताये किसी भी समय निरस्त अथवा स्थगित करने का अथवा किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार व अस्वीकार करने का अधिकार बैंक ऑफ बड़ौदा के पास सुरक्षित है। यह ठीक प्रकार से समझ लेवें कि विक्रय बैंक के द्वारा पुष्टि किये जाने के अधीन है।
2. इच्छित बोलीदाता जिन्होंने ईएमडी जमा कर दिया है और लॉगिन और पासवर्ड बनाने, डेटा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई-बोली प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आदि में सहायता की आवश्यकता है, वे **मैसर्स ई-प्रोक्यूरमेन्ट टेक्नोलोजिज लिमिटेड- ऑक्शन टाईगर, बी-704, वॉल स्ट्रीट-2, ऑरियन्ट क्लब के सामने, गुजरात कॉलेज के पास, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद 380006, सम्पर्क सूत्र श्री प्रवीण कुमार थेवर मोबाईल 91-9722778828 को सम्पर्क कर सकते** है एवं वाहन से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा, आकेड़ा डूंगर शाखा, 3 गोविन्द विहार गाँव, रोड नं. 17, वीकेआई एरिया, आकेड़ा डूंगर, जयपुर, राजस्थान** से किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं।
3. प्राधिकृत अधिकारी की सम्पूर्ण जानकारी एवं सूचनाओं के अनुसार वाहन पर कोई भी अन्य ऋण-प्रभार नहीं है फिर भी इच्छुक बोलीकर्ता अपनी निविदा प्रस्तुत करने से पूर्व इस वाहन पर ऋण-भार एवं दावे/अधिकार/ बकायों/प्रभावी संबंधी जांच-पडताल उनके स्वयं द्वारा अलग से कर सकता है।
4. ई-नीलामी के दौरान बोलीदाताओं को परस्पर अन्तिम बोली के ऊपर उच्च बोली लगाने की अनुमति दी जायेगी तथा किसी बोलीदाता द्वारा अंतिम बोली से उच्चतर यदि कोई बोली लगाई जाती है तो विक्रय प्रक्रिया अवधि 5 मिनट के लिये स्वत: ही बढ़ जायेगी तथा यह प्रक्रिया असीमित समय तक निरन्तर रहेगी।

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट अर्थात ई-नीलामी हेतु प्लेटफॉर्म https://bob.auctiontiger.net देखें।

दिनांक: 31.12.2024
स्थान: जयपुर

हस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी

संक्षिप्त

बच्चों को स्वेटर का किया वितरण

कोटपूतली। कस्बे के दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित आशीर्वाद मेटरनिटी होम कृष्णा हॉस्पिटल द्वारा शनिवार को सर्दी के मौसम को देखते हुये आंगनबाड़ी केंद्र बंजारा बस्ती चुरी के बच्चों एवं झुग्गी झोपडियों में जरूरतमंदों को स्वेटर का वितरण किया गया। डॉ. सतीश यादव व डॉ. पूनम यादव द्वारा 51 बच्चों को स्वेटर वितरित किये गये। इस मौके पर प्रबंधक राजेन्द्र कसाना, एमडी लीलाराम यादव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राजेश यादव, सहायिका मीना देवी, राजीविका से धोली देवी, संगीता, सुमन, मंजू, ममता, शारदा, पूजा, रूकमणी, मीरा, राजू देवी, लाडा देवी आदि मौजूद रहे।

पदयात्रा हुई रवाना

मालपुरा। जन-जन की आस्था के केन्द्र मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के दर्शनो के लिये शनिवार को मालपुरा से अयोध्या धाम के लिये पहली पदयात्रा रवाना हुई। माणक चौक बाजार गणेश मंदिर मे पूजा अर्चना के पश्चात रामभक्तो ने पदयात्री रामबाबू कांदला व भवानीशंकर केवट के हाथ मे धर्म ध्वज थमा पदयात्रा को रवाना किया। शहर के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरे पदयात्रियो का जगह-जगह पुष्पवर्षा से रामभक्तो ने भव्य स्वागत कर जय-जय श्रीराम के जयघोष लगाये। तकरीबन एक माह के अंतराल मे पैदल चलकर पदयात्री अयोध्या पहुंच मंदिर शिखर पर चढायेगें भगवा ध्वज।

पौष खीचड़ा भोग उत्सव आज

श्रीमाधोपुर। मंदिर श्री गोपीनाथ जी का में रविवार को प्रातः 8:15 बजे से पौष खिचड़ा भोग उत्सव आयोजित किया जाएगा । मंदिर महंत मनोहर शरण दास ने बताया कि इस दिन 9.30 से 11:30 बजे तक हरि नाम संकीर्तन का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा । महंत महाराज ने क्षेत्र वासियों से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है, साथ ही महंत श्री ने बताया कि इसी मंदिर में आगामी 12 जनवरी रविवार को रहते 8:15 बजे से आयोजित होने वाले पौष बड़ा भोग उत्सव की तैयारी भी जोर शोर से की जा रही है।

एनएसएस शिविर का आयोजन

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित राजपूताना कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों ईकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने संस्था परिसर में साफ-सफाई कर श्रमदान किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी ताराचन्द सैनी, एस. के. शर्मा व नीरू सैनी ने श्रमदान का महत्व बताते हुये विद्यार्थियों को सतत प्रयत्नशील रहने का संदेश दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

प्रतिभा को मिली पीएचडी की उपाधि

मालपुरा। मालपुरा शहर के पुरानी तहसील निवासी सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सीताराम कनोजिया की सुपुत्री प्रतिभा कनोजिया को कोटा विश्वविद्यालय ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की। प्रतिभा ने अपना शोध कार्य सुधा अरोडा के कथा साहित्य का स्त्री अस्मिता के संदर्भ मे आलोचनात्मक अध्ययन विषय पर प्रोफेसर विवेक कुमार मिश्रा के निर्देशन मे पूर्ण किया। पूर्व पार्षद सौरभ कनोजिया सहित परिवारजनो व शिक्षाविदो ने प्रतिभा को बधाई दे उज्जवल भविष्य की कामना की।

सांभर की छात्राओं ने बाजी मारी

सांभरझील । युवा बोर्ड एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित जिला व संभाग स्तरीय युवा महोत्सव कार्यक्रम में सांभर की दो होनहार बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी। हिमांशी ने भीत्ति चित्र व जान्हवी शर्मा ने कृषि उत्पाद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को जिला व संभाग स्तरीय कार्यक्रम में मोमेंटो, नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर स्कूल स्टाफ व सांभरवासियों ने विद्यार्थियों को बधाइयाँ दी।

आईजी का सम्मान किया

दूदू । निकटवर्ती बिचून कस्बे के ठिकाने में जन्म लेकर ग्रामीण अंचल मैं पढ़ाई कर कहावत है कि ग्रामीण क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिलना चाहिए को चरितार्थ कर आज पुलिस सेवा में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पहुंचकर क्षेत्र व परिवार जनों का नाम रोशन किया से गांव एवं आसपास के लोगों में खुशी का माहौल है।

'खेती के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में नये आयाम स्थापित कर रहा है समाज'

चौरु/उनियारा। अखिल नागर चाल धाकड़ समाज प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 का आयोजन धाकड़ समाज सेवा समिति (कर्मचारी परिषद) 108 गांव की ओर से शनिवार कों बूँदी जिले के देई के पास डोकून गाँव तह. नैनवा में राजकीय उमावि परिसर में आयोजित हुआ।

सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए ऊर्जा राज्यमंत्री व अ. भा. धा. म. राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हीरालाल नागर ने कहा कि धाकड़ समाज मेहनती समाज है। धाकड़ समाज मुख्यत खेती पर ही निर्भर है। में भी किसान हूँ, ओर मैंने भी खूब खेती की है, किसान कभी कमजोर नहीं होता, किसान अन्नदाता है ओर अन्नदाता के घर में जन्म लेने वाला सौभाग्यशाली होता है, खेती के साथ साथ शिक्षा व व्यवसाय के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित कर रहा है। अब समाज ने बालकों की शिक्षा के साथ बालिकाओं की शिक्षा पर भी ध्यान देने लगा है जिसका परिणाम भी आज हमारे सामने नजर आ रहा है। हमारी बालिकाए बालकों से किसी भी क्षेत्र में कमजोर नहीं है। इसलिए समाज बंधुओ से अपील है की बच्चों के समान ही लड़कियों कों भी आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें। शिक्षा की दुनिया मे कदम रखा है। शिक्षा भी एक मंदिर है। हर क्षेत्र में धाकड़ समाज की विशेष पहचान बनी है। शिक्षा भी धर्म से कम नही है। सभी को बराबरी का अधिकार शिक्षा से ही मिलता है।

धाकड़ समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह में 300 से अधिक प्रतिभाएं व भामाशाह हुए सम्मानित।

- ऊर्जा राज्यमंत्री नागर का समाज बंधुओ ने घोड़ी पर बैठाकर, डीजे. बैंडवादन, आतिशबाजी एवं पुष्प वर्षा से किया भव्य स्वागत

जनप्रतिनिधियों की सोच न्याय प्रिय होनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र धाकड़ (पूर्व विधायक खानपुर झालावाड़), हेमराज धाकड़ (प्रदेशाध्यक्ष), अ.भा.धा.म. राजस्थान), कन्हैयालाल धाकड़ (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा.धा.म.), पदम धाकड़ (प्रधान पं.स. नैनवाँ), रमेश धाकड़ (अध्यक्ष नागरचाल 108 गाँव), भैरूप्रकाश धाकड़ (सहायक निदेशक महिला अधिकारीता बून्दी), डॉ. प्रहलाद धाकड़ (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष जनरल मेडिसन जयपुर), डॉ. लक्ष्मीप्रकाश धाकड़ (नैनवाँ), बूँदी जिलाध्यक्ष बद्री लाल धाकड़, समारोह की अध्यक्षता सीमा शुल्क विभाग के उपायुक्त बुद्धिप्रकाश धाकड़ ने की। समारोह को पूर्व विधायक नरेंद्र नागर ने सम्बोधित करते हुए समाज को एक जुट होने की बात कही। समारोह को सीमा शुल्क विभाग के उपायुक्त बुद्धिप्रकाश धाकड़ व प्रहलाद धाकड़, एसोसिएट प्रोफेसर विभाग जयपुर ने सम्बोधित करते हुए धाकड़ समाज के बालक-बालिकाओं को जयपुर में आर ए एस की निशुल्क कोचिंग करवाने की बात कही, वक्ताओं ने कहा कि भामाशाह आगे बढ़कर समाज के वंचित लोगों को सही दिशा देकर उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य करें।

वाहन के लगाएं रेडियम रिफ्लेक्टिव टेप

सिकराय (निसं)। उपखंड के सिकंदरा में जयपुर-महवा टोल प्लाजा पर शनिवार को सड़क सुरक्षा अभियान के तहत टोल प्लाजा के अधिकारियों व पुलिस द्वारा वाहन चालको को जागरूक किया गया ।सिकंदरा थाना प्रभारी सुणी लाल मीना ने वाहनों के रेडियम रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। सिकंदरा टोल प्लाजा प्रबंधक अनूप शर्मा ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के तहत टोल प्लाजा से गुजरने वाले दुपहिया व चौपहिया वाहनों के रेडियम रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर वाहन चालकों को टोल के अधिकारी जीएम महेंद्र पाल, प्रोजेक्ट मैनेजर आशीष चौरसिया, सिकंदरा प्लाजा मैनेजर वरुण प्रताप, इंसीडेंट मैनेजर विकास और पेट्रोलिंग अधिकारी मीठालाल सहित टोलकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात व सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देते हुए वाहन चालकों को जागरूक किया हैं।

न्यायाधीश ने मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बौंली-बामनवास। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वावधान में संचालित विधिक सहायता एवं सचल लोक अदालत मोबाइल वैन संख्या आरजे 14 पीसी 7573 को 4 जनवरी 2025 शनिवार को तालुका विधिक सेवा समिति बौंली के अध्यक्ष एवं (वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) विकास नेहरा द्वारा हरी झंडी दिखाकर तालुका न्यायालय प्रांगण बौंली से रवाना किया।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष विकास नेहरा ने उपस्थित अधिवक्तागणों व आमजनों को बताया कि मोबाइल वैन का संचालन सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के गांव -गांव ढाणी -ढाणी तक आगामी दो दिवसों तक किया जाएगा इस दौरान प्रथम दिवस 4 जनवरी को तालुका प्रांगण बौंली से मामडोली, कोडियाई, मिस्कीनपुरा, पीपलदा, जस्टाना, टोंड, बाढ़ बरियारा, निमोद, मलारना चौड, रसूलपुरा, एवं भाडोती तक। इसी प्रकार 6 जनवरी सोमवार को तालुका प्रांगण बौंली से लाखनपुर बपूई, कोलाड़ा, कुशलपुरा, मित्रपुरा, मोरण व बागडोली रोड पर मोबाइल वैन का संचालन किया जाकर विधिक सेवा योजनाओं व आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

मोबाइल वैन द्वारा नालसा,व रालसा द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं अवेचरनेस माड्यूल फॉर सीनियर सिटीजन, पोश एक्ट, बाल विवाह रोकथाम एवं आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी राजानामे के माध्यम से अपने प्रकरणों का अधिकाधिक निस्तारण करने के संबंध में पोस्टर व पंपलेट का वितरण कर प्रचार प्रसार किया जाएगा।

तालुका विधिक सेवा समिति बौंली के अध्यक्ष एवं विकास नेहरा ने हरी झंडी दिखाकर न्यायालय प्रांगण बौंली से रवाना किया।

'राष्ट्रीय सेवा योजना शर्म नहीं श्रम करने का देती है संदेश'

निवाई। राजकीय महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिवस के प्रथम सत्र में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने सामूहिक ईश वंदना, योग व व्यायाम करते हुए लोकमंगल की कामना व्यक्त की। प्रार्थना सत्र के पश्चात श्रमदान सत्र में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने सामूहिक रूप से साफ सफाई कर स्वच्छता का परिचय दिया। महाविद्यालय परिसर के बाहर कंटीली झाडियों को साफ कर पौधों की क्यारियों का सृजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी सुमन ने विद्यार्थियों को सफल जीवन जीने के गुर सिखाते हुए बताया कि मन को नियंत्रित रखने के लिए अभ्यास, रुचि एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण आवश्यक है।

- राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के तहत निकाली जन जागरूकता रैली

किसी भी कार्य में मन नहीं लगने पर हमें विचलित नहीं होना चाहिए। अपितु अभ्यास के द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैनिक यदि सीमा पर मुस्तेद रहकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं तो राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाएं राष्ट्र के अंदर सामाजिक जागरूकता का कार्य करके राष्ट्र की सेवा करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना शर्म नहीं श्रम करने का संदेश देती है। जागरूकता रैली का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ दीपकराज जैन ने हरी झंडी दिखाकर किया।

जन जागरूकता रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर 80 फीट रोड से होते हुए ढ़ाणी जुगलपुरा के मुख्य मार्गों से होते हुए महाविद्यालय परिसर तक पहुंची। रैली का मुख्य उद्देश्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दहेज प्रथा बंद करो, नारी शिक्षा, बुजुर्गों के सम्मान, स्वच्छ भारत सुंदर भारत, पेड़ लगाओ पेड़ बचाओं आदि नारों के साथ समाज को जागरूकता का संदेश दिया। बौद्धिक सत्र में अधिवक्ता शिप्रा शर्मा ने मानवाधिकार विषय पर व्याख्यान में बताया कि हमें अधिकारों के साथ कर्तव्य का भी पालन करना चाहिए।

राजकीय महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में मौजूद स्वयंसेवक।

'सम्मान से उत्साह वर्धन पैदा होता है'

मनोहरपुर । नाथू लाल सैनी ब्लॉक बी अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी शाहपुरा के मुख्य आतिथ्य व रामनिवास यादव सरपंच बिशनगढ़ की अध्यक्षता और राम नारायण यादव सरपंच प्रतिनिधि उदावाला, हनुमान सहाय यादव सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य, राजू बाड़ीगर, बनवारी यादव, महेश जड़वाल,सजन यादव, दिनेश यादव अध्यापक मनोज यादव अध्यापक प्रेम यादव हनुमान चितोसिया, अध्यापक राजू खोस्या, शिंभू बाड़ीगर अध्यापक हरफूल चौधरी, संचालक प्रेम यादव,निदेशक धोलू राम यादव व मनोज यादव के विशिष्ट आतिथ्य में पिंक सिटी लाइब्रेरी मनोहरपुर में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजन किया गया।

नाथू लाल सैनी ने कहा कि सम्मान से उत्साह वर्धन होता है सम्मानित होने वाले का रोम रोम खुश हो जाता है और उसमें अत्यधिक निखार पैदा होता है इसी के साथ वह जोश के साथ में कार्य करने लगता हैं।

रामनिवास यादव ने कहा कि शिक्षा ही सर्वांगीण विकास का मूल मंत्र है ! राम नारायण यादव सरपंच प्रतिनिधि उदावाला ने कहा कि आपसी प्रेम स्नेह व भाईचारा बनाए रखे। जानकारी के अनुसार विगत वर्ष में पिंकसिटी लाइब्रेरी से 49 सलेक्शन हुए जिनमे से अध्यापक ग्रेड 3 में 25, ग्रेड 2 में 8 ग्रेड 1 में 3, में 2, मेंस में 3, नर्स ग्रेड 2 में 2, में 2, में 2 राजस्थान पुलिस में 2 के चयन हुआ है !

चयनित विद्यार्थियों में से संजय यादव सन ऑफ रामकरण यादव अध्यापक मधु मीना पुत्री सूरजमल मीणा अध्यापिका सीमा यादव पुत्री देवी सहाय यादव एमबीबीएस शिवदान यादव सन ऑफ मालीराम यादव अध्यापक प्रशांत यादव सन ऑफ हनुमान सहाय यादव अध्यापक जयकिशन हलदुनिया, सन ऑफ दयानंद अध्यापक कृष्ण कुमार यादव सन ऑफ रामकरण यादव मुकेश वर्मा सन ऑफ शंकर लाल वर्मा जूनियर अकाउंटेंट राकेश कुमार यादव सन ऑफ साधुराम यादव जूनियर अकाउंटेंट कृष्णपाल यादव सन ऑफ रामेश्वर प्रसाद अध्यापक रामकिशोर यादव सन ऑफ रामजी लाल यादव, अध्यापक बॉबी यादव पुत्री रमेश कुमार यादव आदि चयनित विद्यार्थी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मजदूर नेता अब्दुल अज़ीज़ लोहानी का भी स्वागत किया गया

मकर सक्रान्ति पर्व को लेकर बाजारों में दिख रही रौनक

पावटा। मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी को मनाया जाएगा। पर्व के नजदीक आते ही रंग-बिरंगी पतंग खरीदने के लिए बच्चों के चेहरों पर उत्साह नजर आ रहा है। साल 2025 का सबसे पहला पर्व मकर सक्रान्ति की खुशियां बांटने के लिए पावटा कस्बे सहित क्षेत्र के लोग पूरी तरह से तैयार है।

मकर संक्रांति की उमंग में जहां तिल-गुड़ की सामग्री से बनी वस्तुओं के साथ ही रेवड़ी, गजक और मूंगफली की खुशबू से बाजार महक रहे हैं। वहीं जगह-जगह पतंगों की दुकानें सज गई है। जिंदादिली के दर्शाने का यह त्योहार प्रेम और सौहार्द की प्रतीक माना गया है। इन दिन हिंदू परंपरा के अनुसार लोग अपने बुर्जगों को वस्त्र आदि भेंट कर आर्शीवाद प्राप्त करते हैं। इसके अलावा गायों का चारा, बांट, गुड खिलाकर पुण्य कमाया जाता है। शहर व आस पास क्षेत्र में गौशालाओ में इस दिन धर्मावलंबी लोग गायों को चारा पानी डालकर धर्म का काम करते हैं। इस दिन बच्चे युवा यहां तक महिलाएं भी पतंग उडाकर परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। मकर संक्रांति पर्व को लेकर कस्बे में कई जगह पतंगों की दुकानें सज गई है। मुख्य बाजार, चमत्कारी चोराहा सहित सीताराम बाजार सहित कस्बे में कई जगह पर पतंगों की दुकानें सज गई हैं। पतंग विक्रेता सीताराम टांक, हीरालाल टांक, योगेश शर्मा, महेश शर्मा ने बताया कि त्योहार को लेकर बीते कुछ दिनों से अच्छी खरीदारी चल रही है। हालांकि, बीते वर्षों में पतंगबाजी का शौक आधा हो गया है। पहले तो हजारों की तादाद में पतंग की बिक्री होती थी। उम्मीद है कि इस बार पतंग की मांग और ज्यादा बढ़े। त्योहार आते ही पतंग की मांग बढ़ गई है। साथ ही मेरठ व बरेली का मांझा ज्यादा बिक रहा है। दो दिन में बिक्री काफी तेज हो गई है। इसके अलावा मेरठ और बरेली के मांझे के साथ ही कॉटन मांझे की ज्यादा मांग है।

०कई दिन पहले से ही पतंगों का स्टॉक कर लिया है। कार्टून चित्र वाले पतंग बच्चों की पहली पसंद हैं। इसमें भी पन्नी की पतंग अधिक बिकती है। ये पतंग कागज से बनी पतंग से सस्ती होती है। तीन रुपये में पन्नी की पतंग आ रही है, जबकि कागज की पांच रुपये की पड़ती है। बच्चे अपने पसंद के कार्टून वाले पतंग खरीद रहे हैं। इस समय डोरीमोन, मिक्की माउस, छोटा भीम, बिल्ली आदि बने पतंग की मांग है। दुकानदारों को उम्मीद है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्व के पहले खरीददारों की भीड़ रहेगी। मकर संक्रांति को एक सप्ताह शेष है ऐसे में पतंगबाजी ने जोर पकड़ लिया है। छतों पर वो काटा, वो मारा का शोर सुनाई देने लग गया है। बच्चों से लेकर तक युवाओं सभी में पतंगबाजी को लेकर जोश है। लोगो में मोदी, विराट कोहली और तिरंगे तो वहीं बच्चो में कार्टून मोटू पतलू, डोरेमोन, स्पाइडर मैन और न्यू इयर की पतंगों का क्रेज ज्यादा है। वहीं कुछ युवाओं ने पतंगबाजी करते समय चाईनिज मांझे के प्रयोग नहीं कर पक्षियों को बचाने का संदेश दिया है।

मकर संक्रांति का पर्व पतंगों की दुकानें सज गई है।

यातायात नियमों की जानकारी दी

अलवर । प्रादेशिक परिवहन अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि परिवहन एवं सडक विभाग द्वारा 'अलवर परवाह' की थीम पर 31 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह 2025 के चौथे दिन आज परिवहन विभाग के द्वारा यातायात नियमों की जानकारी व प्रवर्तन संबंधित कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि विभाग के उडन दस्ता प्रभारी शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा प्राइवेट बस स्टैण्ड बहरोड पर कैम्प आयोजित कर 85 से अधिक हल्के एवं भारी वाहन चालकों एवं परिचालकों को सडक एवं यातायात नियमों संबंधी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक खैरथल-तिजारा मनीष चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक राजेन्द्र निर्वाण, थानाधिकारी किशनगढबास जितेन्द्र शेखावत, परिवहन निरीक्षण दुलारी एवं अमित भारद्वाज द्वारा पापडी टोल प्लाजा तिजारा रोड पर लगभग 200 आम नागरिकों को सडक सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा एवं गुड सेमेरिटन नियमों की जानकारी दी तथा 200 पम्पलेट वितरित किए गए। साथ ही ट्रेफिक पुलिस एवं परिवहन उडन दस्तों द्वारा विभिन्न श्रेणी के 22 वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई।

सार-समाचार

तकनीकी समस्या पर व्यवस्थापकों का बहिष्कार

सांभरझील, (निसं)। ऋण पोर्टल सुचारू रूप से कार्य नहीं करने पर यहां के व्यवस्थापकों ने कार्य का बहिष्कार किया। बताया कि किसानों का बार-बार सहकारी समिति पर आना तथा कार्य नहीं होने के कारण किसानों द्वारा समिति व्यवस्थापक को बुरा भला बोलते है तथा किसानों के रुपए डबल जमा हो जाता है जिसकी जानकारी व्यवस्थापको को नहीं होती है। जब तक ऋण पोर्टल एफआईजी सुचारू रूप से कार्य नहीं करेगी शाखा सांभर लेक के समस्त समिति के व्यवस्थापको के द्वारा कार्य का बहिष्कार रखा जएगा। समस्या के निवारण के लिए अधिकारी को ज्ञापन दिया गया।

64वां स्थापना दिवस मनाया

मालपुर। केन्द्रीय भेड एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर का शनिवार को 64वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह मे मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार चैयरमेन,कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के विभिन्न संस्थानो के निदेशको ने भाग लेते हुये केक काट अविकानगर संस्थान का 64वां स्थापना दिवस मनाते हुये अविकानगर संस्थान निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर को बधाई दी। समारोह मे राजस्थान सहित हिमाचल प्रदेश,मध्य प्रदेश व देश के अन्य प्रदेशो से तकरीबन 6०० से अधिक बडी संख्या मे पहुंचे वैज्ञानिक व किसानो ने अनुसुचित जाति एवं जनजाति कृषक संवाद कार्यक्रम मे शिरकत की। डॉ. तोमर ने बताया कि अविकानगर मे भेड,खरगोश व सिरोही नस्ल की बकरी सहित उन्नत नस्ल के पशुओं का हर साल देश मे कोने-कोने मे वितरण किया जा रहा है व प्रदर्शनियां लगाई जा रही है। निदेशक द्वारा अतिथियो को अविकानगर संस्थान परिसर के दुम्बा भेड,खरगोश,अविशान भेड,मालपुरा भेड,पाटनवाडी भेड, के साथ गरोल भेड के पशुओं की प्रदर्शनी का अवलोकन करवाया गया। चैयरमेन कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल डॉ. संजय कुमार ने संस्थान के शोध कार्यो की प्रशंसा करते हुये देश मे पशु एवं उनसे बनने वाले उत्पादो के आधार पर शहरो मे मॉल जैसे शीप मॉल बनाने के लिये अविकानगर निदेशक डॉ. तोमर को सुझाव दिया तथा संस्थान के वैज्ञानिको को किसानो को किताब समझकर कार्य करने की प्रेरणा दी।

सुनीता को अवार्ड से नवाजा

श्रीमाधोपुर। भारतीय दलित साहित्य अकादमी महिला प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष हेमलता कांसोटिया तत्वाधान में आयोजित छठवाँ सावित्रीबाई फूले एवं फातिमा शेख सम्मान समारोह में कल्याणपुरा निवासी श्रीमती सुनीता छिछोलिया को " समता शक्ति सम्मान, 2025 अवार्ड " से नवाजा गया। कार्यक्रम अर्चना शर्मा (पूर्व प्रवक्ता) की अध्यक्षता व अकादमी राष्ट्रीय सचिव बाबूलाल निर्मल व प्रदेश महासचिव बनवारी लाल मेहरड़ा के नेतृत्व में साइंस पार्क, जयपुर में सम्पन्न हुआ। आमेर प्राचार्य व पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी डॉ. धर्मराज छिछोलिया, प्रियंका यादव मुख्य लेखाधिकारी, अकादमी जयपुर जिलाध्यक्ष लीलाधर वर्मा, नर्सिंग आधिकारी ललिता टांक , एडवोकेट सतीश कुमार, पत्रकार सुरेन्द्र हरसोलिया, महासचिव लीलावती वर्मा, किरण मेघवाल पीलीबंगा , सामाजिक कार्यकर्ता भोमाराम मेघवाल बाड़मेर , रमेश टांक परिवहन व्यवसायी के विशिष्ट आतिथ्य में 60 विशिष्ट महिला विभूतियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती सुनीता छिछोलिया (प्रोपराइटर, आदि कलेक्शन, मुरलीपुरा स्कीम) को नारी सशक्तिकरण, स्वावलम्बन , सामाजिक जागरूकता तथा व्यवसायिक उपलब्धियों के फलस्वरूप यह सम्मान प्रदान किया गया। ज्ञातव्य है कि आप विविध क्षेत्रों में राज्यभर में कई बार पुरुस्कृत हो चुके है।

उदयसिंह तंवर का स्वागत किया

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम नारेहड़ा में शनिवार को अभिभाषक संघ अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर का स्वागत किया गया। इस मौके पर तंवर ने कहा कि युवाओं को अपनी रुचि के हिसाब से खेल, कर्तव्य व कार्य से अपने देश व समाज का नाम रोशन करना चाहिये। उन्होंने युवाओं को बुरी संगत से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कानून की बारीकियों को समझें और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिये निरंतर मेहनत करें। इस मौके पर उनके साथ आये अधिवक्ताओं ने भी कानून, वकालत के साथ कोर्ट-कचहरी के अनुभवों को साझा किया। इस दौरान मोहन सिंह, संजय सिंह तंवर, पूरण सिंह, पवन सिंह, सन्तु सिंह, महिपाल सिंह, बबलू सिंह, विजय कुमार शर्मा, पूरणमल भारद्वाज, पप्पू सिंह, माल सिंह सूबेदार, रामसिंह, गिरधारी सिंह, मोहन सिंह व लक्ष्मण सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

कोटपूतली। कस्बे के श्रीमती पाना देवी मोरीजावाला राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को पोस्टर एवं मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये प्राचार्य डॉ. आर. पी. गुर्जर ने कहा कि छात्राओं को अपनी प्रतिभा को रचनात्मक आयाम देते हुये निखारने की आवश्यकता है। इस तरह के आयोजन से छात्रायें अपना सर्वांगीण विकास कर सकती है। वरिष्ठ संकाय सदस्य बिशम्भर दयाल ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुये ज्ञान एवं कौशल के अभिवर्धन की बात कही। प्रो. मनोज कुमार सैनी ने बताया कि प्रतियोगिताओं की थीम ज्ञान-विज्ञान एवं तकनीकी विकास के आधुनिक आयाम रखी गई थी। जिसमें छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रा कोमल जांगिड़ प्रथम, चंचल शर्मा द्वितीय व पूजा सैनी तृतीय स्थान पर रही। प्रो. विमल कुमार यादव ने बताया कि मॉडल मेकिंग में छात्रा खुशी सोनी प्रथम रही।

गोदाम से माल किया बरामद

गोविंदगढ़ /अलवर। गोविंदगढ़ कस्बे में दिल्ली पुलिस द्वारा सीताराम मंदिर बाजार में दो व्यक्तियों को डिटेल किया गया दिल्ली पुलिस द्वारका सेक्टर 23 के हैड कांस्टेबल प्रमोद कुमार ने बताया कि एक बंद बॉडी पिकप चोरी का मामला उनके थाने में दर्ज हुआ था वाहन में कीमती सामान बताया गया था अनुसंधान में पता चला कि आरोपी गोविंदगढ़ में में ब्रेकरी की दुकान करते हैं इन लोगों ने चोरी की पिकअप से माल उतार कर अपने गोदाम व दुकान पर रख लिया पिकअप को खुर्द बुर्द कर दिया गया और वाहन में रखे कार्टूनों में महंगे ऑटो पार्ट्स थे जिनकी कीमत लाखों में थी आरोपियों को हिरासत में लेकर गोविंदगढ़ थाने लाया गया उनसे पूछताछ की गई उन्होंने माल गोदाम में बताया गया दिल्ली पुलिस गोदाम पर पहुंचकर माल को बरामद किया गया करवाई अभी जारी है

राहुल ने चुना धर्म का मार्ग

मालपुरा। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के अम्बापुरा गांव निवासी हरिशंकर अग्रवाल के पुत्र राहुल जैन ने युवा अवस्था मे सांसारिक मोह माया का त्याग कर जैन धर्म का मार्ग चुना। शनिवार को दिगम्बर जैन मंदिर नवीन मंडी मे राहुल जैन ने शांतिधारा कर प्रभु का आर्शीवाद लिया। मुनी श्री 1०8 सुधा सागर महाराज ससंघ के सानिध्य मे एमपी के सागर नगर मे राहुल मुनी श्री के संघ मे शामिल होगें तथा मुनी श्री के आदेश तक संघ मे रहकर जैन धर्म का प्रचार-प्रसार करेगें। शुभ घडी आने पर लेगें मुनी दिशा। अग्रवाल समाज अध्यक्ष ताराचन्द कठमाणा,प्रकाश चन्द पाटनी, कमल कुमार,महावीर प्रसाद,राजेन्द्र प्रसाद,त्रिलोक चन्द जैन सहित बडी संख्या मे मौजूद जैन समाज के महिला-पुरूषो ने राहुल को दी विदाई।

शालीमार मालानी ट्रेन का समय पुनः परिवर्तन की मांग

फुलेरा। दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा के अध्यक्ष अशोक वासुदेव ने दैनिक रेल यात्रियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर रेलवे के उच्च अधिकारियों को एक मांग पत्र लिखकर शालीमार मालानी का समय परिवर्तन पुनः समय परिवर्तन के लिए मांग की है। गौरतलब है कि उक्त पत्र के माध्यम से रेलवे के वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबन्धक विजय मीणा, अपर मण्डल रेल प्रबन्धक संजीव दीक्षित, मुख्य परिचालन प्रबन्धक रमेश वशिष्ठ (जीएम ऑफिस) को अवगत कराया गया।

सिडनी टेस्ट से बाहर होने पर रोहित शर्मा ने तोड़ी चुप्पी, कहा- मैं कही नहीं जा रहा हूं। इन सभी चर्चाओं के बीच रोहित शर्मा ने टीम से बाहर होने को लेकर चुप्पी तोड़ी है।
- रोहित शर्मा

भारतीय खिलाड़ी, भारत को लेकर मैंने चुप्पी तोड़ी।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ युजवेंद्र चहल

भारतीय टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा एक-दूसरे से अलग होने जा रहे हैं। दोनों के बीच करीबी सूत्र के मुताबिक इस कपल के अलग होने की खबरें बिल्कुल सच हैं। इनके बीच होने वाले तलाक को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है लेकिन सूत्र का कहना है कि ये तय है कि सारी प्रक्रिया पूरी होने में कुछ वक्त लगेगा। तलाक की बात पूरी तरह से सच है और इसे आधिकारिक होने में अब बस कुछ ही समय शेष है। उनके अलग होने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन ये साफ है कि इस जोड़े ने अलग-अलग अपनी जिंदगी जीने का फैसला किया है।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर ने अपने वनडे इंटरनेशनल करियर में सबसे ज्यादा 463 मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया हुआ है। दुनिया में अभी तक कोई भी बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के इस महारिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाया है।

लीजेंड 90 लीग : हरियाणा ग्लेडियेटर्स में शामिल हुए भज्जी

नई दिल्ली, 4 जनवरी। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह फरवरी से शुरू हो रहे लीजेंड 90 लीग में हरियाणा ग्लेडियेटर्स की तरफ से जादू बिखेरते नजर आएंगे। 103 टेस्ट और 236 एकदिवसीय मैच खेल चुके हरभजन के टीम में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेन डंक, श्रीलंकाई ऑलराउंडर असेला गुणरत्ने और गेंदबाज पवन सुयाल, अनुरीत सिंह और प्रवीण गुप्ता को शामिल किया गया है। हरियाणा ग्लेडियेटर्स का स्वामित्व रियल स्टेट की अग्रणी फर्म शुभ इंफ्रा के पास है। शुभ इंफ्रा के निदेशक सनी सहगल ने कहा कि, हमारी टीम युवा ऊर्जा और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। इस लीग का अनूठा प्रारूप क्रिकेट को अलग तरह से परिभाषित करने का एक बेहतरीन मंच है और ऐसे में इस यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है। लीजेंड 90 लीग 90 बॉल क्रिकेट का ऐसा ताबड़तोड़ प्रारूप है। लीग में सात फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और लीग का प्रारूप जिस तरह से नजर आ रहा है।

आसान नहीं है सिडनी का पिच, मैच पूरी तरह खुला है : कृष्णा

सिडनी, 4 जनवरी। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का मानना है कि सिडनी की असामान्य उछाल वाली पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है और मैच अभी पूरी तरह खुला हुआ है। गौरतलब है कि गावस्कर बार्डर ट्राफी की मौजूदा सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में भारत ने शनिवार को मेजबान टीम के खिलाफ न सिर्फ पहली पारी में चार रन की बढ़त हासिल की बल्कि दूसरी पारी में रिषभ पंत (61) की धुआंधार पारी की मदद से अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 141 रन बना लिये। इस तरह भारत की कुल बढ़त अब 145 रन की हो चुकी है मगर रनो के लिहाज से अभी भी भारत को काफी बल्लेबाजी करनी होगी। इसके बावजूद प्रसिद्ध कृष्णा भारत की अब तक मिली बढ़त को चुनौतीपूर्ण मानते है। दिन के खेल की समाप्ति के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होने कहा कि सिडनी में पिच से मिल रही असामान्य उछाल में बल्लेबाजी करना चुनौती भरा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथी पारी में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा। उन्होने कहा पिच के कुछ हिस्सों से गेंद को परखना मुश्किल हो रहा है। गेंद कभी-कभी नीचे रह रही है। हमारे पास मैच में बने रहने का पूरा मौका है। हमें पर्याप्त उछाल हासिल कर बल्लेबाज को बल्ले की दोनों ओर से छकाना होगा और किनारा लगने पर कैच लपकने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा हमने फिलहाल जीतने लायक रन के लिये कोई विशेष संख्या तय नहीं की है मगर रविवार को बनने वाला हर रन हमारी जीत की भूमिका तय करेगा।

दिमित्रोव ने बीच मुकाबले में मैच छोड़ा, लेहेका ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में

ब्रिस्बेन, 4 जनवरी। दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव शनिवार को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में जिरी लेहेका के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के दौरान ग्रोइन चोट के कारण रिटायर हो गये। लेहेका से 6-4, 4-4 से पिछड़ रहे दिमित्रोव बीच मैच में कोर्ट से बाहर चले गए। उन्होने कुछ समय बाद फिर खेलने का प्रयास किया लेकिन ग्रोइन इंजरी के कारण उन्होंने रिटायर होने का फैसला किया। इससे 23 वर्षीय लेहेका अपने चौथे एटीपी फाइनल में पहुंच गए। लेहेका ने पिछले साल एडिलेड इंटरनेशनल खिताब जीता था और यह उनका पहला एटीपी एकल खिताब था। दिमित्रोव के पास मेलबर्न में 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ठीक होने के लिए एक सप्ताह का समय है।

पाक के साइम अयूब टखने की चोट के कारण बाहर

कराची, 4 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन क्षेत्ररक्षण करते समय टखने में चोट खा बैठे पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साइम अयूब को छह हफ्ते का आराम दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को कहा कि उनका एमआरआई और अन्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने साइम को छह सप्ताह के आराम की सलाह दी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को बाउंड्री पर फील्डिंग करते समय साइम के टखने में चोट लग गई थी।

ओडिशा सरकार तीन साल के लिए राष्ट्रीय खो-खो टीम को करेगी प्रायोजित

भुवनेश्वर, 4 जनवरी। ओडिशा सरकार खो खो तीन साल के लिए राष्ट्रीय खो खो टीम को प्रायोजित करेगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को यह घोषणा की। उन्होने कहा कि देश में यह 'खो खो' खेल के लिए सुनहरा समय है और राज्य सरकार इस खेल को प्रोत्साहन देगी। ओडिशा ने पहले राष्ट्रीय हॉकी खेल को प्रायोजित किया था और अब मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी खो खो खेल को बढ़ावा देने के लिए आगे आए हैं। इस प्रायोजन की अवधि जनवरी 2025 से दिसंबर 2027 तक होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय खो खो को प्रायोजित करने में हर साल पांच करोड़ रुपये के हिसाब से कुल 15 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। यह राशि ओडिशा खनन निगम द्वारा प्रदान की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि इससे न केवल भारतीय खो-खो खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि ओडिशा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेलों में ब्रांडिंग के माध्यम से विश्व स्तर पर राज्य की छवि को प्रोत्साहन मिलेगा।

सिडनी टेस्ट में भारत का पलटवार, मिली चार रन की बढ़त

सिडनी, 4 जनवरी। सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को भारत ने पलटवार करते हुये आस्ट्रेलिया की पहली पारी को 181 रनों पर समेट कर चार रन की महत्वपूर्ण लीड हासिल कर ली। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाये थे। चायकाल से ठीक पहले आस्ट्रेलिया की पारी समाप्त हो गयी। सीरीज में पहली बार खेल रहे प्रसिद्ध कृष्णा ने 42 रन देकर तीन विकेट चटकाये जबकि मो सिराज ने 51 रन खर्च कर तीन विकेट झटके।

जसप्रीत बुमराह और नीतीश कुमार रेड्डी को दो दो विकेट मिले। चार रन की लीड मिलने के बावजूद जसप्रीत बुमराह की फिटनेस ने भारत को चिंता में डाल दिया है। आज के सत्र की शुरुआत में सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद बुमराह मैदान से बाहर चले गए और बाद में उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल जाते देखा गया, जिससे बाकी मैच के लिए उनकी उपलब्धता संदेह में पड़ गई है।

भारतीय गेंदबाजों के सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज दबाव के कारण संघर्ष की स्थिति में रहे। विशेषकर लंच के बाद भारतीय गेंदबाजों ने अपनी स्विंग और रफ्तार से आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खासा परेशान किया। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा किया। पारी के 51वें ओवर में आखिरी खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड को आउट करने में उनकी रफ्तार काबिल ए तारीफ थी। प्रसिद्ध कृष्णा और नीतीश कुमार रेड्डी ने भी अपनी धारदार गेंदबाजी से सबको आकर्षित किया। रेड्डी ने मिचेल स्टार्क को 1 रन पर और पैट कमिंस को 10 रन पर आउट किया। दोनों स्लिप में कैच आउट हुए।

विकेटों की झड़ी के बावजूद, नवोदित ब्यू वेबस्टर (57) और एलेक्स कैरी (21) ने मजबूत इरादों के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की। वेबस्टर ने अद्भुत संयम दिखाया और 105 गेंदों में पांच चौकों सहित 57 रन बनाए। उन्होने रेड्डी की गेंद पर शॉट लगा कर पहले ही टेस्ट मैच में पचास रन पूरे किये।

दूसरी छोर पर कैरी ने कई आत्मविश्वास भरे स्ट्रोक खेले और दो बार ऑफ साइड से बाउंड्री लगाई। इससे पहले, भारत ने खेल पर मजबूत पकड़ के साथ शुरुआत की थी। सुबह जसप्रित बुमरा ने मार्नस लाबुशेन को सिर्फ दो रन पर आउट कर पहली सफलता दिलाई थी। सिराज ने शानदार डबल स्ट्राइक के साथ सैम कोन्स्टास और ट्रैविस हेड दोनों को तुरंत आउट कर दिया। भारत को अब दूसरी पारी में खराब होती पिच पर संयम से खेलते हुये मेजबान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखना होगा।

बुमराह की पीठ में खिंचाव

सिडनी, 4 जनवरी। भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने मौजूदा सीरीज के दौरान पीठ में ऐंठन का अनुभव होने के बाद जसप्रीत बुमराह की स्थिति के बारे में जानकारी दी है। कृष्णा ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बुमराह कड़ी चिकित्सा निगरानी में हैं।

उन्होने कहा कि बुमराह को पीठ में ऐंठन का अनुभव हुआ और स्कैन कराया गया। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, और अपडेट देने के बाद हमें स्थिति का पता चलेगा। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में भारत के कार्यवाहक कप्तान बुमराह मेडिकल स्कैन के लिए आज सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) से चले गए। हालाँकि बाद में वह स्टेडियम में लौट आए और ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों के साथ फिर से शामिल हो गए हैं। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज को सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन लंच के बाद के सत्र के दौरान असहजता का अनुभव होने के बाद मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तत्काल चिकित्सा सहायता मांगने के बाद, बुमराह को मैदान से बाहर निकलते देखा गया। बाद में रिपोर्टों से पुष्टि हुई कि चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए उनका स्कैन कराया गया।

जाने से पहले बुमराह ने आज आठ ओवर फेंके थे, जिसमें उन्होने मार्नस लाबुस्चगने का विकेट लिया। चोट लगने से पहले उन्होंने श्रृंखला के पांच टेस्ट मैचों में कुल 151.2 ओवर फेंके थे, जो ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस (152 ओवर) के बाद दूसरे स्थान पर थे। उनके अत्यधिक इस्तेमाल ने जोखिम के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। तेज गेंदबाज पूरी श्रृंखला में जबरदस्त फॉर्म में रहे, उन्होंने 13.06 की शानदार औसत से 32 विकेट लिए। उनके प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने के हरभजन सिंह के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है।

संन्यास पर भी बोले रोहित

सिडनी, 4 जनवरी। मैच से हटने के साथ ही रोहित शर्मा के संन्यास की चर्चा भी तेजी से होने लगी थी। रोहित ने अपने संन्यास के बारे में भी स्पष्ट किया। उनके आराम करने के फैसले के बाद सुनील गावस्कर ने कहा कि यह रोहित शर्मा का टेस्ट में आखिरी टेस्ट हो सकता है यहां तक कि रवि शास्त्री ने भी इसी तरह की राय दी। हालांकि, रोहित ने पुष्टि की है कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''मैं इस बात पर विश्वास नहीं करता कि पांच महीने बाद क्या होगा। मैं वर्तमान पर ध्यान देना चाहता हूं। यह फैसला संन्यास का फैसला नहीं है। मैं खेल से दूर नहीं जा रहा हूं। लेकिन, इस मैच के लिए मैं बाहर हूं क्योंकि मैं बल्ले से रन नहीं बना पा रहा हूं। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि पांच महीने बाद मैं रन नहीं बना पाऊंगा। हर दिन जिंदगी बदलती है। मुझे खुद पर विश्वास है।''

रोहित शर्मा ने कहा कि मैंने यह खेल इतने लंबे समय तक खेला है। कोई भी बाहरी व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि मुझे कब जाना चाहिए, कब बाहर बैठना चाहिए या टीम का नेतृत्व करना चाहिए। मैं समझदार हूँ, परिपक्व हूँ, दो बच्चों का पिता हूँ। मैं जानता हूँ कि मुझे जीवन में क्या चाहिए।''

सैकिया का सचिव और प्रभतेज का कोषाध्यक्ष चुना जाना तय

मुंबई, 4 जनवरी। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के अंतरिम सचिव के तौर पर काम कर रहे देवजीत सैकिया ने शनिवार को सचिव पद के लिए और प्रभतेज भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। दोनो के ही निर्विरोध चुने जाने की पूरी उम्मीद है। बीसीसीआई सचिव जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का चेयरमैन चुने जाने के बाद सैकिया बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं वहीं आशीष शेलार के महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद रिक्त कोषाध्यक्ष पद के लिये छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के प्रभतेज ने नामांकन किया है। बीसीसीआई के चुनाव कार्यक्रम के अनुसार शनिवार शाम चार बजे तक नामांकन दाखिल किए जा सकते थे जिसमें सैकिया और प्रभतेज ने ही अपना नामांकन दाखिल किया है और दोनो का ही निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है।

सैम कॉन्स्टास के खिलाफ भारतीयों का रवैये पसंद नहीं आया : मैकडॉनल्ड

सिडनी, 4 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि सैम कॉन्स्टास के खिलाफ वह भारतीय खिलाड़ियों के रवैये को पसंद नहीं करते हैं। गौरतलब है कि गावस्कर बार्डर ट्राफी की मौजूदा सीरीज के पांचवे और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन के खेल के आखिरी क्षणों में कॉन्स्टास और भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह के बीच बहस हो गई थी। इस बहस के दो गेंदों के बाद बुमराह ने ख़्वाजा को दिन की आखिरी गेंद पर आउट कर दिया था।

विकेट लेने के बाद बुमराह दौड़ कर कॉन्स्टास के पास गये और उन्हे घूरा जिसके बाद टीम के अन्य सदस्यों ने जश्न मनाया। मैकडॉनल्ड ने कहा, जिस तरह भारत ने उस विकेट का जश्न मनाया वह काफ़ी डराने वाला था। हालांकि यह खेल के नियमों के दायरे में था। यहां कोई आरोप नहीं लगाया

जा रहा है, लेकिन विपक्षी टीम का नॉन-स्ट्राइकर के चारों ओर इस तरह जमा होना शायद ठीक नहीं था। बल्लेबाज की मानसिक स्थिति सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है ताकि वह मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर सके।

उन्होने कहा, यह नियमों के दायरे में था, क्योंकि उसके लिए कोई जुर्माना या सज़ा नहीं दी गई। इसलिए मैं इसे आईसीसी, एंडी पाइक्रॉफ्ट (मैच रेफ़री) और मैदान पर मौजूद अंपायरों पर छोड़ता हूं। अगर उन्हें यह संतोषजनक लगा तो ठीक है। इसके बाद वह मोहम्मद सिराज की गेंद पर स्लिप में कैच आउट हो गए। जब कॉन्स्टास का विकेट गिरा तो बुमराह मिड-ऑन पर फ़ील्डिंग कर रहे थे, विकेट गिरने के बाद तुरंत भारतीय खिलाड़ियों के समूह की ओर नहीं गए और इसके बजाय कॉन्स्टास की दिशा में चलते हुए दिखे। दिन के खेल की समाप्ति पर प्रेस कांफ्रेंस ने भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा हमें उनके खेलने के तरीके.में मज़ा आता है और हम भी आक्रामक तरीक़े से खेलना पसंद करते हैं। अगर हमारे सामने कोई कहता है कि मैं तुम्हारा सामना कर सकता हूं, तो एक टीम के रूप में हम यह दिखाना चाहते हैं कि हम यहां हैं और हमें हल्के में मत लो। तुम्हारे ख़िलाफ़ हम सभी 11 खिलाड़ी एकसाथ हैं। अगर तुम भी उतने ही आक्रामक हो सकते हो, तो ठीक है।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज ने ठोका दोहरा शतक

केपटाउर्न, 4 जनवरी पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट केपटाउन में खेला जा रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान रयान रिकेल्टन 9 साल में दोहरा शतक लगाने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी बन गए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 266 गेंदों में ये उपलब्धि हासिल की। इससे पहले साल 2016 में हाशिम आमला ने दोहरा शतक लगाया था।

रिकेल्टन का टेस्ट में पहला दोहरा शतक था और दिलचस्प बात ये है कि वह 2025 में शतक औऱ दोहरा शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। अपने दोहरे शतक के दौरान इस बल्लेबाज ने कई रिकॉर्ड बनाए। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को शतक बनाने के बाद टेम्बा बावुमा के साथ मिलकर पहले दिन अपनी टीम को फिर से जीत दिलाने के लिए दोहरा शतकीय साझेदारी की। रयान ने जैक्स कैलिस को पछाड़ दिया है।

मुख्यमंत्री के निर्देशन में सुशीला मीणा को गोद लेकर आरसीए जयपुर में देगा विशेष प्रशिक्षण

सीएमआर में आज होगा सुशीला मीणा का सम्मान

जयपुर, 4 जनवरी , आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के अनुसार राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन व सहयोग से आरसीए एडहॉक कमेटी राजस्थान में खेल के विकास व उत्थान के लिए गहन प्रयासरत है व उसका हमेशा से प्रयास रहा है की राज्य के कोने कोने से प्रतिभावान खिलाडियों की प्रतिभा को पहचान उन्हें उचित अवसर प्रदान किया जाये इसी कड़ी में कल दिनांक 5 जनवरी को दोपहर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्तिथि में राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी राज्य के प्रतापगढ़ जिले की प्रतिभावान युवा महिला खिलाड़ी सुशीला मीणा के भविष्य को उज्जवल बनाने हेतु आरसीए द्वारा सुशीला मीणा को गोद लेकर जयपुर मे अपनी देखरेख मे प्रशिक्षित कोचों की निगरानी मे विषेश प्रशिक्षण सहित उसके आवास व अन्य मूलभूत सुविधाओ की व्यवस्था करेगा।

जयदीप बिहाणी के अनुसार भारत रत्न व महान क्रिकेट खिलाडी सचिन तेंदुलकर द्वारा राज्य (प्रतापगढ़) की युवा प्रतिभावान महिला खिलाडी के गेंदबाजी एक्शन व प्रतिभा की प्रशंसा के बाद आरसीए एडहॉक कमेटी व प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ ने सुशीला मीणा की जबरदस्त प्रतिभा के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को अवगत कराया व मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार आरसीए द्वारा युवा महिला खिलाड़ी के भविष्य को संवारने हेतु विषेश प्रशिक्षण, सुशीला मीणा को आरसीए द्वारा गोद लेने व सम्मान समारोह मुख्यमंत्री की उपस्तिथि में आयोजित होगा ।

जयदीप बिहाणी ने बताया की सुशीला मीणा के सीएमआर में दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री भजलाल शर्मा की उपस्तिथि में आयोजित किये जाने वाले सम्मान समारोह के अवसर पर खेल मंत्री (कैबिनेट) कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर , प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री हेमंत मीणा, आरसीए एडहॉक कमेटी, प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ सचिव पिंकेश पोरवाल एवं समस्त जिला क्रिकेट संघों के प्रतिनिधि व सुशीला मीणा के परिजन मौजूद रहेंगे।जयदीप बिहाणी के अनुसार सम्मान समारोह के बाद दोपहर 2 बजे आरसीए द्वारा सभी जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों व सम्मानित खिलाडी व अतिथियों हेतु भोजन की व्यवस्था आरसीए एकेडमी, सवाई मान सिंह स्टेडियम पर की जाएगी।

राजस्थान ने कांस्य पदक अपने नाम किया

जयपुर, 4 जनवरी। आज पहले दिन रैंकिंग के साथ टीम इवेंट के मुकाबले खेले गए जिसमें महिला टीम में राजस्थान ने कांस्य पदक अपने नाम किया। फाइनल मुकाबला कल पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में खेले जाएंगे। एनटीपीसी सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता का आज भव्य उद्घाटन जयपुर के पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के तीरंदाजी मैदान पर हुआ। प्रतियोगिता में देशभर से 800 से अधिक तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं ,जिनमें राष्ट्रीय पदक विजेता, ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज शामिल हैं।

यशस्वी जायसवाल ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 4 जनवरी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का अहम मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेल जा रहा है। जिसमें भारतीय टीम ने पहली पारी में 4 रन की बढ़त हासिल की। अब दूसरे पारी के शुरुआत भारत के लिए बेहद धमाकेदार रही। जिसके लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ओपनिंग करने आए। दूसरी पारी के पहले ओवर में ही जायसवाल ने ऐसी शानदार पारी खेली कि उन्होंने एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे पांचवें टेस्ट मैच की दूसरी पारी के शुरुआत धमाकेदार रही। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पारी की शुरुआत करने आए, जबकि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिशेल स्टार्क पहला ओवर फेंकने आए। पहले जहां स्टार्क शुरुआती ओवरों में जायसवाल के लिए बुरा सपना बनते थे। वहीं अब जायसवाल ने दूसरी पारी के पहले ओवर में स्टार्क के खिलाफ 16 रन ठोक दिए। पहले ओवर में 16 रन बनाकर यशस्वी जायसवाल भारत की तरफ से एक टेस्ट पारी के ओपनिंग ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।स्टार्क के पहले ओवर में यशस्वी जायसवाल के आक्रामक शॉट्स का गवाह बना। स्टार्क की पहली गेंद पर कोई रन नहीं आया। दूसरी गेंद पर शॉर्ट और बाहर जाती हुई गेंद को यशस्वी ने स्लिप के ऊपर से चौके के लिए भेजा दिया। तीसरी गेंद पर एक और शॉर्ट और वाइड डिलीवरी को उन्होंने स्क्वायर के पीछे से बाउंड्री पार पहुंचा दिया।वहीं चौथी गेंद पर लेट कट करते हुए उन्होंने एक और शानदार चौका जड़ा। पांचवीं गेंद पर कट शॉट मिस करने के बाद छठी गेंद पर उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर पिच हुई गेंद को कवर ड्राइव से चौके में बदल दिया।इस ओवर में स्टार्क का आंकड़ा 0,4,4,4,0, 4 रहा, जिससे भारतीय टीम की दूसरी पारी धमाकेदार शुरुआत के साथ आगे बढ़ी।

वीमेन अंडर-19 ट्रॉफी में राजस्थान ने त्रिपुरा को हराया

राजस्थान के लिए हैप्पी कुमारी व मैना सोयल का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 4 जनवरी। नागपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - त्रिपुरा मैच में राजस्थान ने हैप्पी कुमारी व मैना सोयल के शानदार प्रदर्शन की सहायता से त्रिपुरा को 151 रनो के विशाल अंतर से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने मैना सोयल की नाबाद अर्धशतकीय पारी की सहायता से निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 235 रनो का स्कोर बनाया। टीम के लिए मैना सोयल नाबाद 86 , अंकिता महला 38, श्रेया जोशी 32 , अंशु सैनी 15, हैप्पी कुमारी 13 ,पारवती

12 व अंजलि जाट नाबाद 12 रनो का योगदान दिया। त्रिपुरा की गेंदबाज गिया मंडल 48 /2 व तानिया 49 /2 विकेट प्राप्त किये। त्रिपुरा पारी, 84 आल आउट। राजस्थान की गेंदबाज हैप्पी कुमारी 9/5, मैना सोयल 11/2, तनिका शर्मा, पर्ल बामनावत व वंशिका प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त करते हुए टीम को जीत दिलाई।

अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी प्री क्वाटर फाइनल

बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के खेले जा रहे राजस्थान - बंगाल प्री क्वाटर फाइनल मैच के दूसरे दिन का स्कोर, राजस्थान पहली पारी 291 आल आउट। टीम के लिए यथार्थ भारद्वाज ने अपनी 131 रनो की शतकीय पारी में 138 गेंदों का सामना किया जिसमे 2 छक्के व 16 चोक्के लगाए। टीम के लिए यथार्थ भारद्वाज 131, शिफॉन 45, आलोक 19, रजत 16, ऍम खान 15, आदित्य वाधवा 15, एकांश शर्मा 14 व पुरु देवध्वाल 14 रनो का योगदान दिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक स्कोर, बंगाल पहली पारी 247 /4, राजस्थान के गेंदबाज एकांश शर्मा, पुरु देवध्वाल, आदित्य वाधवा व एम खान प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

प्रेम सिंह और नीरज के. पवन ने सीनियर नेशनल वालीबॉल प्रतियोगिता की तैयारियों का जायजा लिया

जयपुर, 4 जनवरी। सैनिक बल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के चैयरमेन नीरज के. पवन ने सीनियर नैशनल वॉलीबाल प्रतियोगिता 2025 को समस्त जायजा भेजा लेते हुए पुरुष एवं महिला खिलाड़ी से परिचय प्राप्त किया। राजस्थान के सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया एवं उन्हें राष्ट्रीय पदक जीतने के लिए प्रेरित किया । पवन ने इण्डोर स्टेडियम की कुछ टूटी कुर्सियों आदि की मरम्मत कराने का तुरन्त आदेश दिया। इण्डोर स्टेडियम में फ्लेक्स गुजरात साई सेन्टर से मंगाया गया है। आउटडोर वालीवाल ग्राउंड के तीन कोर्ट होंगे, जिनको मिट्टी डाक डालकर एवं शेलरिंग करके दुरस्त करा दिया गया है तथा नया पेन्ट करके दर्शक दीर्घा एवं पोल को सुन्दर बना दिया गया है। लाइटिंग एवं टेन्टिंग की भी पृथक व्यवस्था की जा रही है। आने वाले आगन्तुक सभी खिलाड़ियों को जम्पुर की विभिन्न प्रतिष्ठित होटलों में ठहराया जा रहा है तथा उनके भोजन की सम्पूर्ण सवस्था आयोजकों द्वारा निशुल्क की गई है। स्टेब स्टेज आदि बनने शुरू हो गए है। वेस्ट बंगाल, त्रिपुरा और नागालेण्ड की टीमें आप रात्रि में जयपुर पहुंच रही है।

डूंगरपुर जिले के खडगदा गांव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। खडगदा में उन्होंने साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर मोरन नदी और जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे भागीरथ प्रयास का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने 20 साल से सूखी नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयास की प्रशंसा की

खडगदा ग्रामवासियों ने जनभागीदारी से नदी पाट में 40 करोड़ लीटर की संग्रहण क्षमता विकसित की

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने ग्रामवासियों के इस कार्य को ऐतिहासिक व अनुकरणीय बताया। उन्होंने ग्रामवासियों को सरकार की ओर से सहायता का आश्वासन दिया।**

डूंगरपुर, 4 जनवरी (निसं)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर डूंगरपुर जिले के खडगदा गांव गए, जहाँ उन्होंने खडगदा में जन सहयोग से जल संचय अभियान के तहत अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर मोरन नदी और जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे भागीरथ प्रयास का अवलोकन कर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान पर शुरू हुए जल क्रांति अभियान में स्वप्रेरणा से खडगदा ग्रामवासियों ने जनसहयोग से जल संचय अभियान में मोरन नदी को पुनर्जीवित करने, साफ-सफाई कर जल को उपयोगी बनाने के साथ ही, जल संचयन करने के ऐतिहासिक और अनुकरणीय कार्य में भागीदारी निभाकर सभी के लिए एक मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने इस कार्य के लिए समस्त ग्रामवासियों तथा प्रेरक कथावाचक कमेलश शास्त्री को बधाई देकर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा जल संचय के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से वृहद स्तर पर कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा राजस्थान के चालीस हजार गांवों में जल संचय का कार्य किया जा रहा है।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटील ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ने के सपने को साकार करते हुए, राजस्थान और मध्य प्रदेश की नदियों को जोड़ने की संशोधित पीकेसी ईआरसीपी लिंक परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजना के धरातल पर उतरने के बाद राज्य में पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। पाटील ने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर कैच द रेन अभियान में खडगदा गांव के इस प्रयास को विशेष स्थान दिया जाएगा।

इससे पूर्व, हेलीपैड पर पहुंचने पर, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जिले के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी, सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, पूर्व मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया सहित अनेक गणमान्य लोगों ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री तथा केन्द्रीय मंत्री पाटील ने ग्रामवासियों द्वारा मोरन नदी विकास को लेकर लगायी प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा जल संरक्षण के लिए जन सहयोग से बनाए गए कुएं का पूजन कर लोकार्पण किया तथा कथावाचक कमलेश शास्त्री का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी, सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, गढ़ी विधायक कैलाश मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी आदि मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खडगदा गांव में मोरन नदी घाट का अवलोकन कर जन भागीदारी से मोरन नदी के पुनरुद्धार कार्य का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर खडगदा गांव के लोगों ने जन भागीदारी से जल संचय अभियान चलाया, जिसके तहत उन्होंने 20 वर्षो से सूखी पड़ी मोरन नदी को पुनर्जीवित किया। सामूहिक श्रमदान से उन्होंने नदी के एक किलोमीटर पाट को साफ कर उसे 8 से 10 फीट गहरा किया। इस एक किलोमीटर के पाट में 40 करोड़ लीटर पानी संग्रहित करने की क्षमता है। गांव के युवाओं ने नदी के घाट पर कच्चा रिवरफ्रंट बनाया। नदी के चारों तरफ रिंग रोड का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, कैच द रेन की तर्ज पर कार्य करते हुए, नदी के घाट के पास 80 फीट गहरा नया कुआं खुदवाया गया। इसके साथ ही, ग्रामवासियों ने गांव के अन्य पुराने कुओं को तथा अपने घरों में बनाए बोरवेल को भी रिचार्ज किया।

उत्कर्ष पर आयकर छापे की कार्यवाही तीसरे दिन भी जारी रही

उत्कर्ष कोचिंग के संचालक निर्मल गहलोत के घर पर साढ़े चार किलो सोने के जेवर मिले

■ **आयकर विभाग की टीमें बड़े ट्रांज़ैक्शन की जाँच के लिये दस्तावेज तथा कम्प्यूटर की फाइलें खंगाल रहे हैं, विशेषकर फिज़िक्स वाला की डील के संदर्भ में।**

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले उत्कर्ष कोचिंग सैंटर के विभिन्न ठिकानों पर शनिवार को तीसरे दिन भी आयकर विभाग की छानबीन जारी रही। यह कार्रवाई गुरुवार सुबह से शुरू हुई थी। शनिवार को सर्च के दौरान डील से जुड़े डॉक्युमेंट और एनजीओ को करोड़ों रुपए की फंडिंग से जुड़ी जानकारी मिली है। आयकर विभाग की टीम को उत्कर्ष कोचिंग संचालक के मालिक निर्मल गहलोत के घर पर तलाशी के दौरान, करीब साढ़े चार किलो सोने के जेवर और 15 लाख रुपए कैश मिले हैं।

उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के जोधपुर व जयपुर सहित विभिन्न ठिकानों पर आयकर विभाग की लगातार तीसरे दिन भी जारी कार्रवाई में विभाग की नजर जोधपुर पर ही टिकी हुई है। तीन दिनों में अधिकारियों ने बड़े ट्रांज़ैक्शन की जानकारी के लिए दस्तावेज और कम्प्यूटर की फाइलें खंगाली हैं। कोचिंग संस्थान के कार्मिकों से भी पूछताछ की गई है। उत्कर्ष संस्थान के विभिन्न कार्यालयों, निवास स्थान और उससे जुड़े वैंडर्स पर भी कार्रवाई जारी है।

गौरतलब है कि आयकर विभाग ने गुरुवार को कोचिंग संस्थान के जोधपुर, जयपुर, प्रयागराज और इंदौर स्थित 17 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था। जोधपुर में दो दर्जन से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। जयपुर, प्रयागराज और इंदौर में टीमें जोधपुर की टीमों के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई कर रही हैं।

उत्कर्ष कोचिंग संस्थान की हाल ही में एक एड टैक कंपनी फिज़िक्स वाला के साथ हुई डील ही आयकर विभाग के प्रमुख निशाने पर है। अभी तक की जांच इस डील के इर्द-गिर्द ही चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, फिज़िक्स वाला और उत्कर्ष कोचिंग संस्थान की कुछ महीनों पहले हुई 800 करोड़ की डील के बाद यह मामला रडार पर आया था।

आयकर विभाग को ऐसी शिकायतें मिलीं कि फिज़िक्स वाला के साथ शेयर डील में कोचिंग संचालक ने बड़ा घपला किया है। आठ सौ करोड़ रूपये से अधिक की इस डील में बड़े पैमाने पर अघोषित लेन-देन शामिल है।

प्र.मंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समूह का मुखिया बनाने को इच्छुक हैं। पवार का अडानी से पुराना नाता रहा है और उन्हें राहुल गांधी का लगातार अडानी विरोधी अभियान चलाना पसंद नहीं है।

राहुल को साइडलाइन कर ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का मुखिया बनाना मोदी के लिए भी फायदेमंद है। गत लोकसभा सत्र में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के सांसदों से कहा था कि अडानी के खिलाफ अभियान में हर बार शिरकत न करें।

तमिलनाडु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का एक बड़ा भंडार था। सूचना मिलने के बाद सत्तूर से तमिलनाडु अग्निशमन और बचाव सेवा विभाग के कर्मी फैक्ट्री पहुंचे और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रसायनों को रखते समय घर्षण के कारण आग लगी। विस्फोट होने के वास्तविक कारण की हालांकि जांच की जा रही है।

जिला कलेक्टर वी.पी. जयसीलन घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि यह पता लगाने के लिए विस्तृत जांच चल रही है कि क्या फैक्ट्री में सुरक्षा मानदंडों का कोई उल्लंघन तो नहीं किया गया था।

पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक बालाजी और शशिबालन के अलावा मैनेजर डॉस और प्रकाश सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मीनाक्षी सुंदरम, शिवकुमार, कामराज, वेलमुरुगन, कन्नन और नागराज के रूप में हुई है। यह पता लगाने के लिए बचाव अभियान अभी भी जारी है कि मलबे के नीचे कोई और श्रमिक दबा तो नहीं है। मलबे में फंसे शवों को दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

डल्लेवाल स्ट्रेचर पर खनौरी बॉर्डर किसान पंचायत में पहुँचे

किसान नेताओं ने दावा किया 80-90 हजार लोग महापंचायत में शामिल हुए

■ **चालीस दिन से आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल ने किसानों से कहा ''सरकार जितना मर्ज़ी जोर लगा ले, हम ये लड़ाई जीत कर जायेंगे।**

पटियाला, 04 जनवरी। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आज किसानों की महापंचायत हुई। जहां 40 दिन से आमरण अनशन पर बैठे जगजीत डल्लेवाल को स्ट्रेचर से मंच पर लाया गया। उन्होंने 9 मिनट तक किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार जितना मर्जी जोर लगा ले, हम ये लड़ाई जीतकर जाएंगे।

किसान नेताओं का दावा है कि इस महापंचायत में 80 से 90 हजार लोग पहुंचे थे। इस दौरान पंजाब की तरफ महापंचायत के मंच से करीब 7 किलोमीटर तक रोड पर जाम लगा रहा। खनौरी बॉर्डर के हरियाणा साइड पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा रही। यहां पुलिस और अर्धसैनिक बलों की 21 कंपनियां तैनात थीं। इससे हरियाणा की तरफ से कोई किसान महापंचायत में शामिल नहीं हो सका।

वहीं इसी बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के पास पंजाब सरकार की चिट्ठी पहुंची है। जिसमें उन्हें आंदोलन में हस्तक्षेप कर इसे खत्म कराने की मांग की गई है। हालांकि चौहान पहले ही कह चुके हैं कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, वहां से जो फैसला आएगा, उस पर अमल करेंगे।

किसान नेता डल्लेवाल ने राम-राम कहकर संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा- जो मैं लड़ाई लड़ रहा हूं, यह लड़ाई मैं नहीं लड़ रहा, यह सिर्फ एक शरीर दिख रहा है लड़ाई लड़ते। यह ऊपर वाले की मर्जी है। जिसे भगवान चाहता है, उसे ही मनुष्य का शरीर देता है। उसी की मर्जी से हो रहा है, जो हो रहा है।

मोर्चा तो हम ही जीतेंगे पुलिस ने मुझे यहां से उठाने का प्रयास किया। जब लोगों को पता चला तो पंजाब-हरियाणा से सैकड़ों नौजवान हमारे पास पहुंचे और मोर्चा संभाला। आज जो लोग मोर्चे पर पहुंचे हैं, यह सिर्फ ऊपर वाले की कृपा है। सरकार जितना मर्जी जोर लगा ले, हम मोर्चा जीत कर ही रहेंगे।

उन्होंने कहा, किसानों की सुसाइड की घटनाओं पर अंकुश लगना जरूरी है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि करीब 4 लाख किसानों ने आत्महत्या की है, लेकिन असल आंकड़ों में अब तक 7 लाख से ज्यादा किसान दम तोड़ चुके हैं। मेरी किसानों से अपील है कि बड़ी संख्या में आगे आएं, जिससे आंदोलन को बल मिल सके।

इधर, पंजाब सरकार की ओर से केंद्र को एक लेटर लिखा गया। इसमें केंद्र सरकार से अपील की गई है कि किसानों का आंदोलन और डल्लेवाल का अनशन खत्म कराएं।

19 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को आदेश दिए थे कि डल्लेवाल को चिकित्सा सुविधा दी जाए। जरूरत पड़े तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराएं।

भभूति के चक्कर में बागेश्वर धाम शास्त्री के कार्यक्रम में भगदड़

■ **भारी भीड़ बेकाबू होने पर बाउंसरों ने लोगों को हटाया**

■ **अभी तक किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस को भी हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।**

मुंबई, 04 जनवरी। बागेश्वर धाम महाराज धीरेन्द्र शास्त्री आज भिवंडी के मानकोली नाके के पास स्थित इंडियन ऑयल कंपनी में एक सत्संग के लिए आए हुए थे। कथा सुनाने के बाद धीरेन्द्र शास्त्री ने अपने श्रद्धालुओं को कहा कि आप सभी लोगों को मैं भभूति दूंगा।

आप तमाम लोग एक-एक करके आएं, पहले महिलाएं आएंगी और उसके बाद पुरुष आएंगे। इसके बाद सभी महिलाओं ने पहले लाइन लगायी और उसके पीछे पुरुषों ने लाइन लगाई। बाबा से भभूति लेने के लिए देखते ही देखते भीड़ एक साथ इतनी उमड़ पड़ी कि कंट्रोल के बाहर हो गई। सभी लोग पहले भभूति पाने के लिए आगे बढ़ ने लगे।

भभूति लेने के लिए भीड़ इतनी ज्यादा हो गई कि लोग एक के ऊपर एक चढ़ ने लगे और भगदड़ जैसी स्थिति हो गई।

आसपास खड़े बाउंसरों ने लोगों को खींचकर भीड़ से बाहर निकाला और स्टेज पर बैठा दिया। भगदड़ की वजह से चीख पुकार मच गई और लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। जिन महिलाओं को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी और उन को एक साइड में बैठा दिया गया।

जब धीरेन्द्र शास्त्री ने देखा कि भीड़ हद से ज्यादा बढ़ गई है तो वह अपने स्टेज से उठकर चले गए और इसके बाद भीड़ में शामिल लोग एक के पीछे एक स्टेज पर चढ़ ने लगे जिससे वहां पर मौजूद पुलिस ने लोगों को हटाने का प्रयास किया। फिलहाल इस घटना में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस ने हल्का बल का उपयोग करके लोगों को वहां से हटाने का प्रयास किया।

प्रसिद्ध वैज्ञानिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में भी उनका अहम योगदान रहा। 1998 के पोखरण टेस्ट में उन्होंने वैज्ञानिकों की टीम को लीड किया था। डॉ. राजगोपाला को 1975 में पद्म श्री और 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. राजगोपाला के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''भारत की वैज्ञानिक और कूटनीतिक ताकत को मजबूत करने में डॉ. राजगोपाला की अहम भूमिका रही। वे भारत के परमाणु प्रोग्राम के निर्माताओं में से एक थे। आने वाली पीढ़ि यां उनके किए कामों से प्रेरणा लेगी।''

डॉ. राजगोपाला का जन्म सन् 1936 में चेन्नई में हुआ। उन्होंने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बेंगलुरु के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस से पढ़ ाई की। 1974 के न्यूक्लियर टेस्टिंग टीम में डॉ. राजगोपाला ने अहम भूमिका निभाई। 1998 में हुए पोखरण परमाणु टेस्ट-2 में उन्होंने टीम को लीड किया।

वर्ष 1990 में उन्होंने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर की जिम्मेदारी भी संभाली। डॉ. राजगोपाला 1993 में परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष भी बने। इस पद पर वे 2000 तक रहे। वे भारत के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार भी रहे।

नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया, अब हमेशा भाजपा के साथ रहेंगे

लालू यादव के नीतीश को आमंत्रण से फैली सियासी अटकलें लगभग समाप्त हो गईं

■ **पटना में एक समीक्षा बैठक में नीतीश कुमार ने कहा, हम गलती से दो बार इधर-उधर हो गये थे। अब हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे।**

पटना, 04 जनवरी। बिहार की सियासत में एक बार फिर सत्ता परिवर्तन को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। इस बार भी सबकी नज़रें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर थीं।

राजनीतिक हलकों में यह चर्चा थी कि मलमास खत्म होते ही बिहार की राजनीति में कोई बड़ा मोड़ आ सकता है। हालांकि, इन कयासों के बीच खुद नीतीश कुमार अब फ्रंट लाइन पर आए और उन्होंने स्पष्ट रूप से सबकुछ साफ कर दिया।

पटना में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता ने हमें 24 नवंबर 2005 से काम करने का मौका दिया। हम लगातार बिहार के विकास को लेकर सभी क्षेत्रों और वर्गों के लिए काम करते रहे हैं। 2005 से पहले बिहार की स्थिति बहुत खराब थी।

लोग शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डरते थे। अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था नहीं थी, सड़कें जर्जर थीं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं थी। अक्सर हिंदू-मुस्लिम के बीच विवाद की खबरें आती थीं। जब बिहार ने हमें काम करने का मौका दिया, तो बिहार की स्थिति बदल गई। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ।

नीतीश कुमार ने कहा कि हम गलती से दो बार इधर-उधर हो गए। अब हम हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे।

बीते दिनों में राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू यादव के एक बयान ने बिहार के सियासी माहौल में हलचल मचा दी थी। लालू यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं और उन्हें भी अपने दरवाजे खुला रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर नीतीश कुमार आते हैं, तो उनका साथ लिया जाएगा, हम उनका साथ लेंगे। इस बयान के बाद से बिहार की राजनीति में उत्सुकता और अटकलें तेज हो गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में बड़ी भूमिका निभाएगा। मुझे विश्वास है कि यह अवसर लोगों को देश में समाज की बेहतरी के लिए हर संभव कार्य करने की प्रेरणा देगा। वार्षिक उर्स के अवसर पर दरगाह शरीफ के लिए चादर भेजते हुए, मैं ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को नमन करता हूं और देशवासियों की प्रसन्नता व समृद्धि की कामना करता हूं।''

केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने महफिलखाने में दरगाह के वैब पोर्टल तथा गरीब नवाज एप को लांच किया। इससे जायरीनों को सुविधा मिलेगी तथा दरगाह कमेटी द्वारा की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकर, जायरीन उनका उपयोग ले सकेंगे। इसके साथ ही, ऑपरेशन्स मैन्युअल फॉर कन्डक्ट ऑफ उर्स ऑफ ख्वाजा मोइन-उद-दिन चिश्ती भी लाँच किया गया। इसके आरंभ होने से जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, राजकीय विभागों तथा अन्य स्तर पर उर्स के दौरान किए जा रहे कार्यों में आपसी समन्वय स्थापित होगा। कार्यों की आसानी से मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

रिजिजू ने कहा कि दरगाह में आंतरिक इंतजाम करने वाली दरगाह कमेटी मेरे मंत्रालय के अधीन आती है, इसलिए हमारा प्रयास है कि दरगाह में जियारत के लिए आने वाले ज़ायरीनों को अधिक से अधिक सुविधा मिले। उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इसलिए ऐप और वैब पोर्टल लॉन्च किया गया। इस पर दरगाह पर मिलने वाली सुविधाओं से लेकर अन्य सभी तरह की जानकारियां मिलेंगी।

इस अवसर पर, दरगाह नाज़िम मोहम्मद नदीम, सहायक नाज़िम डॉ. मोहम्मद आदिल एवं शादाब अहमद, दरगाह दीवान के प्रतिनिधि नसरुद्दीन, अंजुमन के अध्यक्ष गुलाम किबरिया सहित दरगाह से जुड़े व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू के दरगाह पहुंचने पर खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सरवर चिश्ती और शेखजादगान के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर दरगाह कमेटी के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सूफी संवाद अभियान के राष्ट्रीय सह प्रभारी और दरगाह के खादिम सैयद अफशान चिश्ती ने भी मंत्री रिजिजू का स्वागत किया।

दरगाह पहुंचने पर दरगाह दीवान के प्रतिनिधि सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने भी रिजिजू का इस्तकबाल किया। बाद में दरगाह के प्रतिनिधियों ने रिजिजू की दस्तारबंदी की। जियारत की रस्म खादिम सैयद अफशान चिश्ती ने कराई। दरगाह में पीएम मोदी की ओर से चादर लेकर अजमेर पहुंचे केन्द्रीय संसदीय मामलात एवं अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजिजू के साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष जमाल सिद्की, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, उप महापौर नीरज जैन भी थे।

कांग्रेस हर जिले में गांधी-अम्बेडकर अपमान पर चौपाल लगायेगी

नयी दिल्ली, 04 जनवरी। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान विरोधी है और वह बाबा साहब अंबेडकर और महात्मा गांधी का अपमान करती है, इसलिए कांग्रेस देश के हर जिले में चौपाल लगाकर देशवासियों को बताएगी कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कैसे गांधी जी और अंबेडकर का अपमान करता है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 17 दिसंबर को संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने भीम राव बाबा साहेब अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हमें उम्मीद थी कि गृह मंत्री माफी मांगेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे, लेकिन मोदी ने गृह मंत्री का साथ दिया और अंबेडकर के अपमान में साझेदार बने।

कर्नाटक सरकार ने बसों का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। राज्य के पूर्व परिवहन मंत्री आर. अशोक, जो विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने कहा कि वे किराया वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री की तरफ से माफी मांगते हुए यात्रियों को गुलाब का फूल दे रहे हैं। कांग्रेस के राज्य परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि किराया वृद्धि का फैसला जरूरी था, क्योंकि ईंधन, स्टाफ व अन्य मदों पर खर्च बढ़ता जा रहा है। खासकर जून 2023 से शक्ति स्कीम लाने के बाद से। मंत्री की इस स्वीकारोक्ति ने शक्ति योजना पर भाजपा की आलोचना को और बल दिया है।

शक्ति स्कीम कांग्रेस की 5 पोल गारंटियों में से एक है, जो कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दी थीं। राज्य के चार परिवहन निगम हैं। कर्नाटक स्टेट ट्राँसपोट कॉरपोरेशन (के.एस.आर.टी.सी.), बैंगलूरु मैट्रो पॉलिटन टाँसपोर्ट कॉरपोरेशन (बी.एम.टी.सी.), कल्याण रोड ट्राँसपोर्ट कॉरपोरेशन (के.के.आर.टी.सी.) और नॉर्थ वैर्स्टन कर्नाटक रोड ट्राँसपोर्ट कॉरपोरेशन (एन.डब्ल्यू.के.आर.टी.सी.)।

राज्य सरकार की यह प्रमुख योजना 11 जून, 2023 को लॉन्च हुई थी। 2 जनवरी, 2025 तक, अनुमानित रूप से 363 करोड़ महिलाएँ इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं। इसके अलावा, शक्ति स्कीम के बाद सभी रोड ट्राँसपोर्ट कॉरपोरेशन (आर.टी.सी.) में कुल मिलाकर दैनिक यात्रियों की संख्या 25 प्रतिशत बढ़ गई है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के लिए वाहनों की व्यवस्था करने के लिये, ट्राँसपोर्ट विभाग ने 2023-24 एवं 2024-25 में 4,304 बसें खरीदी हैं।

ट्राँसपोर्ट मंत्री रेड्डी ने कहा कि सरकार जून 2023 से लेकर नवम्बर 2024 के बीच शक्ति स्कीम के लिए 6,543 करोड़ रूपए की प्रतिपूर्ति कर चुकी है। तीनों आर.टी.सी. में कुल मिलाकर 1,694 करोड़ रूपए का घाटा है। इसके अलावा, इन तीनों निगमों ने प्रोविडेन्ट फंड की बकाया राशि क्लियर करने के लिए सरकार से 2,792 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता माँगी है। इस राशि में विलम्बित भुगतानों पर लगा ब्याज भी शामिल है।

बढ़ती हुई ईंधन की कीमतें, बढ़ता हुआ स्टाफ, बढ़ती हुई बस संचालन लागत तथा बस सेवाओं की माँग में वृद्धि के कारण किराया बढ़ाना जरूरी हो गया है। रेड्डी ने कहा कि कुछ परिवहन निगमों में पिछले पाँच साल से टिकट-किराया संशोधित नहीं हुआ है। बी.एम.टी.सी. में तो 2014 के बाद किराया बढ़ाया ही नहीं गया है। दूसरी तरफ, भाजपा नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार के कुशासन के कारण ये वित्तीय दायित्व उसके ऊपर आये हैं तथा उन घाटों की पूर्ति के लिये सरकार आवश्यक चीजों तथा सेवाओं की कीमतों में वृद्धि कर रही है।

भाजपा नेता ने कहा, ''वर्तमान (बिजली) चार्ज, मकानों पर गाइडेंस वैल्यू, जल-शुल्क, दूध तथा अन्य अत्यावश्यक चीजों की कीमतें बढ़ गई हैं। नये साल के उपहार-स्वरूप, अब बस किराया भी बढ़ गया है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने बी.एम.टी.सी. और के.एस.आर.टी.सी. को लाभ में छोड़ा था, लेकिन आज की स्थिति भिन्न है।

कांग्रेस अब...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा है, जिसमें पार्टी के अंदर के वर्ग भी शामिल हैं, मुसलमानों को लक्ष्य करने वाले अत्याचारों के विरुद्ध पार्टी पर्याप्त रुप से मुखर नहीं रही है। पार्टी के अंदर के कुछ प्रमुख वर्ग महसूस करते हैं कि ऐसे मामलों में कांग्रेस के लिए सावधानी बरतने का कोई कारण नहीं है, जबकि, आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत भी स्पष्ट और साहसी रुख अपना रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस का हस्तक्षेप या तो पार्टी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल या संचार प्रभारी जयराम रमेश के नाम से जा सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908